ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रघुपति भट्ट ने भाजपा के आंतरिक मामलों पर व्यक्त किया असंतोष @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 27 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-147

सड़क हादसों पर सरकार बहाती है आंसू पीड़ितों के आंसू पोंछने में कोई रुचि नहीं

सड़क हादसों में बीमा के 11 लाख दावे लंबित

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। भारत में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों पर सरकारी चिंता तो जताई जाती है, लेकिन सड़क हादसों के पीड़ितों को न्याय मिले, इसके लिए सरकार कोई सक्रियता नहीं दिखाती। गाड़ियों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। उसी गति से सड़क हादसे भी बढ़ रहे हैं। सबसे दुखद बात यह है कि सड़क हादसों के शिकार लोग जो बीमा के दावे करते हैं, उस पर कोई कार्रवाई नहीं होती। बीमा कंपनियां उन दावों को उलझाए रखती हैं और पीड़ितों के हित के लिए सरकार कोई रुचि नहीं लेती। सरकार की तरफ से बीमा कंपनियों को कोई हिदायत भी नहीं दी जाती। इस वजह से देश में सड़क हादसों के बीमा-दावों के लंबित मामले 11 लाख पहुंच गए हैं। दावों की लंबित राशि 289659 करोड़ है।

बीते पांच साल के दौरान मोटर वाहन हादसों के बीमा दावों के करीब 11 लाख मामले लंबित पड़े हैं। यह आंकड़ा देशभर का है, जिसमें 289659 करोड़ की राशि लंबित है। केवल एक साल की लंबित राशि 80,455 करोड़ रुपए है। देश में सड़क हादसों को लेकर कई तरह की जानकारियां सामने आती रहती हैं। ऐसे में यह आधिकारिक जानकारी सामने आई है कि 10,46,163 सड़क हादसों के 80,455 करोड़ के दावे देशभर में लंबित पड़े हैं। बीमा के इन लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। साल 2018-19 से 2022-23 के दौरान लंबित दावों के ये मामले आरटीआई के माध्यम से उजागर हो पाए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के वकील केसी जैन ने अप्रैल 2024 में इंश्योरेंस रेग्युलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (इरडा) से आरटीआई के जरिए जानकारियां मांगी थीं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने देशभर में मोटर वाहन हादसे के लंबित दावों की राज्य और जिला के आधार पर दी है। पूछा गया था कि मोटर वाहन के लंबित दावों को लेकर पिछले पांच सालों में केंद्र सरकार की तरफ से कोई कदम उठाया गया है या नहीं? अगर उठाया गया है तो उसकी जानकारी उपलब्ध कराएं।

इरडा द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2018-19, 2019-20, 2020-21, 2021-22, और 2022-23 के दौरान मोटर वाहन हादसों के लंबित दावों की संख्या क्रमशः 9,09,166, 9,39,160, 10,08,332, 10,39,323 और 10,46,163 रही। इस दौरान दावों की राशि क्रमश: 2,713 करोड़ रुपए, 61,051 करोड़ रुपए, 70,722 करोड़ रुपए, 74,718 करोड़ रुपए, और 80,455 करोड़ रुपए है, जो लंबित पड़ा है। इरडा के मुताबिक, वह जिला और राज्य के आधार पर मोटर थर्ड पार्टी दावों की जानकारी नहीं जुटाता है। ▶8 पर

साल-दर-साल सड़क हादसों के बढ़ते दावे

2018-19	9,09,166
2019-20	9,39,160
2020-21	10,08,332
2021-22	10,39,323
2022-23	10,46,163

289659 करोड़ रुपए का दावा लंबित, पीड़ित परेशान

उत्तर प्रदेश में हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीन विशाल रैलियां

4 जून को बड़ा मंगल के दिन फिर एक बार मोदी सरकार

4 जून को बड़ा मंगल है, बजरंग बली भारतवर्ष का मंगल करेंगे

मऊ, देवरिया और मिर्जापुर से 7 लोकसभा क्षेत्रों तक दिया संदेश

माफिया पालने वाली सपा माफिया की मौत पर आंसू बहा रही है

बहुसंख्यक समाज को दोयम दर्जे का नागरिक बनाने का षड्यंत्र है

मऊ (यूपी), 26 मई (एजेंसियां)। देश में लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण का मतदान नजदीक है। सियासी पारा परवान पर चढ़ा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उत्तर प्रदेश में तीन रैलियां कीं और भाजपा एवं सहयोगी दलों के प्रत्याशियों के लिए धुआंधार प्रचार किया। पीएम मोदी ने तीन रैलियों के माध्यम से सात लोकसभा सीटों को साधा। प्रधानमंत्री की आज मऊ, देवरिया और मिर्जापुर में रैलियां हुईं।

प्रधानमंत्री मोदी की पहली जनसभा मिर्जापुर के बरकछा कला में हुई। वहां से उन्होंने मिर्जापुर लोकसभा सीट और रॉबर्ट्सगंज लोकसभा सीट के लिए जनता से समर्थन मांगा। मिर्जापुर में प्रधानमंत्री ने एनडीए की सदस्य पार्टी अपना दल (एस) की प्रत्याशी अनुराधा पटेल के लिए प्रचार किया। पीएम की दूसरी जनसभा मऊ के रतनपुरा में घोसी लोकसभा सीट, बलिया लोकसभा सीट और सलेमपुर लोकसभा सीट के लिए हुई। ▶8 पर

● पहले जनता कांपती थी, अब माफिया कांपते हैं

मिर्जापुर, 26 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को यूपी के मिर्जापुर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, आप लोगन के का हाल चाल बा। मजे में हया न, आप लोगन के हाथ जोड़ के प्रणाम करत हईं। पीएम मोदी ने कहा, 500 साल बाद राम मंदिर बना। 4 जून को बड़ा मंगल होने वाला है, बजरंगबली अयोध्या में विराजमान होंगे, बजरंगबली खुश होंगे। आपके वोट की ताकत है, अयोध्या में राम मंदिर बना और विंध्याचल में विंध्य कॉरिडोर बना। साथियों, 4 जून को बड़ा मंगल के दिन फिर एक बार मोदी सरकार।

पीएम मोदी ने कहा, मेरा देश सबसे ऊपर। आप अपना घर बनाते हैं, किसी मिस्त्री को लगा देते हैं, क्या कभी कोई सामान्य नागरिक भी अपना घर बनाने के लिए हर महीने मिस्त्री बदलेगा? ऐसे करेगा तो घर नहीं बनेगा। अब यह सपा कांग्रेस इंडी गठबंधन 5 साल में 5 प्रधानमंत्री बदलेगा। ऐसे कोई रखता है क्या? ▶8 पर

● वोट बैंक के लिए संविधान बदलना चाहते हैं इंडी वाले

देवरिया, 26 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देवरिया में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सपा-कांग्रेस वाले अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए बाबा साहेब के संविधान को बदलना चाहते हैं। पूर्वांचल की जनता इस साजिश को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। पीएम मोदी ने देवरिया लोकसभा प्रत्याशी शशांक मणि त्रिपाठी और बांसगांव लोकसभा प्रत्याशी कमलेश पासवान के पक्ष में मतदान करने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आपका उत्साह एक बात कह रहा है कि फिर एक बार मोदी की सरकार और फिर एक बार 400 पार। 4 जून की तारीख भारत का भविष्य तय करने जा रही है। 4 जून को देश एक नई उड़ान के लिए पंख फैलाएगा। पीएम ने कहा कि छठे चरण के मतदान ने इंडी गठबंधन के छक्के छुड़ा दिए हैं, अब सातवें चरण में इंडी वालों पर पूर्वांचल का प्रहार होगा और पूर्वांचल का प्रहार जिस पर हुआ, ▶8 पर

समान नागरिक कानून पर अमित शाह की घोषणा

पांच साल के अंदर देशभर में लागू होगा यूसीसी

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार के अगले कार्यकाल में ही देशभर में समान नागरिक संहिता लागू कर दी जाएगी। शाह ने कहा कि अगर भाजपा की सत्ता में वापसी होती है तो सभी हितधारकों से व्यापक चर्चा के बाद यूसीसी को लाया जाएगा। एक इंटरव्यू में अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार का अगला कार्यकाल कई मायनों में अहम होगा क्योंकि इसी दौरान एक देश-एक चुनाव को भी लागू किया जाएगा। शाह ने कहा कि अब समय आ गया है, जब देशभर में एक साथ चुनाव हों।

अमित शाह ने कहा, समान नागरिक संहिता हम पर एक जिम्मेदारी है, जिसे हमारे संविधान निर्माता हम पर, हमारी संसद पर और राज्य विधानसभाओं पर छोड़कर गए हैं। संविधान सभा ने हमारे लिए जो मार्गदर्शक सिद्धांत तय किए थे, उनमें समान नागरिक संहिता भी शामिल है। यहां तक कि उस समय भी कानूनी विद्वानों जैसे केएम मुंशी, राजेंद्र बाबू, अंबेडकर जी ने कहा था ▶8 पर

मैतई-कुकी में विश्वास बहाली का काम कर रही सरकार

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मणिपुर में स्थायी शांति लाने के लिए सरकार मैतई और कुकी समुदाय के बीच विश्वास की कमी दूर करने का काम कर रही है। लोकसभा चुनाव के बाद प्रक्रिया को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ तेज किया जाएगा। क्या सरकार को पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा के चक्र को समाप्त करने के लिए कुछ कड़े कदम उठाने की जरूरत है? इस सवाल पर शाह ने कहा, मणिपुर में जो हो रहा है वह दंगा नहीं है और न ही कोई आतंकी हिंसा। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष नस्लीय प्रकृति का है। इसे बल के माध्यम से हल नहीं किया जा सकता। ▶8 पर

अनाज खरीद घोटाले पर तेलंगाना के सीएम की चुप्पी संदेहास्पद

घोटाले की जांच नहीं हुई तो कोर्ट जाएंगे केटीआर

नई दिल्ली/हैदराबाद, 26 मई (एजेंसियां)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठ नेता केटी रामा राव (केटीआर) ने कहा कि हजारों करोड़ रुपए का अनाज घोटाला किए जाने के मामले की वे लगातार जांच की मांग कर रहे हैं, लेकिन इस पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी चुप्पी साधे बैठे हैं। तेलंगाना सरकार पर हजारों करोड़ रुपए का अनाज घोटाला करने का गंभीर आरोप है। केटीआर तेलंगाना में धान की बिक्री और बढ़िया

ईडी और सीबीआई से घोटाले की जांच कराने की मांग

चावल की खरीद में 1,100 करोड़ रुपए से अधिक का घोटाले किए जाने की उच्च स्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं।

बीआरएस नेता ने कहा कि 15 दिन पहले घोटाले का पर्दाफाश करने के बावजूद न तो मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और न ही नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने इस पर कोई भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हम पिछले 15 दिनों से धान खरीद में घोटाले का आरोप लगा रहे हैं। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, न ही किसी ने इस पर कोई प्रतिक्रिया दी। देश में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं। ▶8 पर

जनरल मनोज पांडे का कार्यकाल एक माह बढ़ा

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडेय का कार्यकाल एक महीना बढ़ा दिया गया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने रविवार को जनरल पांडे के सेवा विस्तार को मंजूरी दी है। विस्तार के बाद जनरल पांडेय 30 जून तक सेना के अध्यक्ष रहेंगे। जनरल पांडेय 31 मई को रिटायर होने वाले थे।

जनरल मनोज पांडेय ने 30 अप्रैल 2022 को सेना अध्यक्ष का पद संभाला था। उन्होंने जनरल एमएम नरवणे की जगह ली थी। सेना अध्यक्ष से पहले पांडेय सेना के उप-प्रमुख थे।

कंगाली से गुजर रही केरल सरकार को मिली केंद्र से मदद

केरल को केंद्र सरकार ने दिए 21,253 करोड़

तिरुवनंतपुरम, 26 मई (एजेंसियां)। गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे केरल को केंद्र सरकार ने 21,253 करोड़ रुपए देने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने यह जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार केरल को आर्थिक संकट से निकालने के लिए आगे आई है और दिसंबर 2024 तक केरल को 21,253 करोड़ रुपए उधार देने की मंजूरी दी है।

केंद्र सरकार का यह कदम ऐसे समय सामने आया है, जब केरल गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा

है। आर्थिक संकट के चलते केरल सरकार कर्मचारियों की सैलरी नहीं दे पा रही है और पूर्व कर्मचारियों को पेंशन भी नहीं मिल पा रही है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सीएम पी विजयन से अपील करते हुए कहा, मैं सीएम से अपील करता हूं कि इस फंड का इस्तेमाल सही तरीके से हो और बिना किसी भ्रष्टाचार के लोगों की भलाई के लिए इस्तेमाल किया जाए। केरल सरकार इस फंड से राज्य सरकार के कर्मचारियों खासकर केएसआरटीसी के कर्मचारियों की सैलरी और पेंशन दें क्योंकि ये लोग बीते कई महीनों से परेशान हैं। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि तटीय सुरक्षा और मिनी हार्बर प्रोजेक्ट पर केरल सरकार को ध्यान देना चाहिए। तटीय सुरक्षा के लिए सीपीओ की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की जानी चाहिए और जो विकास कार्य चल रहे हैं, उन्हें पूरा किया जाना चाहिए। ▶8 पर

वामपंथी सरकार की नीतियों के कारण केरल कंगाल

तिरुअनंतपुरम, 26 मई (एजेंसियां)। केरल पूरी तरह से कंगाली की कगार पर है। मुख्यमंत्री पी विजयन की अगुवाई वाली सरकार का कामकाज केवल केंद्र सरकार से मिलने वाले कर्ज पर निर्भर है। वामपंथियों ने अपनी अनीति से राज्य की हालत ऐसी बना दी है कि अगर केंद्र सरकार से कर्ज न मिले तो ये अपने दम पर अपने कर्मचारियों को सैलरी और पेंशन भी नहीं दे सकते हैं। ▶8 पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 75,410.39
-7.65 -0.01% ↓

एनएसई :22,957.10
-10.55 (-0.05%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 22°

आम आदमी पार्टी में असंतोष और विद्रोह की स्थिति

जल्दी ही टूट सकती है केजरीवाल की आपा

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)। इस बार लोकसभा चुनाव ने आम आदमी पार्टी (आपा) को वहां लाकर खड़ा कर दिया है, जहां से उसके टूट कर बिखरने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। पार्टी की राज्यसभा सांसद और अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के आरंभिक दिनों की साथी स्वाति मालीवाल के साथ मुख्यमंत्री आवास पर जो जघन्य बरताव हुआ, वह भारतीय राजनीति की एक असाधारण कलंकित घटना है। अभी तक ऐसा नहीं हुआ कि मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री के निजी सहायक ने पार्टी की महिला सांसद के साथ मारपीट और अभद्र आचरण किया हो।

स्वाति मालीवाल लंबे समय तक दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष रहीं और महिलाओं की गरिमा, अधिकार आदि पर उनकी तत्परता, आक्रामकता और कार्रवाई के तौर-तरीके को मीडिया के माध्यम से पूरे देश ने

केवल स्वाति ही नहीं, महिलाओं के उत्पीड़न का पूरा 'ग्रंथ' है चर्चा में

हर बात पर 'लबर-लबर' करने वाला खान मार्केट गिरोह साधे है चुप्पी

देखा है। लेकिन स्वाति ने कल्पना भी नहीं की होगी कि उनके साथ भी ऐसा कुछ होगा। इस प्रकरण के बाद केजरीवाल और पार्टी का व्यवहार ऐसा है, मानो स्वाति ही अपराधी और षड्यंत्रकारी हों। महिला अस्मिता, महिला सुरक्षा और उनके प्रति संवेदनशीलता की बात करने वाली पार्टी के नेताओं के मुंह से पश्चाताप और माफी तो दूर, अफसोस का एक शब्द तक नहीं निकला। शराब घोटाले में जमानत पर बाहर आए राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने हालांकि घटना की निंदा करते हुए विभव कुमार के विरुद्ध जांच की बात कही थी। लेकिन अब उनका व्यवहार बिल्कुल बदला हुआ है। आपा सरकार में आतिशी एक महिला मंत्री हैं, लेकिन इस मुद्दे पर सहानुभूति तो छोड़िए, वह कह रही हैं कि स्वाति भाजपा के षड्यंत्र का हिस्सा बन गई हैं। आपा के सभी नेता यही साबित करने में जुटे हुए हैं, ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

खेल प्रतियोगिता सिर्फ विजय या पराजय तक सीमित नहीं होनी चाहिए: मोतीलाल ओसवाल

जीतो नेशनल गेम्स 2024 प्रतियोगिता में विजेताओं को किया सम्मानित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रतियोगिताओं का लक्ष्य प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना होता है। खेल प्रतियोगिता सिर्फ विजय या पराजय तक सीमित नहीं होनी चाहिए। खेलना ही प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए। परिणाम के बाद युवा अपनी हार-जीत का विश्लेषण कर स्वयं को निखार सकते हैं। उक्त विचार जीतो एपेक्स सलाहकार काउंसिल के उपाध्यक्ष मोतीलाल ओसवाल मुंबई जीतो नेशनल गेम्स 2024 प्रतियोगिता में विजेता निमिशा मेहता (3 गोल्ड मेडल) दिव्यांग नतानीया जैन (4 सिल्वर मेडल) हिमांशी चौधरी (4 ब्रांज मेडल) को सम्मानित करते हुए ग्रांड फिनाले के समापन सत्र में कही। जीतो चैप्टर बेंगलूरु के संस्थापक तेजराज गुलेच्छा ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा जीतता तो एक है पर हार में भी जीत है जो खिलाड़ी मेडल जीते है वे आगे की तैयारी करें, जो हारे हैं वे और मेहनत करें। मुख्य अतिथि श्रेयंका पाटिल ने जीतो नेशनल गेम्स 2024 में संभागी सभी खिलाड़ियों को प्रभावी प्रेरणा दी। ज्ञातव्य है कि जीतो नेशनल गेम्स 2024 प्रतियोगिता के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आयी श्रेयंका राजेश पाटिल भारतीय क्रिकेटर हैं, जो वर्तमान में कर्नाटक और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु से खेलती है। 2023 में भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने पदार्पण किया। उनका परिचय आशीष टपरावत ने एवं प्रश्नोत्तर सिद्धार्थ पटवा ने किया। उनका जीतो द्वारा सम्मान किया गया। केकेजी जोन के चेयरमैन अशोक सालेचा ने आयोजक बेंगलूरु नॉर्थ के सुव्यवस्थित कार्यशैली की सराहना करते हुए बधाई दी और कहा संपूर्ण कार्य तरीके से आयोजित हुआ। प्रतियोगिताओं में कहीं भी वाद-विवाद की गुंजाइश नहीं रही। पूर्व अध्यक्ष पारस भंडारी ने कहा कि खुशी एवं गौरव की बात है कि बेंगलूरु को मौका मिला और जोन ने पूरा सहयोग दिया। जीतो की वजह से बच्चों की प्रतिभा आगे आयी और पूरे खिलाड़ियों का अभिनंदन हुआ। इसी कड़ी में श्रीपाल खिंवेसरा ने कहा कि अभिभावक बढ़ावा दें और बच्चों की प्रतिभा को विश्वस्तरीय खिलाड़ी की तरह उभारे और खिलाड़ी भी अपनी गुणवत्ता बढ़ाते रहे। एपेक्स से श्रमण आरोग्यम के चेयरमैन रमेश हरण, खेल संयोजक विक्की ओसवाल, टीएनएपीटीस एवं केकेजी खेल संयोजक संजय सिसोदिया ने बधाई दी। अशोक नागोरी, महेश नाहर, रणजीत सोलंकी, राजेश मेहता, हिम्मत मांडोत, पंकज जैन, रमेश दक, उपाध्यक्ष प्रवीण शाह, सुभाष खिंवेसरा, सिद्धार्थ बोहरा, कोषाध्यक्ष विजय सिंघवी, कमल पुनमिया, नितिन कटारिया आदि ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल, सर्टिफिकेट, पुरस्कार राशि से सम्मानित किया।

21 स्वर्ण पदक, 9 रजत और 12 कांस्य पदक के साथ बेंगलूरु स्पोर्ट्स प्लेयर्स टीम ने जीतो नेशनल गेम्स 2024 चैंपियन ट्रॉफी का खिताब जीता। देश भर से आये खिलाड़ियों ने अपना बेहतर प्रदर्शन दिया और जीत हासिल की। कोल्हापुर टीम ने 8 स्वर्ण, 6 रजत एवं 1 कांस्य जीता, वहीं भोपाल शहर से आये 3 खिलाड़ियों ने 5 मेडल जीते जिनमें दो स्वर्ण पदक थे। जहां जलगाँव की 9 वर्षीय आर्या पराग नाहटा सबसे छोटी उम्र की विजेता खिलाड़ी रही। वही स्विमिंग में 78 खिलाड़ियों में बेंगलूरु की 17 वर्षीय सिद्धि गौतम शाह ने लगातार 4 स्वर्ण पदक एवं बेलगाम के धवल हनमानवर ने भी तैराकी में 4 स्वर्ण पदक जीते।

सभी के प्रति जताया आभार

जीतो स्पोर्ट्स नेशनल गेम्स 24 जिसे केकेजी जोन और जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर द्वारा आयोजित किया गया, में संभागी सभी प्रायोजकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। इस आयोजन के टाइटल प्रायोजक इंदरचंद, रमेशचंद, मंगलचंद, प्रदीप, अरुण, महेंद्र, विकास, करण, राहुल बोहरा एवं परिवार, पावर्ड बाय प्रायोजक सुखराज नाहर एवं परिवार, जर्सी प्रायोजक अशोक नागोरी एवं सुधीर गादिया, खाद्य प्रायोजक श्रीपाल, विमल, सुभाष, भारत, सिद्धार्थ, श्रेयांश, साक्षथ, श्रवण, संकेत खिवेसरा एवं परिवार, एथलेटिक्स पवेलियन प्रायोजक शांतिलाल, राजेश, श्रेयांश मुथा एवं परिवार, बैडमिंटन पवेलियन प्रायोजक मेहता गिरिधरिलाल, बाबुलाल, अशोककुमार, महावीरकुमार, अजय, जय, विजय, मनीष, विकास, रोहित, अक्षय, यश, हर्ष, सौरभ, मयान, मितांश, तवेश, दिव्यम एवं अर्हान मेहता समेत अन्य परिवार रहे। समापन सत्र का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। बेंगलूरु नॉर्थ चेयरमैन इंदरचंद बोहरा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री सुधीर गादिया ने संचालन किया। राष्ट्रगान के साथ समापन हुआ।

बाल संस्कार ज्ञानशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ बेंगलूरु सेंट्रल के तत्वावधान में रविवार को वासवी टेम्पल रोड़ स्थित वीवीपुरम जैन कॉलेज में बाल संस्कार ज्ञानशाला का आयोजन किया गया। जिसमें अनेक बालक बालिकाओं ने श्री कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के अध्यापन व्यवस्था सहयोग से जैन धर्म दर्शन, इतिहास, तत्व के साथ सामान्य ज्ञान की जानकारी प्राप्त की। चार्ट के माध्यम से बच्चों को भगवान महावीर का जीवन परिचय बताया गया। संघ के मंत्री महेन्द्र मुणोत ने इस अवसर पर बड़ों के लिए प्रति रविवार को आयोजित सामूहिक प्रार्थना एवं सामायिक साधना कार्यक्रम में युवा टीम के साथ व्यवस्था संभाली। अध्यापन व्यवस्था में संजय कुमार कचोलिया, संजना मरलेचा, अलका कोचेटा ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बन्नूर मार्ग पर स्थित एटीएमई कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव में कन्नड़ फिल्म अभिनेता प्रेम शामिल हुए। उन्होंने बताया कि कॉलेज का मतलब शिक्षा, संस्कृति, लोक कला और रंगमंच है। छात्रों में सीखने की प्रवृत्ति को बढ़ाना चाहिए। अभिनेता ने पर्यावरण जागृति वैदिके बन्नूर के अध्यक्ष व सामाजसेवी महेंद्र सिंह कलप्पा की ओर से सामाजिक क्षेत्र में की जा रही सेवाओं की सराहना कर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को महेंद्र सिंह कालप्पा से सेवाकार्य गुण सीखना चाहिए। महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने अपने संबोधन ने कहा कि छात्र- छात्राओं में विविध कलाओं का प्रदर्शन करने की भरपूर क्षमता है। जरूरत है तो बस उचित मंच प्रदान कर ने की। इस मौके पर असाध्य बीमारी से जूझ रही महिला मरीजों को उपचार हेतु कॉलेज की ओर से आर्थिक सहयोग राशि दी गई। कार्यक्रम में ज्योति, साइकिल प्योर अगरबत्ती इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष आर.गुरु, सुरेश शेट्टी, सहायक निदेशक राज्य सरकार आयुर्वेद केंद्र लक्ष्मीनारायण शेनाई, एल अरुण कुमार, सचिव के. शिवशंकर, कोषाध्यक्ष आर. वीरेश, एल बसवराज, व्याख्याता रोहित, शारदादेवी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

उडुपी अंतर-गैंग युद्ध मामले में तीन और गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस ने रविवार को यहां उडुपी शहर पुलिस सीमा के कुंजीबेट्टू में 19 मई की सुबह हुए अंतर-गैंग युद्ध के सिलसिले में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या अब छह है। रविवार को गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान माजिद, अल्फाज और शरीफ के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि ये तीनों गरुड़ गिरोह के सदस्य बताए गए हैं। इससे पहले, 24 मई को पुलिस ने इसी गिरोह के तीन लोगों आशिक, रकीब और सकलैन को गिरफ्तार किया था। शरीफ, जो अपने प्रतिद्वंद्वियों द्वारा चलाई जा रही कार से कुचल गया था, का स्थानीय अस्पताल में इलाज किया गया और उसे छुट्टी दे दी गई। वह अब उडुपी टाउन पुलिस की हिरासत में है। घटना के सीसीटीवी फुटेज में एक सफेद कार तेजी से भागने से पहले पलटती हुई और एक भूरे रंग के वाहन से टकराती हुई दिखाई दे रही है, जबकि एक व्यक्ति तलवार लहराते हुए उसके पीछे भागता हुआ दिखाई दे रहा है। तभी सफेद कार ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने कहा कि कथित तौर पर रियल एस्टेट विवाद को 'निपटाने' के लिए सदस्यों ने एक-दूसरे पर हथियारों से हमला करने की कोशिश की। सड़क पर मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और गिरफ्तारियां कीं। पुलिस ने चाकू समेत धारदार हथियार और दो कारें भी जब्त कीं।

गुणानुवाद सभा में दिवंगत उपाध्याय श्री गुणवंत मुनि को श्रद्धा सुमन अर्पित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जयमल जैन श्रावक संघ बेंगलूरु के तत्वावधान में महावीर भवन अलसूर में रविवार को आयोजित गुणानुवाद सभा में दिवंगत उपाध्याय श्री गुणवंत मुनि को श्रद्धालुओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस प्रसंग पर साध्वी धर्मप्रभा जी ने कहा कि गुणवंत मुनि महान चारित्र आत्मा और आगमों के ज्ञाता, तत्वों के मर्मज्ञ साधना के शिखर पुरुष थे। उन्होंने वज्र के समान स्वयं पर कठोरता करते हुए श्रेष्ठ संयम का पालन किया और इतिहास के लिए उदाहरण बन गये। गुणानुवाद सभा का प्रारम्भ करते हुए अलसूर श्रावक संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने कहा कि वे जिनशासन के बेजोड़ संत थे, जिनकी उलाहना भी भक्त प्रसाद समझ कर स्वीकार करते थे। मृत्यु का आभास होते ही गुणवंत मुनि ने समाधि यात्रा प्रारंभ कर दी और पीपाड शहर में देह त्याग किया। सभा का संचालन करते हुए मनोहरलाल डुंगरवाल ने गुणवंत मुनि का जीवन परिचय देते हुए कहा कि दिवंगत संत की 48 वर्ष की निर्मल दीक्षा पर्याय थी और जय गच्छ की वे आन बान और शान थे। जयमल जैन श्रावक संघ के मंत्री महेंद्र कुमार भंसाली ने संघ की ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन के शास्वत सुख की कामना की और बताया कि गुणवंत मुनि का प्रथम और अंतिम चातुर्मास पीपाड ही हुआ। जयमल जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश बोहरा ने पीपाड का आंखों देखा हाल सुनाया और कहा कि गुणवंत मुनि का कठोर अनुशासन आज जीवंत उदाहरण हो गया। साध्वी स्नेहप्रभा के साथ पदम भूरट, चेतनप्रकाश डुंगरवाल, जवेरीलाल पालगोता, रविन्द्र चोरडिया, आरती मकाना एवं जयमल महिला मंडल ने भी अपने विचार व्यक्त कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। गुणवंत मुनि के अलावा शनिवार रात दिवंगत हुए चिरंजय मुनि, सूर्यप्रभ मुनि एवं साध्वी मंजुला श्री का भी गुणानुवाद कर अलसूर संघ एवं जयमल श्रावक संघ ने चार लोगस्स का ध्यान कर श्रद्धांजलि दी। गुणानुवाद सभा में मीठालाल मकाना, मोहनलाल कांकरिया, रेवंतमल नाहर, किशनलाल कोठारी, गौतम चन्द ओस्तवाल सहित अनेक संघों के पदाधिकारी उपस्थित थे। साध्वी धर्मप्रभा ने मंगल पाठ दिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बैरमंगला स्थित श्री विरुपाक्ष देवर मठ में रविवार को बसव जयंती के उपलक्ष में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सद्गुरु माता कस्तूरी देवी, मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, मंजूनाथ, नागराज ने संत बसवन्ना एवं डॉ शिवकुमार स्वामी की मूर्ति स्थापना के लिए भूमि पूजन किया। मुणोत ने अपने वक्तव्य में शिक्षा के क्षेत्र में डॉक्टर शिवकुमार स्वामी की सेवाओं को याद करते हुए कहा उन्होंने अभाव का जीवन जीने वाले लाखों बच्चों के जीवन में ज्ञान का उजाला लाया। विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले साधकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन चंद्रशेखर ने किया।

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। हासन तेरापंथ युवक परिषद की रजत जयंती समारोह तेरापंथ सभा भवन में आयोजित की गई। सभा में तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष गौरव गुलगुलिया ने नितेश सुराणा का नाम आगामी अध्यक्ष के रूप में प्रस्तावित किया। चुनाव अधिकारी एवं हासन अणुव्रत समिति के अध्यक्ष चांदमल सुराणा ने सभी की सहमति से नए अध्यक्ष के रूप में नितेश सुराणा (2024 - 2025) का चयन किया। मुख्य अतिथि मलनाड के अध्यक्ष महावीर भंसाली, मंत्री विकास कोठरी एवं युवक परिषद के सभी सदस्यों की उपस्थिति रही।

सौर संस्कृति संरक्षण केंद्र बनाने का विचार

जेपी नगर सूर्यमन्दिर से परम्परागत कार्य करने का निर्णय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के जेपी नगर में नवनिर्मित सूर्यनारायण मन्दिर को भारतीय सौर परंपरा का राष्ट्रीय केंद्र बनाने का निर्णय प्रबंध समिति की ओर से लिया गया है। शुक्रवार, शनिवार और रविवार को इस उद्देश्य को लेकर बिहार के मगध क्षेत्र से आये जानकार राजेन्द्र पाठक के साथ तीन दिवसीय विचार विमर्श मन्दिर के संस्थापक सुनील शर्मा और शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के सदस्यों ने की। रविवार की मुख्य विचार गोष्ठी में मन्दिर की प्रबंध समिति ने यह निर्णय लिया कि आने वाले दिनों में मन्दिर समिति राष्ट्रीय स्तर पर सौर परम्परा को आगे बढाने का नियमित कार्य करेगी। बैठक का निर्देशन मन्दिर के संस्थापक सुनील शर्मा ने की। बैठक में मुख्य रूप से चेन्नई समाज अध्यक्ष किशोर शर्मा और बिहार के शाहाबाद मगध क्षेत्र के शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के कार्यकर्ता राजेन्द्र पाठक की उपस्थिति रही। इस अवसर पर सुनील शर्मा, किशोर शर्मा, राजेन्द्र पाठक, चेतन शर्मा, भूपेश कश्यप, अश्विन शर्मा, राजेश शर्मा, संदीप शर्मा, चंद्रप्रकाश शर्मा सहित कई लोग उपस्थित थे।

रघुपति भट्ट ने भाजपा के आंतरिक मामलों पर व्यक्त किया असंतोष

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी के पूर्व विधायक रघुपति भट्ट ने अपनी ही पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए भाजपा से छह साल के लिए निष्कासन के बाद कहा कि मुझे अभी तक अनुशासन समिति से कोई नोटिस नहीं मिला है। भट्ट ने पार्टी के आंतरिक संचालन पर अपना असंतोष व्यक्त किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि पार्टी को अपनी जीवन रेखा मानने वाले समर्पित कार्यकर्ता ऐसे फैसलों से लगातार आहत होते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने हाल ही में पार्टी के भीतर कोई आधिकारिक पद नहीं संभाला है और अपने निष्कासन की वैधता पर सवाल उठाया। उन्होंने मांग की कि पार्टी को स्पष्ट करना चाहिए कि उन्होंने मुझे किस पद से निष्कासित किया है। पिछले वादों को याद करते हुए, भट्ट ने उल्लेख किया कि जब उन्हें टिकट से वंचित कर दिया

गया था तो पार्टी ने उन्हें एक पद का आश्वासन दिया था, फिर भी उन्हें कभी राज्य कार्यकारिणी सदस्य नहीं बनाया गया। अपने निष्कासन के बावजूद, भट्ट अविचलित रहे और उन्होंने कहा मैं इस पर अपना आपा नहीं खोऊंगा। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी या राज्य के नेताओं के खिलाफ कोई भी अपमानजनक टिप्पणी करने से इनकार किया, लेकिन पार्टी प्रशासन के प्रति अपना असंतोष व्यक्त किया। आलोचना के एक साल के भीतर पार्टी में वापसी करने वाले और लोकसभा का टिकट पाने वाले जगदीश शेट्टर की तुलना करते हुए भट्ट ने उम्मीद जताई कि उनका निष्कासन स्थायी नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा मुझे विश्वास है कि परिषद चुनाव जीतने के बाद मेरा निष्कासन रद्द कर दिया जाएगा। एक सच्चे भाजपा कार्यकर्ता को निष्कासित करना संभव नहीं है। उन्होंने पार्टी के नियमों का उल्लंघन करने वाले अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई के संबंध में पार्टी की अनुशासन समिति से कई सवाल भी पूछे। भट्ट ने राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वालों और लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस का समर्थन करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की कमी की आलोचना की। उन्होंने पार्टी के भीतर अदृश्य तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ की गई कार्रवाई पर सवाल उठाया, जिससे संकेत मिलता है कि जिन लोगों का उन्होंने पोषण किया, उन्होंने उनके निष्कासन की सिफारिश की।

पार्टी के दृष्टिकोण से जिला अध्यक्ष और विधायक सुनील कुमार के कार्यों का बचाव करते हुए भट्ट ने पार्टी निष्कासन में समान न्याय का आह्वान किया। उन्होंने सार्वजनिक बयानों और अन्य नेताओं द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों के संबंध में पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाया। चुनावी अभियानों के वित्तीय पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए, भट्ट ने बताया कि विधान सभा चुनावों के दौरान आधिकारिक उम्मीदवारों ने भी अपने साथियों पर वित्तीय कदाचार का आरोप लगाया। मैं सिर्फ एक निर्दोष, गरीब आदमी हूं। क्या मैं अकेला हूं जिसे उन्होंने निष्कासित किया है? जगदीश शेट्टर के मामले का जिक्र करते हुए, भट्ट ने तटीय क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं को दिए गए गंभीर अनुशासन और दंड का उल्लेख किया। उन्होंने उडुपी में चार मौजूदा विधायकों के प्रतिस्थापन पर प्रकाश डाला। भट्ट ने तटीय क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मनमाने व्यवहार पर अफसोस जताया और बताया कि तटीय क्षेत्र के लिए आरक्षित सीट शिवमोग्गा को आवंटित की गई थी। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए निष्कर्ष निकाला कि मतदाता और कार्यकर्ता आगामी चुनाव में उचित प्रतिक्रिया प्रदान करेंगे।

विधान परिषद चुनाव को लेकर भाजपा-जेडीएस समन्वय समिति की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद के बेंगलूरु स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर रविवार को जेपी भवन में भाजपा और जेडीएस समन्वय समिति की बैठक हुई। समन्वय समिति की बैठक पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी और विपक्ष के नेता आर. अशोक के नेतृत्व में हुई। बैठक में उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वथ नारायण, पूर्व मंत्री गोपालैया, मुनिरत्न, सीपी योगेश्वर, विधान परिषद सदस्य केए थिप्पेस्वामी, टीए सरवन, पूर्व विधायक निसर्ग नारायणस्वामी, मंजूनाथ, डॉ. श्रीनिवास मूर्ति, नेता रमेश गौड़ा, सी. राजन्ना, आर प्रकाश, डॉ. नारायण गौड़ा जैसे दोनों पार्टियों के नेता शामिल हुए। बैठक में बेंगलूरु ग्रेजुएट कांस्टीट्यूएंसी से भाजपा-जेडीएस उम्मीदवार आर देवेगौड़ा भी मौजूद थे। बैठक में सुझाव दिया गया कि दोनों दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए कि गठबंधन के उम्मीदवार बेंगलूरु स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में बड़े अंतर से जीत हासिल करें। पंजीकृत स्नातक मतदाताओं से संपर्क कर गठबंधन प्रत्याशी के पक्ष में वोट देने का निर्णय लिया गया। गठबंधन प्रत्याशियों को चुनाव में जीत की रणनीति पर मार्गदर्शन दिया गया। बैठक में दोनों दलों के नेताओं ने कहा कि पिछली बार की तरह इस बार भी गठबंधन प्रत्याशी को जीत मिलनी चाहिए। चूँकि बहुत अधिक प्रतिस्पर्धा है, उन्होंने कहीं भी चूक न हो, इसकी सावधानी बरतते हुए मतदाताओं को समझाने के लिए सक्रिय रहने का आह्वान किया। इसी मौके पर दोनों दलों के नेताओं ने अन्य स्नातक व शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव में उतरे गठबंधन प्रत्याशियों की जीत की रणनीति पर भी मंत्रणा की।

यौन उत्पीड़न मामले में प्रज्वल रेवन्ना को पहले ही नोटिस जारी: केंद्रीय मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि केंद्र सरकार ने सेक्स वीडियो कांड के मुख्य आरोपी प्रज्वल रेवन्ना को 25 मई को नोटिस जारी किया था। जोशी ने मीडियाकर्मियों से कहा अगर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय को पत्र लिखने के बाद राजनीति में शामिल होते हैं तो प्रज्वल का पासपोर्ट रद्द नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्नाटक पुलिस विभाग को या तो केंद्र सरकार को आधिकारिक अधिसूचना प्रदान करनी चाहिए या मामले के संबंध में अदालत का आदेश प्रदान करना चाहिए। एसआईटी ने हाल ही में केंद्र को जानकारी प्रदान की है। 21 मई को घोटाला सामने आने के एक महीने बाद आधिकारिक जानकारी दी गई। हालांकि, केंद्र सरकार ने प्रज्वल

के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की। राज्य से केंद्र को सूचना भेजे जाने के बाद कार्रवाई करने के लिए 10 दिन का समय होता है। उन्होंने कहा कि मामले का राजनीतिकरण करने की बजाय प्रज्वल को विदेश से वापस लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री, जो स्वयं एक वकील हैं, को पता होना चाहिए कि नियमों के अनुसार, पुलिस विभाग को एक नोटिस जारी करना चाहिए था, और मामले का विशिष्ट विवरण एफआईआर के साथ केंद्र को भेजा जाना चाहिए था। जोशी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने प्रज्वल रेवन्ना को विदेश जाने की अनुमति दी और फिर केंद्र पर उंगली उठाना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, 21 अप्रैल को घोटाला सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई क्यों नहीं की, क्योंकि प्रज्वल 28 अप्रैल को विदेश भागा।

मटका खेलने वालों से मासिक पुलिस चंदा वसूलने की पुष्टि हुई तो सेवा से बर्खास्त कर दिये जायेंगे: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने रविवार को कहा कि दावणगेरे जिले के चन्नागिरी पुलिस स्टेशन के मटका मामले की व्यापक जांच सौंपी गई है, और अगर यह पुष्टि हो जाती है कि मटका रैकेटियर मासिक धन एकत्र कर रहा है, तो ऐसे व्यक्ति को सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा मटका खेलने वालों से मासिक पैसे लेने के आरोप सुनने को मिले हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में सभी बिंदुओं की जांच की जायेगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट के बाद हम कानूनी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि थाना निरीक्षक और डीएसपी को पहले ही निलंबित किया जा चुका है। जानकारी के आधार पर जांच के

आदेश दिए गए हैं कि पुलिस ने उचित कार्रवाई नहीं कर लापरवाही बरती है। मटका खेलने के आरोप में थाने लाए गए एक शख्स की मौत हो गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत का कारण पता चलेगा। उन्होंने कहा कि जांच के बाद सब कुछ पता चल जाएगा। विधायकों का थाने में घुसकर हंगामा करना ठीक नहीं है। किसी को भी कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए। गृह मंत्री ने कहा कि विधायकों और सांसदों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश में गुंडागर्दी, बदमाशी के लिए कोई जगह नहीं है। अगर ऐसी कोई घटना होती है तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इससे पहले परमेश्वर ने चेतावनी दी थी कि थाने में घुसकर पुलिस को सिर काटने की धमकी देने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उनके खिलाफ कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाएगी। दावणगेरे जिले के चन्नागिरी के पुलिस स्टेशन में दंगा करने और तोड़फोड़ करने के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को एक शिकायत पर पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन लाया गया था। वह वहां सिर्फ 7 मिनट रुके और उनकी मौत हो गई। यह सोच कर कि उस व्यक्ति की मौत पुलिस की पिटाई से हुई है, उसके पक्ष ने विरोध प्रदर्शन किया और थाने पर धावा बोल दिया। पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल कर हालात पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि वहां मौजूद लोग पथराव करने लगे। व्यक्ति की मौत का सही कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इसके बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, लेकिन थाने आकर धमकी देना बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मैंने सुना है कि चन्नागिरी में भी केजे हल्ली और डीजे हल्ली की तर्ज पर दंगे की साजिश रची गई थी। उडुपी में भीड़ के दंगों के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि अगर सड़कों पर छोटे-मोटे दंगे होते हैं तो इसे कानून-व्यवस्था का बिगड़ना नहीं माना जा सकता। क्रिकेट खेल के दौरान दंगा होगा इसकी कोई पूर्व सूचना नहीं है। जब दंगा होगा तो उस पर काबू पा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दंगाइयों को खुलेआम घूमने नहीं दिया जाएगा।

कर्नाटक सरकार के मुख्य सचेतक सलीम अहमद ने पीएम मोदी की बयानबाजी की आलोचना की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एमएलसी और राज्य सरकार के मुख्य सचेतक सलीम अहमद ने कहा कि प्रधानमंत्री आज विकास के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि वह नफरत भरे भाषण दे रहे हैं। उन्हें विकास के लिए वोट मांगना चाहिए, लेकिन आज वह देश की शांति भंग कर रहे हैं। यहां रविवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए, एमएलसी सलीम अहमद ने कहा मुझे एमएलसी चुनाव के प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया है, और हमें विश्वास है कि कांग्रेस पार्टी सभी 6 निर्वाचन क्षेत्रों को सुरक्षित करेगी। कांग्रेस उम्मीदवार अय्यानूर मंजूनाथ और केके मंजूनाथ जीतेंगे। उन्होंने आगे कहा केके मंजूनाथ पिछले चुनाव में मामूली अंतर से हार गए थे, और अय्यानुर मंजूनाथ ने इस्तीफा दे दिया था। आज, युवा समझते हैं कि कांग्रेस पार्टी अपने वादों को पूरा करती है। कांग्रेस पार्टी लगभग एक साल से सत्ता में है, और जैसा कि वादा किया था, हमने देश भर में लोकप्रिय सभी पांच गारंटियों को सफलतापूर्वक पूरा किया है। कांग्रेस पार्टी सभी समुदायों के लोगों के विकास के लिए काम कर रही है और हम 20 लोकसभा सीटें हासिल करेंगे और राहुल गांधी हमारे प्रधानमंत्री होंगे। भाजपा ने हमेशा जनता से झूठे वादे किए हैं और आज लहर कांग्रेस पार्टी के पक्ष में है। नागरिक भाजपा के 10 साल के शासन से तंग आ चुके हैं और हमारे नेता मिलकर काम कर रहे हैं। हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि कांग्रेस पार्टी विजयी होगी।

राज्य भर में हिंसा के लिए गृह मंत्री परमेश्वर के इस्तीफे की मांग करने वाले भाजपा पार्टी के बयान के बारे में पूछे जाने पर, सलीम अहमद ने कहा हमारी सरकार इन घटनाओं को रोकने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की जांच चल रही है। पार्टी के खिलाफ जाने के लिए एसपी दिनेश के खिलाफ कार्रवाई के बारे में पूछे जाने पर एमएलसी हरीश कुमार ने कहा कार्रवाई की गई है और उन्हें कांग्रेस पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने के दावे पर सलीम अहमद ने स्पष्ट किया कि अंतिम निर्णय इंडिया ब्लॉक के नेता लेंगे, लेकिन कई युवा राहुल गांधी को हमारे प्रधान मंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। हालांकि हमारे मन में खड़गे या किसी अन्य नेता के लिए कोई नकारात्मक विचार नहीं है। इस मौके पर शकुंतला शेट्टी, गफूर, अशरफ, शशिधर, आरिफ, शैलेट पिंटो और अन्य मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में छह की मौत

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

हासन के बाहरी इलाके में एनएच 75 पर रविवार सुबह कंडाली के पास एक दुर्घटना में एक बच्चे और तीन महिलाओं सहित छह लोगों की मौत हो गई। कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी। मृतक चिक्कबल्लापुर जिले के रहने वाले बताये जा रहे हैं। वे इलाज करा रहे अपने एक रिश्तेदार से मिलने के लिए कार से मेंगलूरु जा रहे थे। स्थानीय पुलिस ने मौका मुआयना कर जांच शुरू किया।

विजयेंद्र ने मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में 10 साल पूरे होने की दी शुभकामनाएं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत अपेक्षित लक्ष्य तक पहुंचे और अगले कार्यकाल तक जीतता रहे। रविवार को प्रधानमंत्री के रूप में 10 साल पूरे होने पर नरेंद्र मोदी को बधाई देते हुए विजयेंद्र ने मोदी के दस साल के साहसिक रुख को ऐसे पदचिह्न बताया जिन्हें युग नहीं भूलेगा। उन्होंने प्रशंसा करते हुए कहा कि आप पहले प्रधानमंत्री थे जिन्होंने लोकतंत्र के मंदिर संसद भवन के दरवाजे पर अपना सिर रखा और आप एक सफल नेता हैं, जिन्होंने दस साल के लंबे शासन के दौरान भारत को दुनिया के सामने सिर उठाकर खड़ा किया। जन्मभूमि में राम मंदिर, भारत माता द्वारा धारण किया गया मुकुट, आपके धारण किए गए संकल्प का साकार रूप है। राष्ट्रभक्तों के लिए आप मनुष्य के अवतार हैं, भारत माता के गौरवशाली पुत्र हैं। विजयेंद्र ने अपने आधिकारिक सोशल नेटवर्किंग साइट पर मोदी के प्रशासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत दुनिया के चंद्रमा पर पहले स्थान पर खड़ा होना चाहता है।

हम रामभक्त जब तक पापियों का अंत नहीं करेंगे, चैन की सांस नहीं लेंगे : योगी

सीएम योगी ने गाजीपुर में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

गाजीपुर, 26 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हम रामभक्त हैं, तबतक चैन की सांस नहीं लेंगे, जबतक पापियों का अंत नहीं कर देते। उन्होंने कहा कि आज बेटी और व्यापारी की सुरक्षा से कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता और अगर ये दु:साहस करने की किसी ने कोशिश की तो अगले ही चौराहे पर यमराज उसका इंतजार करते हुए मिलेंगे। कहा कि जो माफिया कभी कानून की धज्जियां उड़ाया करते थे आज यूपी का बुलडोजर उनकी छाती को रौंद रहा है। योगी आदित्यनाथ रविवार को सैदपुर में गाजीपुर लोकसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी पारसनाथ राय के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां का एक माफिया अपने काले कारनामों को छिपाने के लिए खुद को ब्रिगेडियर उस्मान के परिवार का बताता है। जबकि ये कोरा झूठ है और उसका ब्रिगेडियर उस्मान के परिवार से कोई नाता नहीं है।

मुख्यमंत्री ने महाराज गाधि की पावन धरा, स्वतंत्रता सेनानियों और आजाद भारत की सीमाओं की सुरक्षा करने वाले महान बलिदानियों की धरा को कोटि कोटि नमन करते हुए कहा कि 2014 के पहले हम सब नारा लगाते थे, रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। तब सपा और कांग्रेस के लोग हमपर हंसते थे। सीएम ने कहा कि महाराज गाधि के पुत्र महर्षि विश्वामित्र ने इसी धरती से शंखनाद करते हुए कहा था, गाधितनय मन चिंता ब्यापी, हरि बिनु मरहिं न निसिचर पापी। उन्होंने कहा कि माफिया, अपराधी, नक्सलवादी और आतंकवादियों को मारने के लिए भाजपा आवश्यक है। कहा कि सुरक्षा और कानून का राज सुशासन की पहली शर्त होती है। यूपी का बुलडोजर आज गरीबों, सज्जनों, बेटियों और व्यापारियों को अभय प्रदान कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप के वोट ने अयोध्या में रामलला का मंदिर बना दिया, देश का सम्मान बढ़ा दिया, सीमाओं को सुरक्षा प्रदान की, विकास के बड़े बड़े कार्य हुए हैं। हाईवे, एयरपोर्ट, रेलवे, वाटरवे, हर घर नल के रूप में हर तरफ विकास देखने को मिल रहा है। मगर यही वोट जब कांग्रेस और सपा को जाता था, तो वे देश का सम्मान बेचते थे, आतंकवाद और नक्सलवाद को पनपाते थे, बेटी और व्यापारी की सुरक्षा को खतरे में डालते थे, माफिया खुली जीप में बैठकर हिन्दुओं को भय और दहशत के माहौल में जीने के लिए मजबूर करते थे।

सीएम योगी ने कहा कि भाजपा जनता की सुरक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि गाजीपुर में महर्षि विश्वामित्र के नाम पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना हुई है। गाजीपुर में आज सारी सुविधाएं दे दी गई हैं। आज एक तरफ मोदी जी के नेतृत्व में 80 करोड़ लोग फ्री राशन प्राप्त कर रहे, तो वहीं पहले यही राशन माफिया और डकैत हजम कर जाते थे। जिस भगवान राम ने हमें हजारों साल पहले आतंकवाद से मुक्त करके अभय प्रदान किया था। आज वह अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो चुके हैं। इसका श्रेय आपको जाता है, क्योंकि आपने अपने वोट से मोदी जी को ताकत दी। सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ राममंदिर का निर्माण हुआ है, तो वहीं दूसरी तरफ माफिया को मिट्टी में मिलाने का काम भी हुआ है। ये दोनों काम एक साथ चले हैं तब यहां शांति हुई है।

सीएम योगी ने कहा कि भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे इंडी गठबंधन के लोग कहते हैं कि सत्ता में आएंगे तो पर्सनल लॉ लागू करेंगे। पर्सनल लॉ का मतलब शरिया कानून और तालिबानी शासन है। इसका मतलब बेटियां स्कूल नहीं जा सकतीं, महिलाएं बाहर नहीं निकल सकतीं, बुर्के में ही उन्हें घर में दुबककर रहना होगा। तीन तलाक फिर से लागू हो जाएगा। इसके अलावा ये लोग अगर सत्ता में आए तो ओबीसी का आरक्षण मुसलमानों को दे देंगे।

हम आरक्षण में सेंध लगाने की इजाजत किसी को भी नहीं दे सकते। ये विरासत टैक्स भी लगाना चाहते हैं, यानी हमारे पूर्वजों की प्रॉपर्टी का सर्वे कराके आधी प्रॉपर्टी को ये पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए घुसपैठियों को दे देंगे। ये एक तरह का औरंगजेब का जजिया कर है। वही औरंगजेब जिसने अपने भाई की हत्या कराई थी और अपने बाप शाहजहां को एक एक बूंद पानी को तरसाया था।

कांग्रेस में औरंगजेब की आत्मा घुस गई है। इस अवसर पर सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ, राज्यसभा सांसद संगीता बलवंत, जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह, एमएलसी विशाल सिंह चंचल, पूर्व विधायक सुभाष पासी, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, राकेश त्रिवेदी, भानुप्रताप सिंह, कृष्ण बिहारी राय, केदारनाथ सिंह, अखिलेश सिंह, संतोष चौहान सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

अब गोरखपुर महानगर को टक्कर दे रहा गोरखपुर ग्रामीण: योगी

फिल्म अभिनेता रवि किशन को फिर से दिल्ली भेजने की अपील

गोरखपुर, 26 मई (एजेंसियां)।

गोरखपुर ग्रामीण अब गोरखपुर महानगर को टक्कर दे रहा है। 2009 से पहले यह क्षेत्र बांसगांव में आता था। इसके बाद मैं यहां से सांसद बना। यहां हर वर्ष बाढ़ आती थी, पूरा क्षेत्र जलमग्न रहता था। सड़क-बिजली नहीं थी। पूरा क्षेत्र बाढ़ की त्रासदी से जूझता था। जब आपने भाजपा को समर्थन देकर गोरखपुर ग्रामीण से विपिन सिंह को विधायक बनाया तो तरकुलानी रेग्युलेटर बन गया। अब पानी नहीं लगता। ट्रांसपोर्ट नगर से तरकुलानी और मोतीराम अड्डा से तरकुलानी तक टूलेन-फोरलेन की सड़क बन गई है, यह लगता है जैसे गोलघर और लखनऊ की हजरतगंज की सड़क हो। चिड़ियाघर भी गोरखपुर ग्रामीण में ही है। पुल और बाढ़ बचाव के लिए जितना पैसा कहा, उतना गोरखपुर ग्रामीण को उपलब्ध कराया गया। गोरखपुर ग्रामीण में वेटनरी कॉलेज भी बन रहा है, बहुत शीघ्र यह विश्वविद्यालय होगा। यहां सभी जीव-जंतु का उपचार हो रहा है। उन्नत फसल को भी आगे बढ़ाए जाने का कार्य हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जनता इंटर कॉलेज बेलवार खोराबार में गोरखपुर लोकसभा की जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने गोरखपुर के सांसद व भाजपा प्रत्याशी रवि किशन को पुनः जिताने की अपील की। सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर तो चकाचक हो रहा है, वहीं जब अयोध्या जाएंगे तो प्रभु श्रीराम के जन्म के समय जैसी अयोध्या के दर्शन होंगे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में रामलला विराजमान हो गए। इसका पुण्य और श्रेय आपको जाता है, क्योंकि आपने मोदी-योगी को वोट दिया है, कमल निशान पर पड़ा वोट सीधे मोदी-योगी को जाता है। आपका एक वोट विकास भी कराता है और पुण्य का भागीदार भी बना रहा है। वर्तमान और भावी पीढ़ी से कहिएगा कि मोदी को प्रधानमंत्री और योगी को मुख्यमंत्री बनाकर हमने अयोध्या का राम मंदिर बनाया है।

सीएम योगी ने कहा कि सरकार ने सड़क, पुल, हर घर नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाया है और माफिया-मच्छर को समाप्त कर इंसेफेलाइटिस को समाप्त किया है। एक तरफ मोदी के नेतृत्व में देश का सम्मान बढ़ रहा है तो दूसरी तरफ आतंकवाद-नक्सलवाद भी समाप्त हुआ। सीएम ने बताया कि गोरखपुर ग्रामीण के खोराबार में पुलिस ट्रेनिंग स्कूल भी बन रहा है। गरीबों के बच्चों के लिए सहजनवां में अटल आवासीय विद्यालय बन गया है। बच्चे भी सैन्य अधिकारी बनें, इसके लिए इस वर्ष गोरखपुर में सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने जा रहे हैं। गोरखपुर में एम्स, फर्टिलाइजर, चीनी मिल, अच्छी ट्रेन और चौड़ी सड़कें भी है। अब प्लेन में बैठकर डेढ़-दो घंटे में गोरखपुर से मुंबई की यात्रा कर रहे हैं।

गोरखपुर वासियों से हंसी-ठिठोली करते हुए सीएम योगी ने पूछा कि रवि किशन की फिल्में कितने लोगों ने देखी। पैसा देकर देखी या फ्री में, चुनाव के बाद वे फ्री में फिल्म दिखाएंगे। फिल्म में कितने लोग काम करना चाहते। उन्होंने कहा कि रामगढ़ ताल के किनारे शूटिंग भी हो रही। जब आप अच्छी सरकार, अच्छी पार्टी व अच्छे नेता को वोट देते हैं तो सम्मान-सुरक्षा, विकास और गरीब कल्याण भी होता है। उन्होंने सरकार की योजनाओं को गिनाया और बोले कि चार जून को फिर एक बार मोदी सरकार बनेगी तो बचे हुए गरीबों को मकान उपलब्ध कराएंगे।

गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूज्य महाराज महंत दिग्विजयनाथ, महंत अवेद्यनाथ ने राम मंदिर आंदोलन को खड़ा किया था, इसलिए गोरखपुर समेत पूरा देश बोलता है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। मोदी जी के कारण 500 वर्ष बाद रामलला अयोध्या में विराजमान हुए। ₹

टैक्सी चालक ने पत्नी की गला काटकर की हत्या

मथुरा, 26 मई (एजेंसियां)।

मथुरा के थाना बलदेव क्षेत्र में पति ने पत्नी की गला काटकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पति ने पत्नी का कत्ल क्यों किया, इसकी जानकारी अभी नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

बलदेव के थानाध्यक्ष संजय त्यागी ने बताया नगला बुर्ज निवासी सत्यभान के मकान में किराए पर रहने वाले टैक्सी चालक गौरव चौधरी ने अपनी पत्नी पूजा का गला काटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग निकला। मकान मालिक की सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

भोजशाला के एएसआई सर्वे में मिले पाषाण अवशेष

भगवान सूर्य के आठों पहर के बने हैं चिन्ह

मजार बना कर मुस्लिम पढ़ने लगे नमाज

धार (मप्र), 26 मई (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित भोजशाला में चल रहे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) सर्वे में पाषाण अवशेष मिले हैं। एएसआई सर्वे के 65वें दिन यह अवशेष मिले हैं। भोजशाला में चल रहे इस सर्वे के बीच मुस्लिमों ने एक बार फिर हाई कोर्ट के निर्णय के बाद भी विरोध किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि भोजशाला में चल रहे सर्वे में एक पाषाण अवशेष मिला है, जिसमें सूर्य के आठों पहर के चिन्ह बने होने की बात कही गई है। यह 103.5 वर्ग फीट आकार का है। हिंदू पक्ष का कहना है कि इस अवशेष पर मिले चिन्ह भोजशाला के खम्भों पर मिले चिन्हों से मिलते हैं। इससे पहले यहां सर्वे में स्तम्भ भी मिला था। भोजशाला में सर्वे के लिए अब जमीन के नीचे क्या है, इसका पता लगाने के लिए ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसे हैदराबाद से

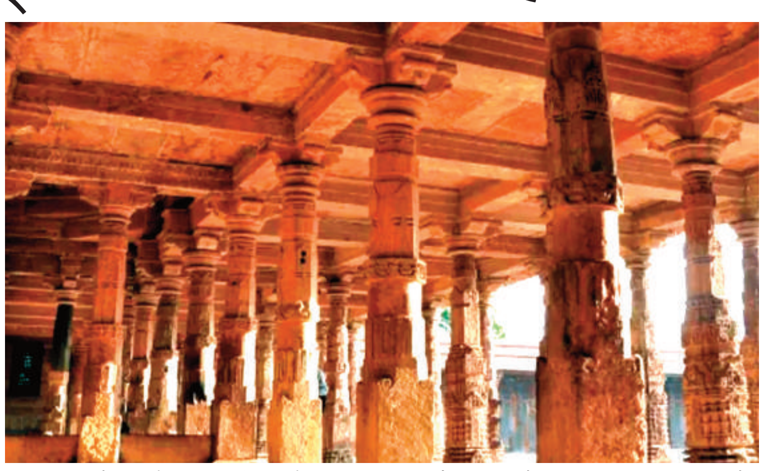

लाया गया है। इसके जरिए मंदिर को अलग अलग ब्लॉक्स में बांट कर सर्वे किया जा रहा है।

जहां एक ओर सर्वे आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ मुस्लिम समाज हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद इसका विरोध कर रहा है। मुस्लिमों ने एएसआई सर्वे का विरोध काली पट्टी बांध कर किया। उन्होंने नमाज पढ़ने के दौरान काली पट्टी बांधी। उन्होंने आरोप लगाया कि एएसआई यहां खुदाई कर रही है, जिसकी अनुमति नहीं है। हिंदू पक्ष का कहना है कि कोर्ट के आदेश में केवल यह कहा गया है कि संरचना में कोई बदलाव न हो, ऐसे सर्वे किया जाए। एएसआई सर्वे के लिए कोई भी तरीका अपना सकती है। हिंदू पक्ष ने मुस्लिमों पर कोर्ट के निर्णय की गलत व्याख्या करने का आरोप लगाया है।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित विवादित भोजशाला में एएसआई सर्वे को लेकर 11 मार्च, 2024 को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने आदेश दिया था। हाई कोर्ट ने इस संबंध में रिपोर्ट 6 हफ़्तों में दाखिल करने की बात कही थी। कोर्ट ने आधुनिक तकनीक से यहाँ सच्चाई पता लगाने को कहा था।

भोजशाला विवाद बहुत पुराना विवाद है। हिंदू पक्ष का मत है कि ये माता सरस्वती का मंदिर है जहां देवी-देवताओं के चित्र और संस्कृत में श्लोक आज भी लिखे हुए हैं। सदियों पहले मुसलमानों ने इसकी पवित्रता भंग करते हुए यहां मौलाना कमालुद्दीन की मजार बना दी थी जिसके बाद यहां मुस्लिमों का आना जाना शुरू हो गया और अब इसे नमाज के लिए प्रयोग में लाया जाता है।

भोजशाला के बाहर लगे बोर्ड में सूचना के तौर पर साफ लिखा है कि मंगलवार सूर्योदय से सूर्यास्त तक हिंदुओं को प्रवेश मिलेगा। वहीं शुक्रवार दोपहर 2 बजे से लेकर तक 3 बजे तक नमाजियों के लिए प्रवेश होगा। बाकी बचे दिन कोई भी जगह को देखने के लिहाज से जा सकता है।

देश और दुनिया के पक्षी विशेषज्ञ चिंता और हैरत में

जतिंगा घाटी में पक्षी क्यों करते हैं सामूहिक आत्महत्या!

गुवाहाटी, 26 मई (एजेंसियां)।

असम में बोरेल पहाड़ियों के बीच रहस्यों से भरी जतिंगा घाटी है। यहां अनेक पक्षी आत्महत्या कर लेते हैं। इसे लेकर दुनिया भर के पक्षी व्यवहार विशेषज्ञों में हैरानी है। विशेषज्ञों के अनुसार कुछ और भी कारण हो सकते हैं, जिनकी वजह से यहां पक्षियों की मृत्यु हो जाती है। घाटी में किसी प्रकार का चुंबकीय दबाव हो सकता है, क्योंकि उस जगह आकर चिड़ियों की उड़ान की गति बहुत तीव्र हो जाती है और वे अपना संतुलन खोकर किसी इमारत या वृक्ष आदि से टकरा जाती और अपने प्राण गंवा बैठती हैं।

ये घटनाएं सितंबर से नवंबर माह तक अधिक घटती हैं। सर्वाधिक अक्टूबर माह में। इन घटनाओं का समय भी संध्या के सात बजे से रात दस बजे तक लगभग निश्चित है। यहां लगभग चालीस प्रजातियों के पक्षी आत्महत्या करते हैं। विशेषज्ञ यह नहीं समझ पाए हैं कि आखिर पक्षी रात में उड़ान भरते ही क्यों हैं। जतिंगा में घने कोहरे वाला मौसम भी पक्षियों की मृत्यु के लिए जिम्मेदार माना जाता है। कोहरे के कारण उनकी दृष्टि बाधित हो जाती है। साथ ही

तेज हवा पक्षियों को दूर तक, तेजी से उड़ा कर ले जाती है।

सबसे पहले इन घटनाओं को सन 1900 में नगा साधुओं ने देखा। वे इस स्थान को शापित मानकर वहां से भाग गए। पर 1905 में वहां जयंतिया लोग बस गए और उन्होंने रहस्यमय रूप से मरने वाले इन पक्षियों को शाप नहीं, आशीर्वाद के रूप में लिया और उनका मांस खाने लगे। वे लाठी-डंडों से खुद भी पक्षियों को मारने लगे। जतिंगा में जागरूकता फैलाने के लिए हर वर्ष जतिंगा उत्सव मनाया जाता है, ताकि वहां अंधविश्वास पर रोक लगाई जा सके। कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं के हस्तक्षेप से इस प्रथा में कमी आई है।

बीस-तीस वर्ष पहले एक ही रात में लगभग एक हजार पक्षी यहां अपनी जान दे देते थे। ये घटनाएं घाटी की मात्र डेढ़ किलोमीटर लंबी और दो सौ मीटर चौड़ी एक पट्टी में ही मुख्य रूप से घटती हैं। यह भी देखा गया कि शिकारी जानबूझकर प्रकाश कर देते हैं, ताकि पक्षी प्रकाश की ओर आकर्षित होकर उधर उड़ें और टकराकर मर जाएं। 1957 में एक ब्रिटिश चाय बागान मालिक और पक्षी विज्ञानी ईपी जी को जब इस घटना का पता चला, तो वे जतिंगा घाटी गए और स्थानीय लोगों से जानकारी एकत्र की। 1957 में उनकी द वाइल्ड लाइफ ऑफ इंडिया पुस्तक प्रकाशित हुई, जिसमें उन्होंने माना कि ऐसी घटना केवल भारत की जतिंगा घाटी में होती है। खासकर तब, जब कोहरा हो, हल्की बारिश, धुंध और अंधेरी रात हो।

महत्त्वपूर्ण बात है कि पक्षी टॉर्च या कार की रौशनी के आगे नहीं आते, बल्कि वे हल्के और चमकदार प्रकाश पर आते हैं। 1977 में भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के बर्ड एक्टिविटी विशेषज्ञ डाक्टर सुधीर सेन गुप्ता ने दुनिया भर के पक्षी विज्ञानियों को पत्र लिखकर इस घटना के बारे में बताया और उनसे राय मांगी। सबने यही कहा कि ऐसी घटनाएं दुनिया में कहीं और नहीं होतीं। बर्डमैन आफ असम नाम से प्रसिद्ध सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी अनवरुद्दीन चौधरी जतिंगा की भौगोलिक स्थिति बताते हुए कहते हैं कि जतिंगा समुद्र तल से दो सौ मीटर ऊपर है। इसके चारों तरफ हजार-दो हजार मीटर ऊंची पहाड़ियां हैं। वे अपनी पुस्तक में लिखते हैं कि खाने के लिए दूर निकल गए पक्षी जब लौटते हैं तो उनमें से छोटे और बीमार पक्षी मृत्यु का ग्रास बन जाते हैं। डाक्टर चौधरी लिखते हैं कि मलेशिया और फिलिपींस में भी ऐसे कुछ स्थान पाए गए हैं, जहां झुंड के झुंड पक्षी एक साथ मर जाते हैं। अनेक विशेषज्ञ पंछियों के मरने के कारण तो बताते हैं, पर उस स्थान पर चिड़ियां रात में उड़ान क्यों भरती हैं, यह अभी तक नहीं बता सके हैं।

आज संसार भर में रात को किया जाने वाला तेज प्रकाश भी चिड़ियों की जान लेने का बड़ा कारण है। रात को प्रकाश के कारण चिड़ियों को दिन का भ्रम हो जाता है और वे उनकी ओर उड़ती हैं, फिर टकराकर गिरकर मर जाती हैं। धरती पर चिड़ियों, विशेषकर गौरैया का होना कितना आवश्यक है इसका अंदाजा पड़ोसी देश चीन में घटी एक घटना से लगाया जा सकता है। 1958 से 1962 के दौरान माओत्से तुंग को अधिकारियों ने बताया कि गौरैया के कारण फसल को हानि होती है। वह बोया हुआ बीज तक खा लेती है और जो थोड़ा-बहुत अनाज उगता है उसका भी बड़ा हिस्सा खा जाती है। तब माओत्से तुंग ने ग्रेट स्पैरो कैंपेन चलाया। तीस लाख लोगों की बड़ी फौज तैयार कर दी गई गौरैया को निपटाने के लिए। गौरैया पंद्रह मिनट से अधिक निरंतर उड़ान नहीं भर सकती।

लोग शोर मचा-मचा कर उन्हें तब तक उड़ाते रहते जब तक वे थक कर गिर नहीं पड़तीं, फिर उन्हें मार दिया जाता या वे डर और थकान से खुद ही मर जातीं। चीन में मात्र दो वर्षों में गौरैया की संख्या न के बराबर रह गई। पर गौरैया का अंत चीन में भयानक त्रासदी लेकर आया। जिन कीटों को गौरैया खाती थी उन्होंने फसलों पर धावा बोल दिया, खासकर टिड्डों ने। चीन में भयंकर अकाल पड़ा। तब चीन को रूस आदि देशों से गौरैया आयात करनी पड़ी। पारिस्थितिकी तंत्र को सुचारू रूप से चलाए रखने या जीवन को बचाए रखने के लिए पक्षियों का बहुत महत्व है और हर हाल में उनकी रक्षा की जानी चाहिए।

सपा-कांग्रेस गठबंधन को वोट का मतलब आतंकवाद को फिर से बुलाना: योगी

केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय को चंदौली लोकसभा सीट से जिताने की अपील

चंदौली, 26 मई (एजेंसियां)। चंदौली लोकसभा सीट के चुनाव प्रचार में पहुंचे सीएम योगी कांग्रेस व सपा पर खूब बरसे। बोले कि कांग्रेस-सपा के लोग सुरक्षा, विकास, गरीब कल्याण नहीं कर सकते। अयोध्या में राम मंदिर और काशी में विश्वनाथ धाम का निर्माण नहीं कर सकते। आराध्यों के पवित्र स्थलों का सुंदरीकरण भी नहीं कर सकते तो इन समस्याओं को सिर पर ढोने की आवश्यकता नहीं है। सपा और कांग्रेस समस्या हैं। इनके गठबंधन का मतलब आतंकवाद को आमंत्रित करना। इनको वोट देने का मतलब माफियाराज को हावी करना, हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़, गरीबों के हकों में डकैती और विकास कार्यों में बैरियर लगाना। हमें बाधाएं दूर करके भाजपा को फिर लाना है, क्योंकि दस वर्ष में भाजपा ने इस कार्य को बखूबी किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कच्चा बाबा इंटर कॉलेज शिवपुर वार-ाणसी में जनसभा को संबोधित किया और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री व सांसद डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय को चंदौली लोकसभा सीट से पुनः जिताने की अपील की। मुख्यमंत्री ने यहां कच्चा बाबा मंदिर में दर्शन-पूजन भी किया। सीएम ने कहा कि फिर एक बार मोदी सरकार बनने जा रही है। अबकी बार 400 पार में फिर से चंदौली भी है। नए भारत के शिल्पी पीएम मोदी के नेतृत्व में दस वर्ष में भारत का सम्मान बढ़ा है। आतंकवाद-नक्सलवाद समाप्त हुआ है। गरीबों को फ्री में राशन, अन्नदाताओं को किसान सम्मान निधि, पांच लाख रुपए की स्वास्थ्य बीमा का कवर, पीएम आवास योजना का लाभ मिला। मोदी हैं तो विकास, गरीब कल्याण, सुरक्षा, सम्मान और भारत के विरासत का संरक्षण है। काशी में काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर, विंध्यवासिनी धाम में कॉरिडोर, मारकंडेय धाम भी भव्यता हमें आकर्षित कर रही है। कच्चा बाबा के सैकड़ों वर्ष पुरानी समाधि का स्वरूप भी अब भव्य हो गया है। जो समाज विरासत पर गौरव की अनुभूति करता है, दुनिया की कोई ताकत उसे झुका या परास्त नहीं कर सकती। भाजपा ने विरासत के संरक्षण का कार्य किया है।

सीएम ने अपील की कि मोदी सरकार बनाने के साथ ही तीसरी बार महेंद्र नाथ पांडेय को चंदौली से जिताना है। चंदौली के विकास के लिए उन्होंने सांसदों, विधायकों व अन्य जनप्रतिनिधियों संग मिलकर निरंतर कार्य किया है। यहां बाबा कीनाराम के नाम पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण हुआ है तो वहीं पीएम मोदी के नेतृत्व में काशी का चतुर्दिक विकास हो रहा है। चारों ओर से फोरलेन कनेक्टिविटी हो गई। विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ नमो भारत, अमृत भारत, वंदे भारत ट्रेन चल रही है।

सीएम ने कहा कि वॉटरवे का लाभ भी काशी और चंदौलीवासियों को प्राप्त हो रहा है। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने भगवान बुद्ध के उपदेश की भूमि सारनाथ के सुंदरीकरण, संत कबीर दास के लहरतारा को भव्य स्वरूप और संत रविदास की जन्मभूमि सीर गोवर्धन को दिव्य-भव्य रूप दिया है। काशी के मंदिरों, घाटों, विकास को देख सबकी आंखें चकरा जाती हैं। लोग आश्चर्य करते हैं कि यह वही काशी है, जो दस साल पहले थी।

सीएम ने कहा कि काशी व चंदौली में विकास बुलेट की स्पीड से आता दिख रहा है। हमारी सरकार बाबा कीनाराम की जन्मभूमि पर उनके मंदिर को दिव्य-भव्य रूप देने के लिए कार्य करा रही है। समाजवादी पार्टी व कांग्रेस का गठबंधन अनर्थकारी है।

दो लड़कों की जोड़ी जब भी मिली है तो अनर्थ की है। कांग्रेस व सपा के घोषणा पत्र को देखकर आप कहेंगे कि यह पाकिस्तान परस्त घोषणा पत्र है। यह सत्ता में आने पर पिछड़ी, अनुसूचित जाति व जनजाति के आरक्षण को मुसलमानों को दे देंगे, लेकिन मोदी जी ने कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत इस पर सेंध नहीं लगा पाएगी।

सीएम ने कहा कि कांग्रेस व सपा गठबंधन विरासत टैक्स लगाने की बात करती है। यह टैक्स औरंगजेब का जजिया कर है। सम्पत्ति का सर्वे कराकर यह लोग पुश्तैनी प्रॉपर्टी जबर्दस्ती ले लेंगे, फिर उसे घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों को दे देंगे। इनके अंदर औरंगजेब की आत्मा घुस गई है। हम भारत में किसी को जजिया कर नहीं देने देंगे। इनका घोषणा पत्र अल्पसंख्यकों को मनमर्जी के हिसाब से खानपान की स्वतंत्रता देंगे, लेकिन हम गोमांस खाने की छूट नहीं देंगे। इन गोहत्यारों को वोट देने से राम मंदिर का मिला पुण्य पाप में बदल जाएगा।

सीएम ने अपील की कि पांच दिन में प्रतिदिन दो से तीन घंटे देश के लिए दें। प्रतिदिन पांच से छह परिवारों में जाकर मतदाताओं से संपर्क साध कमल के फूल पर वोट देने का अनुरोध करें। ऐसे में पांच दिन में 25 परिवारों से संपर्क होगा यानी पहली जून को 100-125 लोगों को पो-लिंग बूथ तक ले जाकर कमल के फूल पर वोट दिलाना है और डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय को जिताना है। जनसभा में केंद्रीय मंत्री व चंदौली के सांसद डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, यूपी के कैबिनेट मंत्री व शिवपुर के विधायक अनिल राजभर, राज्यसभा सांसद दर्शना सिंह, साधना सिंह, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, हंसराज विश्वकर्मा, विधायक सुशील सिंह, रमेश जायसवाल, त्रिभुवन राम, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, लोकसभा संयोजक सर्वेश कुशवाहा, लोकसभा प्रभारी ओंकार केसरी, सतुआ बाबा आदि मौजूद रहे

खड़ी बस में जा घुसा बजरी भरा डंपर

12 श्रद्धालुओं की दुखद मौत, 25 घायल

शाहजहांपुर, 26 मई (एजेंसियां)। शाहजहांपुर में खुटार-गोला रोड पर शनिवार रात हुए भीषण सड़क हादसे में 11 तीर्थ यात्रियों की मौत हो गई। दो दर्जन से अधिक यात्री गंभीर रूप से जख्मी हुए। ढाबे के बाहर खड़ी वॉल्वो बस से बजरी लदे डंपर के टकराने यह भीषण हादसा हुआ।

घायलों को खुटार सीएचसी लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई है। कई घायलों की हालत काफी गंभीर है। देर रात तक पुलिस बचाव कार्य में लगी रही। शाहजहांपुर के एसपी अशोक कुमार मीणा ने बताया कि रात करीब 11 बजे हमें सूचना मिली थी कि खुटार थाना क्षेत्र में एक खड़ी बस से एक ट्रक भिड़ गया है। बस पूर्णागिरि जा रही थी। कुछ श्रद्धालु बस के अंदर बैठे थे और कुछ श्रद्धालु एक ढाबे पर खाना खा रहे थे। तभी एक ट्रक अनियंत्रित डंपर बस से टकरा कर बस के ऊपर ही पलट गया।

सीतापुर के कमलापुर थाना क्षेत्र के गांव बड़ा जटहा और छोटा जटहा के रहने वाले करीब 80 लोग पूर्णागिरी दर्शन के लिए वॉल्वो बस से निकले थे। खुटार-गोला मार्ग पर कस्बे के पास एक ढाबे में खाना खाने के लिए बस रुकी। बस से उतरकर कुछ लोग खाना खाने चले गए जबकि कई लोग अंदर बैठे रहे। रात करीब 10:30 बजे खुटार से गोला की ओर जा रहे बजरी लदे डंपर ने किनारे खड़ी बस में जोरदार टक्कर मार दी और बस के ऊपर ही पलट गया।

डंपर में भरी बजरी भी बस के अंदर भर गई। हादसे के बाद अफरातफरी मच गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किए। क्रेन की सहायता से ट्रक को हटाने का प्रयास काफी देर बाद कामयाब हो पाया। कई यात्री बस में फैले बजरी के अंबार के नीचे दब गए। घायलों को तत्काल एंबुलेंस से सीएचसी ले जाया गया। सूचना पर डीएम उमेश प्रताप सिंह और एसपी अशोक कुमार मीणा देर रात करीब एक बजे मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य का जायजा लिया।

भीषण हादसे के पीछे की वजह डंपर के चालक को झपकी आना माना जा रहा है। हादसे के बाद डंपर चालक का पता नहीं चल पाया। उसकी तलाश की जा रही है। बस में सवार अनिल कुमार ने बताया कि वे लोग गांव से सीतापुर के सिधौली कस्बे तक अपने साधनों से आए थे। सिधौली से लगभग 75 से 80 यात्रियों को लेकर बस पूर्णागिरि के लिए रवाना हुई थी। गांव का रूपेश कुमार हर वर्ष एक बस पूर्णागिरि ले जाता है। यात्री उससे ही बुकिंग कर लेते हैं। इस बार भी रूपेश ने ही बस बुक की थी। रात लगभग दस बजे बस खुटार के एक ढाबे पर रुकी। बस सवार लोगों में कुछ लोग नीचे उतर आए और कुछ लोग बसों में ही बैठे रहे। इस बीच खुटार की ओर से तेज रफ्तार बजरी भरा डंपर आया। डंपर अचानक रोड के बाईं ओर उतरता चला गया और बस की बीच के हिस्से को चीरता हुआ घुस गया।

डंपर की टक्कर से बस सवार यात्रियों में सीतापुर के थाना कमलापुर के गांव बड़ा जटहा निवासी केदारी की पत्नी 45 वर्षीय सोमवती, छोटेलाल की पत्नी छुटकी, रूपेश का 16 वर्षीय पुत्र अजीत, प्रमोद कुमार, शिवशंकर, रामदास की पत्नी 30 वर्षीय मीना देवी, थाना मछरेहटा के गांव घुरेनी निवासी गंगाराम की पत्नी 36 वर्षीय सुमन, पुत्र आठ वर्षीय आदित्य सहित 12 लोगों की मौत हुई है। घायल हुए यात्रियों में गांव बड़ा जटहा की सोनावती, रितिक पुत्र अनिल, वीरेंद्र, अवंतिका, सुशील, अमित, अजय, शिवरानी, बालकिशन, बिट्टू, आदित्य, विजय कुमार, रामू, विजय, महारानी, विकास वगैरह शामिल हैं, जिन्हें गंभीर हालत में राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

राममंदिर परिसर में बनेगा शेषावतार मंदिर

मंदिर परिसर में ही अपोलो अस्पताल और गेस्ट हाउस बनाने की तैयारी

अयोध्या, 26 मई (एजेंसियां)। राममंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक में तय हुआ है कि राममंदिर की तर्ज पर ही राममंदिर परिसर में शेषावतार मंदिर का निर्माण किया जाएगा। इसकी डिजाइन और ड्राइंग आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा बनाएंगे। सोमपुरा ने ही राममंदिर का आर्किटेक्ट बनाया है। साथ ही परिसर में ट्रस्ट का एक और कार्यालय एवं 500 लोगों की क्षमता वाला ऑडिटोरियम बनाने पर भी सहमति बनी है। दूसरे दिन की बैठक से पहले नृपेंद्र मिश्र ने परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण भी किया।

राममंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि बैठक से पहले नृपेंद्र मिश्र ने रामजन्मभूमि परिसर में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। सप्तमंडपम निर्माण के लिए नींव खोदने का काम पूरा हो चुका है। शेषावतार मंदिर की डिजाइन और ड्राइंग तैयार करने की जिम्मेदारी आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा को दी गई है। राममंदिर की तरह ही इस मंदिर का भी स्वरूप होगा। जल्द ही शेषावतार मंदिर का निर्माण शुरू हो जाएगा। तीर्थयात्री सुविधा केंद्र के शेष काम को दो महीने में पूरा करने का भी निर्देश दिया गया है। अगस्त में इसे एलएंडटी को हैंडओवर करने की योजना है। परकोटा निर्माण कार्य की गति बढ़ाने का भी निर्देश नृपेंद्र मिश्र ने दिया है। परकोटा निर्माण की समय सीमा मार्च 2025 तय की गई है। बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव, राममंदिर के आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा सहित टाटा व एलएंडटी के इंजीनियर मौजूद थे।

अपोलो हॉस्पिटल्स रामजन्मभूमि परिसर में एक उच्चतम श्रेणी का अस्पताल खोलने जा रहा है। इसको लेकर शनिवार को श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के साथ अस्पताल ने एक अनुबंध किया है। यह अस्प-ताल परिसर स्थित तीर्थयात्री सुविधा केंद्र में संचालित होगा। अगले दो महीने के भीतर अस्प-ताल का संचालन शुरू करने की तैयारी है। इस अस्पताल में बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा से लेकर दिल के दौरे (हार्ट अटैक) और ब्रेन स्ट्रोक समेत इमरजेंसी की बेहतरीन सेवा मिलेगी। राममंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र व राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. मयंक सोमानी की मौजूदगी में यह अनुबंध हुआ है।

जन सुविधाओं के लिए तरसाने वालों को एक-एक वोट के लिए तरसाना है: योगी

मिर्जापुर एवं रॉबर्ट्सगंज लोकसभा सीट पर एनडीए प्रत्याशियों के लिए मांगा वोट

मिर्जापुर, 26 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। एक ऐसा भारत, जो आज दुनिया की महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हुआ है। जिसने दुनिया में अपने सम्मान को मजबूती के साथ बढ़ाया है। 10 वर्षों में भारत ने अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने के साथ विकास के नए-नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। देश में गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सबका साथ सबका विकास के नारे के साथ दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में 140 करोड़ जनता को परिवार मानकर हर नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाने का काम किया है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मिर्जापुर एवं रॉबर्ट्सगंज लोकसभा सीट के एनडीए प्रत्याशियों के लिए मिर्जापुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उपस्थित रहे। सीएम योगी ने जनसभा में केंद्रीय मंत्री एवं मिर्जापुर से प्रत्याशी अनुप्रिया पटेल, रॉबर्ट्सगंज लोकसभा की प्रत्याशी व विधायक रिंकी कोल के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मिर्जापुर और सोनभद्र में मेडिकल कॉलेज बन कर तैयार हो गया है। कमिश्नरी में जल्द ही विश्वविद्यालय बनकर तैयार हो जाएगा। पिछली सरकारों की सोच संकुचित थी, इसलिए वे विकास के बारे में नहीं सोचती थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अकेले मिर्जापुर में एक लाख से अधिक गरीबों को सर ढकने के लिए पीएम आवास उपलब्ध कराए हैं। मिर्जापुर और सोनभद्र में हंड्रेड परसेंट सैचुरेशन के लक्ष्य के साथ कोल, गौड़, चेरो, थारू, मुसहर जाति के लोगों को आवास उपलब्ध कराए गए हैं। यहां की जनता 2014 से पहले एक-एक बूंद पानी के लिए तरसती थी। यह हाल आजादी के 70 वर्षों तक रहा, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में हर घर नल योजना के तहत मिर्जापुर और सोनभद्र में हर नागरिक को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया। ऐसे में मिर्जापुर और रॉबर्ट्सगंज में एनडीए के प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाना है।

सीएम योगी ने कहा कि देश में सबसे अधिक कांग्रेस और प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने शासन किया। इसके बावजूद इन्होंने आपको एक-एक बूंद पानी के लिए तरसाया है। इन लोगों की नीतियों के कारण यह क्षेत्र नक्सलवाद की चपेट में आया था। इन्होंने आपको विकास से वंचित रखा। यहां के संसाधनों और माइनिंग पर माफिया को कब्जा करने की खुली छूट दी। ऐसे में अब समय आ गया है कि आप भी इन्हें भी एक-एक वोट के लिए तरसा दीजिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत में विरासत का सम्मान हो रहा है। देश में वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास की जो यात्रा प्रारंभ की है, मिर्जापुर और सोनभद्र इसका उदाहरण है। सीएम ने कहा कि काशी में काशी विश्वनाथ धाम नये रूप में पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। वहीं अयोध्या में 500 वर्षों के बाद रामलला अपने दिव्य और भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं। पहले विंध्यवासिनी धाम में नवरात्रि के दौरान लोग सशंकित रहते थे कि यहां कब क्या हो जाए, लेकिन आज विंध्यवासिनी धाम में मां विंध्यवासिनी कॉरिडोर का काम अंतिम दौर में है। अब यहां किसी श्रवण कुमार को बुजुर्ग मां-बाप को कंधे पर कांवड़ में बैठाकर दर्शन कराने की नौबत नहीं आएगी, क्योंकि रोपवे बनकर तैयार हो गया है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, प्रदेश सरकार के मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, संजीव गौड़, सांसद पकौड़ी लाल कोल, राज्यसभा सांसद राम सकल, दुद्धी विधानसभा उपचुनाव के प्रत्याशी श्रवण कुमार गौड़ आदि उप-स्थित थे।

टॉप टेन माफियाओं समेत 50 अपराधियों पर दबिश

कुछ जेल में हैं तो कई लापता मिले

कानपुर, 26 मई (एजेंसियां)। कानपुर शहर के टॉप-10 भूमाफियाओं और ड्रग्स माफियाओं समेत करीब 50 अपराधियों के घरों और ठिकानों पर छापा मारा गया। बसपा नेता पिंटू सेंगर के हत्यारोपी पप्पू स्मार्ट के घर से तमंचा और कारतूस बरामद हुए। सपा विधायक इरफान सोलंकी के करीबी बिल्डर मोहम्मद हाजी वसी के घर से साढ़े पांच लाख रुपए, पिस्टल, राइफल और गोलियां बरामद हुईं।

पुलिस ने बताया कि दबिश के दौरान कई अपराधी घरों में नहीं मिले। कई अपराधियों के जेल में होने की जानकारी मिली। कुछ अर्सा पहले कथित मुठभेड़ में मारे गए विकास दुबे के खजांची जयकांत बाजपेई के नजीराबाद क्षेत्र के ब्रहानगर स्थित घर की भी तलाशी ली गई और परिजनों से पूछताछ की गई। इसके अलावा नई सड़क हिंसा के आरोपी मोहम्मद हाजी वसी के घर भी दबिश डाली गई। पुलिस ने चमनगंज निवासी गैंगस्टर शाहिद पिच्चा, सबलू उर्फ एजाजुउद्दीन, ड्रग्स माफिया सूरज सोनकर, बृजेंद्र सोनकर, शास्त्रीनगर में रहने वाले सुशील उर्फ बच्चा, रामकुमार शर्मा, सपा विधायक इरफान सोलंकी के करीबी शौकत अली के ग्वालटोली स्थित घर में भी दबिश दी।

पप्पू स्मार्ट के घर छापेमारे करती हुई पुलिस

बृजेंद्र और सूरज के घर में किसी का निधन होने के कारण पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। डीसीपी पूर्वी एसके सिंह ने बसपा नेता रहे पिंटू सेंगर हत्याकांड के आरोपी गैंगस्टर पप्पू स्मार्ट और सऊद अख्तर के सील किए गए घर में दबिश दी। पुलिस को पिछले एक-दो दिन से सूचना मिल रही थी कि पप्पू स्मार्ट के घर पर कुछ लोग आते जाते हैं। यहां से पुलिस ने एक देशी पिस्टल और कारतूस बरामद किए। वहीं सऊद अख्तर के घर पर ताला लगा मिला। पप्पू स्मार्ट और सऊद अख्तर कुछ दिनों पहले जमानत पर बाहर आए हैं। बिठूर क्षेत्र में रहने वाले श्रवण निषाद, निखिल निषाद, कल्याणपुर में भू माफिया राजेंद्र नेगी, पनकी के ललित दुबे के अलावा साउथ जोन में 27 अपराधियों के घरों में दबिश दी गईं।

कानपुर के अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर हरीश चंदर ने बताया कि टॉप टेन अपराधियों, भूमाफियाओं और ड्रग्स माफियाओं के सक्रिय होने की जानकारी मिल रही थी। इस पर कानपुर के चारों जोन में रहने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की गई और उनके घरों और ठिकानों की सघन तलाशी ली गई।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बाएं हाथ में ही क्यों पहनते हैं घड़ी?

क्या आपने कभी सोचा कि क्यों बाएं हाथ में ही घड़ी पहनी जाती हैं? इसका जवाब बहुत ही रोचक है।

बाएं हाथ में घड़ी पहनने से भी पहले आपको उस दौर में चलना होगा जब घड़ियां हाथ में नहीं पॉकेट में हुआ करती थीं। आपने भी पुराने जमाने की चेन वाली घड़ियां देखी होंगी जिन्हें जेब में रखा जाता था। जेब से निकालकर समय देखा जाता था।

माना जाता है कि कुछ लोग इस चेन वाली घड़ी को हाथ में पहनने लगे और इन हाथ में घड़ी बांधने का चलन शुरू हुआ। बाएं हाथ में घड़ी बांधने की मुख्य वजह अधिकतर लोगों का दाएं हाथ से अधिकतर काम करने वाला होना है। जब आपका दायां हाथ काम में व्यस्त है, बाएं हाथ में इसी दौरान समय देखना बेहद आसान होता है और काम भी दाएं हाथ से चलता रहता है। बाएं हाथ में घड़ी बांधना इतना कॉमन है कि घड़ियां भी इसी हिसाब से बनाई जाने लगीं। दाएं हाथ से अन्य काम करने के चलते आपकी घड़ी भी सुरक्षित रहती है। इसके गंदे होने, स्क्रेच लगने और काम की जगह जैसे टेबल पर टकराने की संभावना भी कम होती है।

ऐसे मंदिर जहां पुरुषों का प्रवेश है वर्जित

मंदिरों में महिलाओं के प्रवेश वर्जित होने की बात कई बार सुनते हैं लेकिन भारत में ऐसे कई मंदिर मौजूद हैं जहां पुरूषें का जाना वर्जित है। केरल के तिरुवनंतपुरम में देवी पार्वती मंदिर है। इस मंदिर में हर साल करीब 30 लाख महिलाएं दर्शन के लिए आती हैं। इसे 'नारी सबरीमला' के नाम से भी जाना जाता है। इसमें भी पुरुषें का प्रवेश वर्जित है।

केरल के अलापुझा जिले में स्थित एक ओर मंदिर है जहां पुरुषें का प्रवेश वर्जित है। इस मंदिर में हर साल पोंगल का त्योहार मनाया जाता है, जिसमें हजारों महिला श्रद्धालु हिस्सा लेती हैं। यह कार्यक्रम करीब एक हफ्ते तक चलता है, जिसे नारी पूजा के नाम से भी जानते हैं। इस दौरान यहां पुरुषें का प्रवेश विशेष तौर पर वर्जित होता है। तमिलनाडु के देवी कन्याकुमारी मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। देवी भगवती के इस स्वरूप को संन्यास की देवी के रूप में भी जाना जाता है। यही कारण है कि इस मंदिर के गर्भगृह में विवाहित पुरुषें का प्रवेश सख्त वर्जित है।

बच्चे हरी सब्जियां खाने में करते हैं नखरे तो अपनाएं ये तरीके

खानेपीने की अच्छी आदतें बचपन से डाली जाएं तो वो ताउम्र कायम रहती हैं। शुरू से ही बच्चों को यदि हरी पत्तेदार सब्जियां, फल आदि खाने में दिए जाएं तो वो हमेशा हेल्दी खाना खाएंगे और स्वस्थ रहेंगे। बस, थोड़ी सी मेहनत करें तो बच्चों में नई-नई सब्जियों का स्वाद पसंद करवाने के लिए लंबा इंतजार करने की जरूरत नहीं रह जाएगी।

1. नई सब्जियां कराएं ट्राई

एक नए डिश को अपनाने में बच्चों को कम से कम छह से सात बार उसे ट्राई करने तक का समय लग जाता है। आप अपनी कोशिश में कमी न आने दें। यकीन मानिए, सालभर में ही आपका बच्चा नई-नई चीजों की तारीफ करना शुरू कर देगा।

2.शॉपिंग पर ले जाएं

खाने-पीने के सामानों की शॉपिंग के लिए जब आप मार्केट जा रही हों तो बच्चे को भी अपने साथ ले जाएं। नए-नए फलों व सब्जियों की खरीदारी से उन्हें लगाव हो जाएगा। फिर, अपनी चुनी हुई नई सब्जियों व फलों को खाना उन्हें पसंद आने लगेगा।

3. सजाकर परोसें प्लेट

भोजन के साथ इनोवेटिव बनें, खासकर तब जब आप बच्चों को उनसे इंट्रोड्यूस करवा रही हों। उसे करीने से प्लेट में सजाकर स्टाइल के साथ पेश करें ताकि वह खूबसूरत, क्रिएटिव और आकर्षक नजर आएं। इससे वे नए-नए खाद्य पदार्थों से जल्दी दोस्ती कर उन्हें अपना बना लेंगे।

4. जबरदस्ती न करें

खाने की जगह को लड़ाई का मैदान न बनने दें। बच्चों को उतना ही खिलाएं, जितना वे अपनी मर्जी से खाना चाहें। इस तरह वे उसे एंज्वॉय कर पाएंगे।

5. खाने पर हो पूरा ध्यान

बच्चों में टीवी देखते हुए खाने की आदत न डालें। इससे न तो वे यह समझ पाएंगे कि वे क्या खा क्या रहे हैं और न ही खाने की तारीफ कर पाएंगे। कभी-कभार अति व्यस्त दिनचर्या के बीच आप ऐसा कर सकती हैं, लेकिन इसकी आदत ना डालें।

6. स्वाद पहचानना सिखाएं

सभी सब्जियों को अलग-अलग तैयार कर करीने से परोसें न कि मिक्स वेजिटेबल के रूप में। बच्चों को मिक्स वेजिटेबल परोसने से उन्हें अलग-अलग सब्जियों के स्वाद, सुगंध और जायके को समझने में परेशानी हो सकती है।

7. वक्त का रखें ध्यान

बच्चों को समय से भोजन देते रहें ताकि उन्हें स्नैक्स खाने की गलत आदत से बचा सकें। बीच-बीच में स्नैक्स देने के दो नुकसान हैं। बच्चों को फास्ट फूड की लत लग जाती है और उन्हें खाने के टाइम पर भूख भी नहीं लगती।

साफ और खुशबूदार टॉवल के लिए ये करें...

बारिश के मौसम में टॉवल देर तक सूखते नहीं है। ऐसे में उन्हें नमी की बदबू से बचाना बेहद मुश्किल हो जाता है। साफ-सुंदर-खुशबूदार

टॉवल के लिए ये तरीके अपनाएं...

■ नहाने के बाद टॉवल को धूप में डालने की आदत के जबरदस्त फायदे हैं। यह करते रहेंगे तो साफ फर्क देखेंगे।

■ नए टॉवल से रोएं निकलने की समस्या तब तक आएगी, जब तक यह एक-दो बार धुल नहीं जाएंगे।

■ टॉवल के रंगों को बरकरार रखना चाहते हैं तो पहली बार जब इसे धोएं तो डिटर्जेंट के साथ विनेगर भी डालें, इसके बाद मैन्युफैक्चर इंस्ट्रक्शन के अनुसार इन्हें सुखाएं।

■ नमी की गंध भगाने के लिए टॉवल को गर्म पानी में विनेगर डालकर धोएं। अब दोबारा अपने लॉन्ड्री डिटर्जेंट से भी धोएं।

■ हमेशा ध्यान रखें कि ज्यादा डिटर्जेंट डालेंगे तो टॉवेल ज्यादा साफ नहीं होता उल्टा यह कडक हो जाएगा।

■ कपड़ों के साथ टॉवल धोने की आदत को बदल लें। इस कारण टॉवल की सफाई अच्छी तरह से नहीं हो पाती है।

ऐसे रहेगा मेकअप परफ़ेक्ट

मॉनसून सबसे खूबसूरत मौसम होता है लेकिन घर से बाहर निकलते ही आपके मेकअप को खराब भी कर देता है। बारिश के डर से बेस्ट दिखना बंद नहीं कर दें। ये सूपर ट्रिक्स अपनाकर आप अपने मेकअप को परफ़ेक्ट बनाए रख सकते हैं।

■ मॉनसून का मतलब बारिश और खूब सारी उमस। मेकअप शुरू करने से पहले बेस मजबूत करें। इसके लिए ये तीन स्टेप वाला स्किन केयर रूटीन अपनाएं। फ़ेसवॉश, टोनर और मॉइस्चराइजर। ऑइल कंट्रोल सोप-फ्री फ़ेस वॉश का इस्तेमाल करें। इससे ब्रेकआउट्स नहीं होंगे और आपकी स्किन भी ओवरड्राय नहीं होगी। रोज-वॉटर और नैचरल टोनर से चेहरा साफकरें। इसके बाद एसपीएफ वाला लाइट वेट मॉइस्चराइजर लगाएं।

■ ह्यूमिडीटी का एक जनरल रूल ये है कि हेयर और मेकअप के साथ थोड़ा ईजी हो जाएं। जितना ज्यादा नैचरल रह सकते हैं... रहें। फाउंडेशन को सबसे पहले हटा दें क्योंकि इससे आपकी स्किन ज्यादा ऑइली दिखने लगेगी। ब्लश और आयशैडो को भी इग्नोर कर सकते हैं।

■ बारिश के दिन बहुत डिप्रेसिंग भी हो सकते हैं लेकिन ये आपके चेहरे पर नहीं दिखना चाहिए। अपने मेकअप को जगह पर टिकाए रखने के लिए अच्छे प्राइमर का इस्तेमाल करें। इस तरह चेहरे पर ऑइल और चिपचिपाहट नहीं दिखाई देंगे। अब तो चेहरे के हर भाग प्राइमर मिल रहे हैं। फाउंडेशन और लिप प्राइमर से लेकर आयशैडो और लैश प्राइमर भी मिलते हैं। ये आपके मेकअप के अंदर सेट हो जाते हैं और बारिश में मेकअप गीला हो जाने पर भी बिगड़ने नहीं देते हैं।

■ मानसून की सबसे खराब बात ये है कि सभी के बाल फ्रिज-बॉल की तरह दिखाई देने लगते हैं। अगर छतरी घर पर ही भूल जाते हैं और बाल भीग जाते हैं तो बाल ढेर सारा पानी एब्जॉर्ब कर लेते हैं। लीव-इन कंडीशनर या सीरम काफी हद तक फ्रिज की दिक्कत को कंट्रोल कर लेते हैं। बालों को इस मौसम में बांध कर रखना ही ठीक है। ब्लोड्राय के बाद हेयरस्प्रे से बालों को सेट जरूर करें।

■ लगभग हर मेकअप प्रोडक्ट का वॉटरप्रूफ वर्जन मिल जाता है। इन्हें जरूर स्टॉक करके रखें। भारी बारिश में इन्हें लगाकर ही बाहर निकलें। इनमें से भी वॉटरप्रूफ मस्कारा सबसे ज्यादा जरूरी है। एक अच्छा मस्कारा इस्तेमाल करते हैं तो लाइनर भी स्किप कर सकते हैं। लिक्विड की जगह स्टिक या पॉट फाउंडेशन यूज करें। स्मज-प्रूफ लिपस्टिक ही लगाएं।

■ जब मेकअप के साथ मेहनत की है तो अब इसे जगह पर बनाए रखने के लिए भी एक प्रोडक्ट बहुत जरूरी है। ट्रिक ये है कि हेयरस्प्रे की सूपर लाइट कोटिंग चेहरे पर स्प्रे करें। इस तरह आपका मेकअप अपनेआप जगह पर बना रहेगा और लम्बे वक़्त तक हटेगा नहीं।

लिप्स को मैट लिपलाइनर से आउटलाइन करें। इसे लिपस्टिक पेन्सिल से शेड करें। इनमें लिपस्टिक और ग्लॉस के मुकाबले कम मॉइस्चर पाया जाता है। आंखों के लिए वॉटर प्रूफ काजल का इस्तेमाल करें। अलग कलर्स में भी काजल या लाइनर ट्राय करें। आंखों के कोने में वाइट आइलाइनर पॉप ऐड करेगा। मानसून में लिक्विड आइलाइनर से दूर ही रहें।

मॉनसून में हो रहे कई प्रकार के बुखार ये हैं वायरल के लक्षण

मॉनसून में होने वाले बुखार के लक्षण

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के मानद महासचिव पद्मश्री डॉ. के. के. अग्रवाल का कहना है कि अगर मॉनसून में बुखार हो तो इन बातों का ध्यान रखें: जब तक टायफायड की पहचान न हो जाए, तब तक कोई भी एंटीबायटिक न लें। खांसी, आंखों का लाल होना और जुखाम आदि वायरल विकार की वजह से भी हो सकता है। डेंगू होने पर आखें हिलाने पर दर्द होता है। वहीं, चिकनगुनिया में मरीज़ को बुखार, रैशेज़ और जोड़ों में दर्द होता है। कलाई के जोड़ों को दबाने से जोड़ों का दर्द बढ़ता है। मलेरिया के बुखार में कपकपी छूटती है और कठोरपन आ जाता है। बुखार के बीच में टोक्सीमिया नहीं होता।

सीजन के बदलने पर लोगों को कई बीमारियां अपनी चपेट में ले लेती हैं, जैसे जुखाम, खांसी, बुखार। कई लोग ऑफिस या काम पर जाने के लिए एंटीबायोटिक का सेवन करते हैं, ऐसा करना गलत है। बिना डॉक्टर की सलाह लिए कोई भी मेडिसिन लेना शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। साथ ही मॉनसून में होने वाला बुखार भ्रम भी पैदा करता है।

बुखार कई प्रकार के होते हैं। इसमें मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, पीलिया और टायफायड शामिल हैं। इन सभी के लक्षण मिलते-जुलते रहते हैं। मॉनसून के बुखार में एस्प्रिन लेना नुकसानदायक हो सकता है, क्योंकि कई किस्म के बुखार में प्लेटलेट्स की संख्या घटने लगती है।

पीलिया में जब तक पीलिया सामने आता है तब तक बुखार चला जाता है। टायफायड का रोगी टॉक्सिक लगता है और उसकी नब्ज बुखार से कम होती है। ज़्यादातर वायरल बुखार अपने आप नियंत्रित होते हैं और एक सप्ताह में ठीक हो जाते हैं। मॉनसून के ज़्यादातर वायरल विकारों में उचित मात्रा में पानी लेने से इलाज हो जाता है। किसी लंबी मेडिकल बीमारी के दौरान बुखार होने पर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

रिश्तों को बेहतर करना है तो करें प्लानिंग!

अगर आप रिश्तों में बुरे दौर से गुजर रहे हैं, तो भविष्य के बारे में सोचना आपके रिश्ते में गरमाहट ला सकता है. क्योंकि यह उलझनों से उबरने में मदद करता है और जीवन में सकारात्मकता लाता है. हालिया अध्ययन में यह बात सामने आई है. वाटरलू यूनिवर्सिटी में अनुसंधान करने वाले एलेक्स हुएन्ह ने कहा, ़जब आपका पार्टनस पैसे, जलन या आपसी मुद्दों पर बहस करता है, तो वह उस वक्त अपने भावनाओं का इस्तेमाल बहस को तीखा करने के लिए करता है. ऐसे में जब वह अपने रिश्ते को लेकर भविष्य के बारे में सोचना शुरू करता है, तो उनका ध्यान झगड़े से हट जाता है.।

यह अध्ययन पत्रिका 'सोशल साइकोलॉजिकल एंड पर्सनैलिटी साइंस' में प्रकाशित हुआ है.

अतीत के शोध के मुताबिक, लोग बेवफाई के मुद्दों पर अधिक बेहतर तरीके से सोचने में सक्षम होते हैं, जब उनसे तीसरे व्यक्ति के रूप में पहलू पर सोचने के लिए कहा जाता है.

हुएन्ह ने कहा, हमारे अध्ययन में यह बाते सामने आई है कि रिश्तों के संघर्ष के संदर्भ में भविष्य आधारित अवधारणा को अपनाने से मनोवैज्ञानिक तौर पर खुशी व संबंध अच्छे होते हैं।

संपादकीय

आरक्षण का ही देश नहीं

यह देश किसी एक जाति, संप्रदाय, नस्ल, वर्ग, भाषा और जमात का नहीं है। यह देश हिंदू-मुसलमान या जैन-बौद्ध अथवा सिख-जट या पारसी-ईसाई आदि का भी नहीं है। यह देश दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों का भी है तथा अल्पसंख्यक सवर्ण गरीबों का भी है। यह देश समस्त भारतीयों का है, लिहाजा सभी के दुख-सुख और हित में सोचना और नीतियां बनाना अनिवार्य है। दुर्भाग्य और विडंबना है कि इस बार के आम चुनाव में इस विविधता और व्यापकता पर कोई बहस नहीं की गई। सिर्फ मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा सबसे अधिक गूंजता रहा है। विपक्ष के खेमे का लगभग समवेत स्वर रहा है कि मुसलमानों को आरक्षण जरूर देंगे। लालू यादव तो 100 फीसदी आरक्षण मुसलमानों को ही देने के पैरोकार हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उच्च न्यायालय के फैसले के बाद सार्वजनिक ऐलान किया है कि मुस्लिम आरक्षण जारी रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी लगातार पलटवार करते रहे हैं कि वह मुस्लिम आरक्षण लागू नहीं होने देंगे। जब तक वह जिंदा हैं, तब तक दलितों, आदिवासियों और ओबीसी का आरक्षण छिनने नहीं देंगे। आरक्षण किसी का संवैधानिक मौलिक अधिकार नहीं है। हमारे संवैधानिक पुरखों ने एक व्यवस्था 10 साल के लिए तय की थी, ताकि सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक विषमताएं समाप्त की जा सकें, लेकिन आजादी के 77 साल बाद भी वह 'संवैधानिक कृपा' बरकरार है, विषमताएं भी मौजूद हैं, क्योंकि आरक्षण आज भी लागू है। बल्कि आरक्षण आज राजनीतिक हथियार बन चुका है। संविधान पीठ भी फैसला दे चुकी है कि धर्म पर आधारित आरक्षण 'संवैधानिक' नहीं है। कुछ राज्य सरकारों ने मुसलमानों को धार्मिक कोटा देने की जुर्रत की थी, लेकिन सर्वोच्च अदालत ने उन्हें खारिज कर दिया। सिर्फ बिहार और बंगाल ही नहीं, मध्यप्रदेश, गुजरात, उप्र, केरल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्यों में भी कई-कई जातियों की आड़ में मुसलमानों को आरक्षण देने की व्यवस्था है। अदालत की आंख में धूल झोंकी गई है। कई राज्यों में तो भाजपा की सरकारें है। कुछ भी संवैधानिक नहीं है, फिर भी आरक्षण का चुग्गा फेंक कर मुस्लिम तुष्टिकरण और बंधक वोट बैंक की राजनीति खेली जा रही है। मुसलमानों की आड़ में बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या सरीखी देश-विरोधी गतिविधियां भी जारी हैं। यह कड़ा आदेश मुख्यमंत्रियों को भी दिया जाना चाहिए कि ऐसे रंगे सियार वोट बैंक असंवैधानिक हैं, लिहाजा देश में एनआरसी भी अनिवार्य की जानी चाहिए। अब तो कुछ दिनों के बाद नई सरकार भारत में बनेगी, लिहाजा वोट बैंक की चिंताएं कम होंगी, लिहाजा भारत सरकार ऐसा अभियान चलाए, ताकि अवैध घुसपैठियों को देश से बाहर किया जा सके। हम पूरा दोष घुसपैठियों को या वोट बैंक के तुष्टिकरण को ही नहीं दे सकते, क्योंकि देश में ही कांग्रेस पूरी तरह 'मुस्लिमवादी' रही है। मुस्लिमवादियों के अपने कुतर्क हैं। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार ने ही 2004 में जस्टिस रंगनाथ मिश्र आयोग गठित किया था। उसने 2007 में मुसलमानों को ओबीसी आरक्षण देने की सिफारिश की थी। जस्टिस रंगनाथ मिश्र देश के प्रधान न्यायाधीश रह चुके थे। मुसलमानों के लिए ही सच्चर कमेटी का गठन किया गया। यूपीए सरकार के तहत अलग से 'अल्पसंख्यक मंत्रालय' भी बनाया गया, जिसका फोकस मुसलमानों पर ही रहा है। उस दौर में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का विवादास्पद बयान भी सामने आया कि देश के संसाधनों पर पहला दावा और अधिकार खासकर अल्पसंख्यक मुसलमानों का है। 2024 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी का 2012 का एक वीडियो बेनकाब किया है, जिसमें राहुल मुस्लिम आरक्षण का दावा ठोंकते देखे और सुने जा सकते हैं। सवाल है कि इन सरकारों को महज मुसलमानों की ही चिंता क्यों सताती रही है? उनके सरोकार और कार्यक्रम भी मुस्लिम सम्मत क्यों रहे हैं? क्या भारत सिर्फ उन्हीं का देश है? वे करीब 15 फीसदी आबादी हैं। शेष 85 फीसदी आबादी क्या हाथ मलती रहे? यह संवैधानिक न्याय नहीं है। मदद उनकी की जानी चाहिए, जो विपन्न, वंचित और निरक्षर हैं, चाहे उनकी जाति और समुदाय कुछ भी हो। हमारा ही नहीं, यह अधिकांश देश का विनम्र आग्रह है कि बंधक वोट बैंक और तुष्टिकरण के खिलाफ कोई संवैधानिक व्यवस्था बनाई जानी चाहिए और मौलिक अधिकार भी खंडित नहीं होने चाहिए।

> बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उच्च न्यायालय के फैसले के बाद सार्वजनिक ऐलान किया है कि मुस्लिम आरक्षण जारी रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी लगातार पलटवार करते रहे हैं कि वह मुस्लिम आरक्षण लागू नहीं होने देंगे। जब तक वह जिंदा हैं, तब तक दलितों, आदिवासियों और ओबीसी का आरक्षण छिनने नहीं देंगे। आरक्षण किसी का संवैधानिक मौलिक अधिकार नहीं है। हमारे संवैधानिक पुरखों ने एक व्यवस्था 10 साल के लिए तय की थी, ताकि सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक विषमताएं समाप्त की जा सकें, लेकिन आजादी के 77 साल बाद भी वह 'संवैधानिक कृपा' बरकरार है, विषमताएं भी मौजूद हैं, क्योंकि आरक्षण आज भी लागू है। बल्कि आरक्षण आज राजनीतिक हथियार बन चुका है। संविधान पीठ भी फैसला दे चुकी है कि धर्म पर आधारित आरक्षण 'संवैधानिक' नहीं है। कुछ राज्य सरकारों ने मुसलमानों को धार्मिक कोटा देने की जुर्रत की थी, लेकिन सर्वोच्च अदालत ने उन्हें खारिज कर दिया।

ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े इन मुद्दों पर भी केंद्र की भाजपा सरकार की खिलाफत की

संवैधानिक व्यवस्था से ऊपर नहीं ममता सरकार

योगेंद्र योगी

> ममता सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारूढ़ पार्टी बन गई है जिसका देश के संविधान और न्यायपालिका में भरोसा नहीं रह गया है। भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का शगल बन गया है। ममता को सिर्फ वोट बैंक की राजनीति नजर आती है, इसके लिए बेशक कानून की कितनी ही धज्जियां क्यों न उड़ानी पड़े। ममता बनर्जी का एकमात्र लक्ष्य मुसलमानों के वोट बैंक को बरकरार रखना रह गया है।

पश्चिम बंगाल की ममता सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारूढ़ पार्टी बन गई है जिसका देश के संविधान और न्यायपालिका में भरोसा नहीं रह गया है। भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का शगल बन गया है। ममता को सिर्फ वोट बैंक की राजनीति नजर आती है, इसके लिए बेशक कानून की कितनी ही धज्जियां क्यों न उड़ानी पड़े। ममता बनर्जी का एकमात्र लक्ष्य मुसलमानों के वोट बैंक को बरकरार रखना रह गया है। मुद्दा चाहे रोहिंग्या मुसलामानों के अवैध प्रवेश का हो या फिर बांग्लादेशियों का, इसके लिए ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े इन मुद्दों पर भी केंद्र की भाजपा सरकार की खिलाफत की है। कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिम बंगाल में हुआ है, उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्य में हुआ हो। कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के हाईकमान ने भी कभी ऐसे आरोप केंद्र की भाजपा सरकार पर नहीं लगाए, जैसे कि ममता बनर्जी लगाती रही हैं। ममता ने भ्रष्टाचार, सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग, राजनीतिक आधार पर बंदरबाट जैसे मुद्दों पर अदालतों से जितनी फटकार खाई है, उतनी देश के किसी राजनीतिक दल की सरकार ने नहीं खाई। इतना सब कुछ होने के बावजूद ममता बनर्जी अपनी आदतों से बाज नहीं आई हैं। नया मामला पश्चिम बंगाल में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण को अदालत द्वारा रद्द करने का है। इस आदेश को सदाशयता से मान कर अपील करने की दलील देने के बजाय मुख्यमंत्री ममता ने ही फैसला देने वाले हाईकोर्ट के न्यायाधीश पर भाजपा समर्थक होने का आरोप लगा दिया। ऐसा करके ममता ने बगैर किसी भय के सरेआम अदालत की अवमानना कर दी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि वह इस आदेश को स्वीकार नहीं करेंगी, जो तपशिली समुदाय को दिए गए अधिकार छीन लेगा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस प्रशासन के तहत 2011 से बंगाल में जारी अन्य पिछड़ा वर्ग के सभी प्रमाणपत्रों को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया। अदालत ने कहा, हालांकि, इससे वर्तमान में शैक्षणिक संस्थानों में नौकरी या सीटें रखने वाले या जाति प्रमाणपत्र के साथ आवेदन दाखिल करने वाले लोगों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। पश्चिम बंगाल में ओबीसी आरक्षण की पूरी कहानी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में गठित सच्चर कमेटी की रिपोर्ट पर आधारित है। उस रिपोर्ट में देश में मुस्लिम समुदाय की स्थिति के बारे में विस्तृत बातें की गई थीं। रिपोर्ट में कहा गया था कि पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारियों में केवल 3.5 फीसदी ही मुस्लिम थे। इसी को आधार बनाकर 2010 में पश्चिम बंगाल की वाम मोर्चा सरकार ने 53 जातियों को ओबीसी की श्रेणी में डाल दिया और ओबीसी आरक्षण सात फीसदी से बढ़ाकर 17 फीसदी कर दिया। इस तरह उस वक्त करीब 87.1 फीसदी मुस्लिम आबादी आरक्षण के दायरे में आ गई। लेकिन, 2011 में वाम मोर्चा की सरकार सत्ता से बाहर हो गई और उसका यह फैसला कानून नहीं बन सका। फिर राज्य में तृणमूल कांग्रेस की सरकार आई और ममता बनर्जी मुख्यमंत्री बनीं। ममता की सरकार ने इस सूची को बढ़ाकर 77 कर दिया। 35 नई जातियों को इस सूची में जोड़ा गया, जिनमें से 33 मुस्लिम समुदाय की जातियां थीं। साथ ही तृणमूल सरकार ने भी राज्य में ओबीसी आरक्षण सात फीसदी से बढ़ाकर 17 फीसदी कर दिया। ममता सरकार के इस कानून की वजह से राज्य की 92 फीसदी मुस्लिम आबादी को आरक्षण का लाभ मिलने लगा। हाइकोर्ट ने ओबीसी के मामले में सरकार के फैसले को निरस्त कर दिया। इसके बाद तो मानो ममता का पारा उछल गया। ममता ने अदालत पर मनमाने आरोप लगा दिए। उच्च न्यायालय के विशिष्ट न्यायाधीशों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक न्यायाधीश कह रहा है कि मैं आरएसएस का आदमी हूं, दूसरा भाजपा में शामिल हो जाता है। आप इस तरह से न्यायाधीश कैसे बन सकते हैं और अदालतों की अध्यक्षता कैसे कर सकते हैं? पार्टी के वरिष्ठ नेता और सुश्री बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने भी आरोप लगाया कि अदालत का फैसला तपशिली समुदाय के लिए आरक्षण रद्द करने के भाजपा के प्रयासों का हिस्सा है। ममता के आरोपों के जवाब में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने सुश्री बनर्जी की टिप्पणियों को खारिज कर दिया। शाह ने कहा कि ममता जी ने कहा कि हम उच्च न्यायालय के फैसले को स्वीकार नहीं करते हैं। शाह ने कहा कि बंगाल के लोगों से पूछना चाहता हूं, क्या ऐसा कोई मुख्यमंत्री हो सकता है जो अदालत के आदेश को मानने से इनकार कर दे? उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने बिना किसी सर्वेक्षण के 118 मुस्लिम जातियों को ओबीसी आरक्षण दे दिया। कोई अदालत में चला गया। ममता बनर्जी अपने वोट बैंक के लिए पिछड़े वर्गों के आरक्षण को लूटना चाहती हैं और मुस्लिम जातियों को आरक्षण देना चाहती हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि ये दोनों ही जो फैसले हैं, वो बताते हैं कि ममता बनर्जी की सरकार गैर-संवैधानिक तरीके से तुष्टीकरण की नीति को आगे बढ़ा रही थी। ममता बनर्जी ने वोटों के ध्रुवीकरण की राजनीति करने में कसर बाकी नहीं रखी। मुद्दा चाहे रामनवमी पर हिंसा का हो या संदेशखाली में हिंदू महिलाओं के साथ अत्याचारों का। राज्य में शीर्ष संवैधानिक पद पर रहते हुए भी ममता बनर्जी ने मुसलमानों के वोट बैंक को रिझाने के लिए उल्टे भाजपा और दूसरे विपक्षी दलों पर ही निशाने साधे हैं। इसके अलावा ममता बनर्जी के मौजूदा और पूर्व कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार का ताडंव जम कर हुआ। शारदा घोटाला और नारद स्टिंग खुलासे, कोयला और मवेशी तस्करी, राशन घोटाले और सरकारी परियोजनाओं के लिए फंड से लिए गए कट मनी के आरोपों के बावजूद ममता सरकार में कोई सुधार नहीं दिखा। इससे जाहिर है कि ममता बनर्जी मनमानी करने पर आमदा हैं। बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाला, कोयला तस्करी मामला, नगरपालिका नियुक्ति घोटाला व राशन वितरण घोटाले में तृणमूल कांग्रेस के एक दर्जन से अधिक नेता व मंत्री सलाखों के पीछे हैं। इनमें पूर्व मंत्री व विधायक पार्थ चटर्जी, विधायक अनुब्रत मंडल, विधायक मानिक भट्टाचार्य, विधायक जिबनकृष्ण साहा प्रमुख हैं। इस कड़ी में वन मंत्री व पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक का नाम जुड़ गया है। करोड़ों रुपए के शारदा चिट फंड घोटाले में तृणमूल के तत्कालीन राज्यसभा सदस्य संजय बोस और तृणमूल के विधायक व तत्कालीन परिवहन मंत्री मदन मित्रा को गिरफ्तार किया गया था। मित्रा और बोस दोनों को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। बंगाल पुलिस ने शारदा चिट फंड घोटाले में टीएमसी के प्रवक्ता और पार्टी के पूर्व राज्यसभा सदस्य कुणाल घोष को गिरफ्तार किया था। ममता सरकार की सर्वाधिक किरकिरी संदेशखाली की शर्मनाक वारदात में हुई। सुप्रीम कोर्ट ने संदेशखाली मामले की सीबीआई जांच का विरोध करने पर पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने सवाल किया कि कोई राज्य सरकार किसी व्यक्ति के हितों की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट कैसे आ सकती है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सीबीआई जांच का निर्देश देने वाले हाई कोर्ट के आदेश पर कोई रोक लगाने से इनकार कर दिया और पूछा था कि राज्य सरकार किसी व्यक्ति के हितों की रक्षा के लिए सर्वोच्च न्यायालय से कैसे संपर्क कर सकती है? जहां तक वोटों की राजनीति और बहुमत पाने से काले कारनामों के धुल जाने का सवाल है तो लालू यादव बहुमत के बावजूद जेल गए थे।

दृष्टि कोण

पौंग सेंक्चुरी में माफिया का अतिक्रमण

साल 1971 में पौंग बांध के निर्माण के बाद नहरों का जाल बिछने से राजस्थान की रेतीली ज़मीन तो सोना उगलने लगी लेकिन कांगड़ा जिले के 339 डूबे गांवों के हजारों परिवारों के दिलों में कभी न भर पाने वाले ज़ख्म छोड़ गयी। गत 50 साल से अधिक समय से पौंग बांध विस्थापन ने बेशुमार विवादों, जनसमस्याओं को जन्म दिया है। सरकार, प्रशासन, $खासकर राजनेताओं की अनदेखी, संवेदनहीनता के कारण पौंग डैम वेटलैण्ड तथा वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी की मूल्यवान धरोहर को नष्ट करने के मन्सूबों पर कोई अंकुश नहीं दिखाई दे रहा। पौंग डैम महज़ विस्थापन की समस्या नहीं है। इसके बेशुमार शेड्स हैं। फिलहाल इस लेख का मकसद वैटलैंड एरिया में गुज्जरों के अस्थायी डेरों से पर्यावरण और वन्य जीव-जन्तुओं के बर्बाद होने की ज्वलन्त समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करना है। देश भर में कुल 662 वन्य जीव अभयारण्य हैं जिनमें से पौंग डैम का 207.59 कि. मी. दूर तक फैला क्षेत्र भी शामिल है। साल 1972 में हिमाचल सरकार ने वाइल्ड लाइफ प्रोटैक्शन एक्ट पास किया था जिसके सेक्शन 27 के मुताबिक सेंक्चुरी एरिया में किसी भी प्रकार की गतिविधियों पर पूर्ण रूप से प्रतिबन्ध है ताकि वन्य जीव-जन्तु, पक्षी, मधुमखियां, तितलियां व सभी प्रकार के वन्यजीव सुरक्षित रह सकें। लेकिन गत 50 साल से जम्मू-कश्मीर, पंजाब के अनेक क्षेत्रों से बड़ी तादाद में गुज्जर अपनी भैंसों, गायों व अन्य पालतू पशुओं के साथ बेरोकटोक पौंग डैम में पानी के किनारों की ज़मीन को अपना अस्थायी आशियाना बना लेते हैं। पौंग डैम में बीबीएमबी की हजारों एकड़ भूमि में राजनेताओं की कथित दखलअंदाजी व माफिया दबंगई के बाद बीजी गयी गेहूं की फसल कटने के बाद अप्रैल से जुलाई-अगस्त तक गुज्जर समुदाय के लोग अपनी हजारों भैंसों के साथ हरी भरी उपजाऊ ज़मीन पर डेरा जमा लेते हैं। कोई 60 हजार से ज्यादा भैंसों के गोबर, गून्तर से और सडक़ों तक में विचरने से स्वच्छता अभियान को ठेस लग रही है। भैंसों के साथ आए गुज्जरों के परिवार खुले में शौच करते हैं और मल-मूत्र जनित बीमारियों पैदा करते हैं। भैंसों के चरने से उनके खुरों से ज़मीन नरम हो जाती है और मानसून के आते ही यह गन्दगी व रेत पौंग डैम के पानी में जमा हो रही है। इससे डैम में भारी मात्रा में गाद जमा हो रही है। पर्यावरणविदों का आरोप है कि गुज्जर कट्टियों को तो संभाल कर रखते हैं, लेकिन कट्टुओं को पैदा होते ही मार देते हैं और उन्हें डैम के पानी में बहा देते हैं। ऐसी क्रूरता के उदाहरण भी कम नहीं हैं जब वे कट्टुओं का गला काट कर उनका सिर भैंसों के आगे रख देते हैं ताकि वो दूध के लिए न बिफरें। पालतू पशुओं के साथ यह क्रूरता की इन्तहा है जिस पर गुज्जरों के $खिलाफ मुकद्दमें दर्ज होने चाहिएं। मरे हुए पशुओं से पर्यावरण को कितना नुकसान हो रहा है, इसकी कल्पना सहज ही की जा सकती है। बीबीएमबी की जमीन पर जिसे वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी और अंतरराष्ट्रीय स्तर का वैटलैण्ड और रैमसर साइट घोषित किए गए हैं, उस पर गुज्जर समुदाय का माफिया बेखौफ अवैध गतिविधियों में संलिप्त है। हैरत यह है कि पुलिस, प्रशासन, सरकार, राजनेता सब चुप्पी साधे हुए हैं। मूल रूप से गुज्जरों की 'तानाशाही' के लिए हिमाचल सरकार का वन विभाग का वाइल्ड लाइफ विंग जिम्मेदार है। लेकिन वह क्यों आंखें मूंदे बैठा है, इसकी वजह पौंग डैम एरिया में सक्रिय पर्यावरणविद बताते हैं, ''राजनेता, पुलिस, बीबीएमबी और वन विभाग के अधिकारियों का पौंग बांध में सक्रिय माफिया के साथ कथित रूप से गठजोड़ और अलिखित संधि है। प्रवासी परिन्दों को देखने, नौका विहार करने और वन सम्पदा का अवलोकन करने के लिए देश-विदेश से असंख्य सैलानी आते हैं। लेकिन 50 साल में माफिया ने सेंक्चुरी और वैटलैण्ड में अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देकर मुनाफे के लिए इसका लगातार दोहन किया है और पर्यावरण को बुरी तरह रौंद डाला है। हर साल सर्दियों में साइबेरिया से आने वाले करीब डेढ़ लाख प्रवासी परिन्दों का शिकार जारी है। वन विभाग द्वारा शिकारियों को पकडने और उन्हें सज़ा दिलाने के प्रयास कहीं नहीं दिखाई देते। इस मामले में स्थानीय ग्राम पंचायतों के प्रधान व वार्ड मेम्बर भी अपने दायित्व के निर्वहन के प्रति खामोश हैं। बताते हैं कि गुज्जर समुदाय के लोग छह महीने तक अपने डेरे जमाए रखने के लिए अफसरों को लाखों का चढ़ावा चढ़ाते हैं और यहां मजे से डटे रहते हैं। पौंग बांध क्षेत्र में विगत एक दशक से सक्रिय एक अग्रणी पर्यावरणविद मिलखी राम शर्मा ने हिमाचल हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की थी। 7 अक्तूबर 2023 को याचिका संख्या 41/2023 का फैसला हुआ था। न्यायालय ने गुज्जरों की भैंसों से पैदा होने वाली पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं का कड़ा संज्ञान लेते हुए हिमाचल सरकार को निर्देश दिए थे, 'हम विश्वास व आशा करते हैं कि पौंग डैम वेटलैण्ड क्षेत्र व वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी को बर्बाद करने के प्रयासों पर तुरन्त प्रतिबन्ध लगेगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव, (वन), पीसीसीएफ (वाइल्ड लाइफ), सीसीएफ (नार्थ), धर्मशाला व हमीरपुर के डीएफओ (वाइल्ड लाइफ), एसपी व डीसी कांगड़ा इस विषय में कोर्ट के आदेशों को लागू करें। दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करें।' लेकिन धरातल पर सरकार के उक्त सभी अधिकारियों की कार्रवाई शून्य है। मिलखी राम शर्मा व उनकी एनजीओ के अन्य सदस्य शीघ्र ही हिमाचल सरकार के अधिकारियों के विरुद्ध कोर्ट की अवमानना का केस दायर करने का मन बनाए हुए हैं। इस मामले में भाखड़ा ब्यास मैनेजमेन्ट बोर्ड की चुप्पी भी अ$खरती है। अपनी ड्यूटी के प्रति अवहेलना की यह पराकाष्ठा है। आखिर क्यों वे अपनी ज़मीन पर अवैध गतिविधियों के प्रति कबूतर की तरह आंखें मूदे हुए हैं। डैम में लगातार सिलटिंग की समस्या के प्रति चुप्पी साधे हुए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि बीबीएमबी की भी गुज्जर माफिया, अपनी ज़मीन पर अवैध खेती और अन्य गतिविधियों के प्रति मूक बने रहने के पीछे कोई निहित मन्शा है।

कुछ अलग

अटैची गए कहां...

भीषण गर्मी पड़ रही है। सूर्य भी प्रचंड हो रहा है और मुखिया का भाषण भी आग उगल रहा है। यानी भाषण और गर्मी की दोहरी मार पड़ रही है। भाषण अटैची से शुरू होता है और अटैची पर खत्म हो जाता है। पब्लिक प्रचंड गर्मी से भी हलकान है और नेताजी के 'राग अटैची' की रहस्यमयी गुत्थी सुलझाने में भी नाकाम है। पब्लिक जगह-जगह पूछ रही है कि अटैची दिए गए थे तो अटैची गए कहां? जब अटैची दिए जा रहे थे तो सरकार कहां सोई थी और सरकार की सीआईडी कहां सोई थी? जब सरकार भी सोई थी और खुफिया एजेंसियां भी सोई थी, तो फिर जाग कौन रहा था? सरकार के बारे में तो माना जा सकता है कि सत्ता के नशे में चूर होकर सोई हुई थी। लेकिन गुप्तचर एजेंसियों की आंखों पर पट्टी किसने बांध रखी थी? किसी ने किसी को अटैची देते नहीं देखा और किसी ने किसी को अटैची लेते नहीं देखा। एक साथ कितने अटैची खरीदे गए थे, किस शहर से खरीदे गए थे, किस दुकान से खरीदे गए थे, इसका कोई बिल भी सरकार पेश नहीं कर पा रही। यह तो सरकार को जीएसटी में भी हुआ सीधा-सीधा नुकसान है। जीएसटी का भुगतान नहीं हुआ तो सरकारी खजाने को चपत लग गई। अब ऐसी कौनसी ताकत थी जो सरकारी खजाने को भी चपत लगा गई और सरकार के मुलायम मुलायम गाल पर भी चपत लगा गई। गाल अभी तक लाल हैं। यह शर्म से भी लाल हो सकते हैं और गुस्से से भी लाल हो सकते हैं क्योंकि गाल लाल दो तरह से होते हैं। अगर गुस्से से लाल हैं तो सरकार को तुरंत अपना गुस्सा बाहर निकाल देना चाहिए। सरकार अगर अपने भीतर गुस्सा रखती है तो सरकार को कई तरह की बीमारियां हो जाती हैं। रक्तचाप बढ़ जाता है। लेकिन अगर गाल शर्म से लाल हैं तो सरकार को आत्ममंथन करना चाहिए कि शर्म के इन पलों की उत्पत्ति कैसे हुई? अटैची में न तो गुस्सा छिप सकता है और न ही शर्म छिपाई जा सकती है। अटैची इस काम के लिए नहीं बने हैं। हम आम तौर पर अटैची में अपना जरूरत का सामान डालकर सफर करते हैं। लेकिन अटैची राजनीतिक मुद्दा और चुनावी मुद्दा क्यों बन गए, इस बारे बड़ा असमंजस का माहौल है। पब्लिक कंफ्यूज है कि बड़े नेताजी अपनी उपलब्धियों के नाम पर वोट नहीं मांग रहे...सिर्फ अटैचियों की बात कर रहे हैं। क्या पब्लिक से जुड़े मुद्दे चुनाव में गौण हो जाते हैं या फिर अपनी नाकामियां छिपाने के लिए सरकार जनता का ध्यान बांटना शुरू कर देती है? पब्लिक कह रही है कि हमें महंगाई से निजात दो। युवा कह रहे हैं कि हमें नौकरी दो। कर्मचारी और पेंशनर कह रहे हैं कि हमारे एरियर का भुगतान करो। किसान और बागवान कह रहे हैं कि हमें उचित समर्थन मूल्य दो। लेकिन नेताजी इन सारे सवालों से अपना पिंड छुड़ाते हुए कह रहे हैं कि अटैची देने वाले और अटैची लेने वाले एक दिन सलाखों के पीछे जाएंगे। पब्लिक परेशान होकर पूछ रही है कि हमारे मुद्दों पर भी जो अटैची भारी पड़ गए, वे अटैची आखिर हैं कहां? नेताजी कह रहे हैं कि अटैची तो पता नहीं लेकिन सबूत उनके पास हैं। पब्लिक को अटैची लेने और देने का सबूत नहीं चाहिए, पब्लिक को तो बस यही सबूत चाहिए कि सरकार ने कितनी नौकरियां दी। कितने वादे पूरे किए। खाद्य पदार्थों की कीमतों को कितना कम किया। नेताजी पब्लिक की इस मांग से सहमत नहीं हैं। पब्लिक की समस्याओं और सवालों की बजाय अटैची को बड़ा मुद्दा मानते हैं। इसलिए घूम फिर कर सवाल वहीं खड़ा हो रहा है कि अटैची आखिर गए कहां...? जमीन निगल गई या आसमान खा गया...?

देश दुनिया से

सड़क पर सबके काम आए अच्छा कानून

> 'सड़क दुर्घटना' पर एक निबंध लिखने को भी उसे कहा गया। इसकी विशेषकर सोशल मीडिया में तेज प्रतिक्रिया हुई और किशोर न्याय बोर्ड की लानत-मलामत शुरू हो गई। नतीजतन, बोर्ड ने न सिर्फ अपना फैसला बदला, बल्कि 5 जून तक किशोर को बाल सुधार गृह में भेज दिया। हालांकि, यह अब तक स्पष्ट नहीं किया गया है कि उस किशोर को बालिग की तरह सजा दी जाएगी या नाबालिग की तरह रियायत?यह जानकारी देश के संभवत: बहुत कम लोगों को है कि किशोर न्याय अधिनियम, 2015 में साल 2021 में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए थे, जिसे 1 सितंबर, 2022 को लागू कर दिया गया है। यहां इसकी धारा 18 का जिक्र आवश्यक है, जिसमें पहले यह प्रावधान था कि जिनकी उम्र 18 साल से कम है, उनके द्वारा यदि कोई 'छोटा' या 'गंभीर' अपराध किया जाता है, तो उसका निस्तारण किशोर न्याय बोर्ड करेगा।

पुणे में एक नाबालिग के शराब पीकर दो नौजवानों को रौंदने की घटना कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाती है। इस पूरी घटना में पुलिस-प्रशासन के साथ-साथ किशोर न्याय बोर्ड के रवैये पर भी सवाल उठ रहे हैं, जो बिल्कुल स्वाभाविक हैं। दरअसल, शनिवार-रविवार की रात 17 वर्ष का एक किशोर शराब के नशे में अपने पिता की पोर्श कार करीब 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ा रहा था और उसने एक बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार दो युवा इंजीनियरों की मौत हो गई। लोगों ने आरोपी को पुलिस के हवाले किया और पुलिस उसे लेकर किशोर न्याय बोर्ड पहुंची, लेकिन वहां उसे न सिर्फ बड़ी आसानी से जमानत मिल गई, बल्कि 300 शब्दों में 'सड़क दुर्घटना' पर एक निबंध लिखने को भी उसे कहा गया। इसकी विशेषकर सोशल मीडिया में तेज प्रतिक्रिया हुई और किशोर न्याय बोर्ड की लानत-मलामत शुरू हो गई। नतीजतन, बोर्ड ने न सिर्फ अपना फैसला बदला, बल्कि 5 जून तक किशोर को बाल सुधार गृह में भेज दिया। हालांकि, यह अब तक स्पष्ट नहीं किया गया है कि उस किशोर को बालिग की तरह सजा दी जाएगी या नाबालिग की तरह रियायत?यह जानकारी देश के संभवतः बहुत कम लोगों को है कि किशोर न्याय अधिनियम, 2015 में साल 2021 में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए थे, जिसे 1 सितंबर, 2022 को लागू कर दिया गया है। यहां इसकी धारा 18 का जिक्र आवश्यक है, जिसमें पहले यह प्रावधान था कि जिनकी उम्र 18 साल से कम है, उनके द्वारा यदि कोई 'छोटा' या 'गंभीर' अपराध किया जाता है, तो उसका निस्तारण किशोर न्याय बोर्ड करेगा। मगर 2021 के संशोधन में न सिर्फ इसमें 'जघन्य अपराध' को शामिल किया गया, बल्कि उम्र सीमा घटाकर 16 साल की गई। यानी, अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को बालिग माना जा सकता है और आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 के तहत उस पर मुकदमा भी चलाया जा सकता है। जाहिर है, कानूनी संशोधनों के मुताबिक इस किशोर को भी उम्र और अपराध की प्रकृति के मुताबिक बालिग समझा जाना चाहिए था, पर ऐसा नहीं किया गया। वैसे कानून यह भी है कि वह 16 वर्ष से कम भी होता, तब भी इतना गंभीर अपराध करके वह बाल सुधार गृह नहीं, जेल जाता या सजा पाता। अफसोस की बात यही है कि यह कानून 1 सितंबर, 2022 से भारत में लागू है, फिर भी इसकी जानकारी कम लोगों को है। साधारण व्यक्ति की बात छोड़िए, इस मामले में तो यही जान पड़ता है कि संबंधित अधिकारीगण और किशोर न्याय बोर्ड भी आंखें मूंदे हुए है। यहां आरोपी को अपने परिवार के रसूख का फायदा मिलता भी दिखता है। इतना गंभीर अपराध करने के बाद भी यदि आरोपी को तुरंत जमानत मिल गई, तो यह बात कहीं न कहीं हमारी व्यवस्था पर सवाल उठाती है। यह भी संकेत है कि आरोपी के परिजनों के दबाव में उसे राहत दी गई थी। उल्लेखनीय यह है कि किशोर न्याय अधिनियम में 'छोटे', 'गंभीर' और 'जघन्य' अपराधों की श्रेणियां सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शिल्पा मित्तल बनाम दिल्ली के मामले में साल 2020 में दी गई टिप्पणी के बाद

बांटी गई थीं, जिसमें कहा गया था कि किशोर न्याय अधिनियम में अपराध की चौथी श्रेणी 'जघन्य अपराध' के लिए प्रावधान नहीं किए गए हैं, जिसमें अपराध के लिए अधिकतम सजा सात वर्ष है, किंतु न्यूनतम सजा नहीं है। स्पष्ट है, किशोर न्याय बोर्ड को इस कानून की जानकारी होनी चाहिए थी और इस मामले को नियमित अदालत में कार्रवाई के लिए भेजना चाहिए था। उसका कर्तव्य आरोपी को सही मार्ग दिखाना है, इसलिए उसकी यह अनभिज्ञता दुखद है। पीड़ित परिवार चाहे, तो उच्च न्यायालय जाकर इंसाफ की गुहार लगा सकता है। इस मामले में पुलिस चाहती, तो काफी कुछ कर सकती थी। ऐसे मामलों को रोकने के लिए उसके पास कई शक्तियां हैं। मसलन, पुलिस किसी को भी, बिना कारण भी, गिरफ्तार कर सकती है, जिसने किसी पुलिस अफसर के सामने एक गैर-जमानतीय अपराध किया हो। इतना ही नहीं, यदि किसी के खिलाफ वाजिब शिकायत की गई है या उसके खिलाफ कोई विश्वसनीय रिपोर्ट आई है या ऐसी कोई गैर-जमानतीय अपराध का संदेह उस पर हो, जिसमें सजा सात वर्ष या इससे ज्यादा हो, तो पुलिस उसे गिरफ्तार कर सकती है। देश के परिवहन कानून को भी काफी सख्त बनाया गया है। अब तो तेज गति या लापरवाही से गाड़ी चलाने के परिणामस्वरूप किसी अन्य व्यक्ति को चोट लगने या मृत्यु होने के मामले में धारा 279 और धारा 304-ए (लापरवाही से मौत का कारण बनना), धारा 337 (किसी के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कार्य से चोट पहुंचाना) या धारा 338 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालकर गंभीर चोट पहुंचाना) के तहत दोषी को दंडित किया जा सकता है। इनमें 10 वर्ष तक की सजा हो सकती है। जाहिर है, कानून के पालन में चूक हुई है। पुलिस अधिकारियों को नए कानूनों की जानकारी के लिए प्रशिक्षण देना अनिवार्य है। उनमें यह समझ भी विकसित करनी होगी कि किस अपराध में किस धारा के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए? यदि पुलिस-प्रशासन रसूखदारों की परवाह किए बिना, आम आदमी के हित में कानून का पालन करेंगे, तो देश बहुत हद तक अपराध से मुक्त हो सकता है। इसी तरह, ड्राइविंग लाइसेंस को जारी करने की प्रक्रिया में भी सुधार जरूरी है। खास गाड़ियों के लिए सोच-विचारकर ड्राइविंग लाइसेंस जारी होना चाहिए। अच्छी बात है कि नाबालिगों के गाड़ी चलाने के मामले में उनके माता-पिता को गिरफ्तार कर सजा का प्रावधान किया गया है, जिसका कड़ाई से पालन जरूर किया जाना चाहिए। अपने देश में शराब पीकर गाड़ी चलाना, बिना नंबर प्लेट की गाड़ी चलाना या मोबाइल चलाते हुए गाड़ी चलाना आदि भी कानूनन अपराध हैं। असल में, अपने देश में कानून तो कई हैं, लेकिन उनका पालन सुनिश्चित नहीं हो पाता है। इसी अनदेखी की वजह से कानून की अवहेलना होती है और इसे लागू करने वाली एजेंसियां अथवा अधिकारीगण सुस्त जान पड़ते हैं। विडंबना यह है कि न्यायालय आदेश देने में तो तत्परता दिखाते हैं, लेकिन उस आदेश को लागू करवाने के मामले में उनके हाथ बंधे दिखते हैं।

आप का नजरिया

हिमाचल के सियासी गुनाह

हम जिस तकदीर को सियासत को सौंप देते हैं, वही हमारे फैसलों के गुनाह में शरीक होती है। ऐसा नहीं कि जो नेता अपराजेय रहे, वही कद्दावर हो गए, कई बार हार कर भी मंजिलें कबूल करती हैं। हिमाचल अपने अस्तित्व से आज तक और वर्तमान से भविष्य तक जिस नेतृत्व को अंगीकार करता रहा या आइंदा देख रहा है, क्या वही सत्य है। कई झूठ भी जीत जाते हैं हमारी रजामंदी से, हमें तो अपनी राख होना भी इज्जत देता रहा। ऐसा भी नहीं कि प्रदेश में सियासत ने ही हमेशा धोखा दिया, बल्कि कई बार समाज की हसरतों ने कत्ल किए हैं। मंडी के ठाकुर कर्म सिंह के नाम से इस राज्य की तासीर बदल जाती, गर उस दौर की सूझबूझ में हुक्मरान चुनने की बगावत होती। यह ठीक है कि वाईएस परमार हिमाचल के निर्माता के रूप में ऐसी शोहरत के पात्र हैं जो सदियों बाद भी इस राज्य की आत्मा में निवास करेगी, लेकिन यह भी सत्य है कि हिमाचल के बाद के विस्तार में उनकी भूमिका का कोई सूर्य नहीं। जिस हिमाचल को आज हम देखते हैं या जिस राजधानी शिमला में प्रदेश की बहुआयामी तस्वीर देखते हैं, वह हिस्सा कभी पंजाब से निकल कर हिमाचल में पहाड़ी दिल खोजता रहा। आज भी हिमाचल में तफतीश यही है कि इसका पहाड़ी दिल है कहां। क्या पहाड़ी नेताओं की बदौलत पंजाब के पहाड़ी क्षेत्र हिमाचल में मिले या उन्होंने पंजाबी सूबा बनाने के लिए हिमाचल का सियासी कोष बढ़ा दिया। हिमाचल पहले जिन बिस्वों व बीघों में पैमाइश करता था, वह अगर कनाल या हेक्टेयर में खुद को मापने लगा, तो उस भौगोलिक दौलत में सियासत ने खुद को कमजोर, खुदगर्ज और स्कीर्णता के स्वार्थों में पिरो लिया। युद्ध तो तब वाई एस परमार को भी लडना पड़ा, इसलिए जिलों की कांट छांट में इस सरहद पर आकर कुछ गिल्लियां उड़ाई गईं। तब राजनीति ने शिमला के मुकाम पर कांगड़ा की दूरी ही नहीं बढ़ाई, बल्कि मैदान के बालू को भी अलग-अलग तश्तरियों में बांट दिया। यही बालू अब हमीरपुर के नेतृत्व में सरकारों के बदन में कांगड़ा को डराता है। कभी धूमल सरकार ने डराए, तो अभी सुक्खू सरकार ने हाशिए की ओर सरका कर, लेकिन सत्य यह भी है कि वर्तमान सरकार के खिलाफ हुई राज्यसभा की वोटिंग का उफान उन्हीं क्षेत्रों में उठा, जिन्होंने कभी पंजाब से छिटक कर हिमाचल की ओर कदम बढ़ाए थे। अगर गिनती कर सकते हैं तो कर लें कि लाहुल-स्पीति, हमीरपुर व ऊना से अपनी ही सरकार के विरोध में पुराना कांगड़ा क्यों आजाद हुआ। हम यह तो नहीं कहते कि लोकसभा चुनाव में विपक्ष को जिता कर बागी विधायकों को साधुवाद दिया जाए, लेकिन जनता की अदालत में उसी का जनादेश आज कसूरवार जरूर हुआ। ऐसा क्यों है कि पंजाब से हिमाचल में 'आन मिलो' कहते हुए अधिकांश नेता शहीद हो रहे हैं। क्यों मेजर विजय सिंह मनकोटिया, राजन सुशांत, किशन कपूर, विपिन सिंह परमार, रमेश धवाला व वीरेंद्र कंवर सरीखे नेताओं को परिदृश्य से हटाने से राजनीति ने विक्ट्री का चिन्ह बनाया। निचले हिमाचल या यूं कहें कि पंजाब से हिमाचल में जुड़े पर्वतीय क्षेत्रों से जब भी कोई मुख्यमंत्री बना, कुछ नेताओं के जनाजे उठाने का घटनाक्रम भी चला।

वैश्विक रुख और कंपनियों के तिमाही परिणाम तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

कच्चे तेल के दाम और रुपए के उतार-चढ़ाव पर भी निवेशकों की नजर रहेगी

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां) ।
चुनाव और तिमाही परिणामों का सीजन अब समाप्ति की ओर है, ऐसे में इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में कुछ मजबूती देखने को मिल सकती है। हालांकि, इसके साथ ही बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव भी देखने को मिलेगा। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी। पिछले सप्ताह बाजार में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली थी। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये के उतार-चढ़ाव पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों का निपटान है। इससे भी बाजार में उतार-चढ़ाव आ सकता है। बाजार के जानकारों ने कहा कि चौथी तिमाही के नतीजे अब समाप्ति की ओर हैं। इस सप्ताह टाटा स्टील सहित कई कंपनियां अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। कंपनियों के बेहतर नतीजों से बाजार की रफ्तार को कायम रखने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा चार जून को होगी। चुनावी नतीजों से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रवाह को बल मिल सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर जापान और अमेरिका के आगामी आर्थिक आंकड़ों के साथ-साथ वैश्विक मुद्रा बाजार में हलचल भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगी। इस सप्ताह बाजार की नजर आम चुनाव, वैश्विक रुझान और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी। सप्ताह के दौरान एलआईसी, एनएमडीसी, आईआरसीटीसी और एमएमटीसी अपने मार्च तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी। कुल मिलाकर बाजार के जानकारों को उम्मीद है कि बाजार में धीरे-धीरे तेजी आएगी। मार्च तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े जारी किए जाएंगे। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,404.45 अंक के लाभ में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 455.1 अंक चढ़ गया। सेंसेक्स 75,636.50 अंक के अपने दिन में कारोबार के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा। निफ्टी ने उसी दिन पहली बार 23,000 अंक का आंकड़ा पार किया। दिन में कारोबार के दौरान यह 23,026.40 के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर तक गया।

न्यूज ब्रीफ

देश के कई राज्यों में बढ़े पेट्रोल-डीजल के भाव, ब्रेंट क्रूड 82.12 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 77.72 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 82.12 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। महाराष्ट्र में पेट्रोल और डीजल 28 पैसे महंगा हो गया है। पंजाब में पेट्रोल 21 पैसे और डीजल 24 पैसे महंगा हो गया है। इसके अलावा राजस्थान, झारखण्ड और हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 23 और डीजल 27 पैसे सस्ता हो गया है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत में 54 पैसे और डीजल में 51 पैसे की गिरावट है। कर्नाटक, केरल, तेलंगाना और ओडिशा में भी पेट्रोल की कीमत में हल्की गिरावट है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.88 रुपये और डीजल 92.47 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.66 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 94.65 रुपये और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.66 रुपये और डीजल 87.78 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.70 रुपये और डीजल 92.53 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

इस सप्ताह 24 भारतीय स्टार्टअप्स ने 444 मिलियन डॉलर जुटाए

नई दिल्ली। लगभग 24 भारतीय स्टार्टअप्स ने इस सप्ताह लगभग 444 मिलियन डॉलर जुटाए। इंट्राकर की रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआती चरण के दो स्टार्टअप ने जुटाई गई राशि का खुलासा नहीं किया। पिछले सप्ताह, लगभग 26 स्टार्टअप ने सामूहिक रूप से लगभग 240 मिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल की थी। विकास-चरण सौदों के बीच, सात स्टार्टअप्स ने इस सप्ताह लगभग 394.21 मिलियन डॉलर का फंड हासिल किया। ई-कॉमर्स प्रमुख फ्लिपकार्ट ने सबसे अधिक गूगल से 350 मिलियन डॉलर प्राप्त किया। इसके बाद वित्तीय सेवा मंच नवी ने 18 मिलियन डॉलर का कर्ज हासिल किया । अन्य स्टार्टअप जैसे आवास प्रदाता स्टैन्ज़ा लिविंग, ग्रामीण वित्तीय सेवा फर्म सेव सॉल्यूशन, और सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित केजीएफएस ने भी सप्ताह के दौरान धन जुटाया। इसके अलावा, 14 शुरुआती चरण के स्टार्टअप ने 49.6 मिलियन डॉलर जुटाए। एसएएएस (सॉफ्टवेयर-ए-ए-सर्विस) स्टार्टअप यूनिफाईऐप्स इस सूची में सबसे ऊपर है। इसके बाद सौर ऊर्जा प्लेटफॉर्म सोलियोज सोलर एनर्जी, एनबीएफसीवर्थाना और उच्च गुणवत्ता वाले सिंगल-वॉल कार्बन नैनोट्यूब के निर्माता एनओपीओ नैनोटेक्नोलॉजीज हैं। प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप की सूची में – कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क, 8चिली, एग्रीइलेक्ट्रिक, फिक्स माई कर्ल्स और इनफिनक्स भी शामिल हैं। इन्होंने जुटाई गई राशि का खुलासा नहीं किया। शहर-वार, बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप 14 सौदों के साथ आगे रहे। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, हैदराबाद, अहमदाबाद, लुधियाना और चेन्नई का स्थान रहा।

गो फर्स्ट को बड़ा झटका! दिवालिया एयरलाइन को खरीदने से पीछे हटे ईजीट्रिप के मालिक

नई दिल्ली। ईजीट्रिप दिवालिया हो चुकी एयरलाइन गो फर्स्ट को खरीदने की दौड़ से पीछे हट गई है। कंपनी के फाउंडर निशांत पिट्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट लिखकर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कंपनी अब अपने मुख्य बिजनेस को अधिक मजूबत बनाने पर फोकस कर रही है। पिट्टी ने कहा, हम अपना फोकस मुख्य क्षेत्रों पर फोकस बढ़ाने के लिए करेंगे। इसलिए हमने गोएयर की बोली से हटने का फैसला किया है। हमारा प्लान अपनी एक्सपर्टाइज और रिसोर्सेज का इस्तेमाल करके टिकाऊ ग्रोथ और कामयाबी हासिल करना है। इससे पहले रिपोर्ट आई थी कि ईजीमायट्रिप के सीईओ निशांत पिट्टी ने गोफर्स्ट एयरलाइन खरीदने के लिए स्पाइसजेट के चेयरमैन और एमडी अजय सिंह से हाथ मिलाया है। पिट्टी ने अपनी दूसरी कंपनी बिजी बी एयरवेज के जरिए अजय सिंह के साथ मिलकर संयुक्त बोली लगाई थी। स्पाइसजेट के सीएमडी अजय सिंह का मानना था कि दिवालिया हो चुकी गो फर्स्ट में अपार संभावनाएं हैं और यह स्पाइसजेट के साथ मिलकर भारतीय एविएशन सेक्टर पर राज कर सकती है। इससे दोनों एयरलाइंस को फायदा होगा। अजय सिंह के मुताबिक, गो फर्स्ट के पास डोमेस्टिक और इंटरनेशनल एयरपोर्ट अहम स्लॉट हैं। उसके पास इंटरनेशनल ट्रैफिक राइट्स हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सड़क हादसों में ...

चिंता की बात यह है कि सड़क हादसे में पीड़ित को आर्थिक मदद मिलने में औसतन 4 साल का समय लगता है। इरडा की जानकारी के मुताबिक, 2022-23 में मोटर हादसों के 10,39,323 नए मामले सामने आए, मगर इसमें से सिर्फ 29 फीसदी मामलों में ही सेटलमेंट किया गया। इन दावों को पूरा करने में भी लगभग 4 साल का वक्त लगाया गया। जैन ने सड़क हादसों के पीड़ितों को देर से मिलने वाली आर्थिक मदद और फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सिविल रिट पिटीशन दाखिल कर दी है। इसमें सुझाव के तौर पर कहा गया है कि गंभीर मामलों में 5 लाख और घायल होने पर 2.50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए।

4 जून को...

उनकी तीसरी जनसभा देवरिया के शिवपुर में बांसगांव लोकसभा सीट और देवरिया लोकसभा सीट के लिए हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने इन रैलियों में विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने समाजवादी पार्टी और माफिया मुख्तार अंसारी के सम्बन्धों पर कटाक्ष करते हुए कहा, जो पहले माफियाओं को संरक्षण देते थे, वे माफिया की मौत पर आंसू बहा रहे हैं। पीएम मोदी ने पूर्वांचल की दुर्दशा के लिए पूर्ववर्ती सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पहले पूर्वांचल में माफिया पैदा होते थे, उनको सपा और कांग्रेस के लोग संरक्षण देते थे। लेकिन अब पिछले 10 सालों से यही पूर्वांचल देश का प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री चुन रहा है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि आने वाले 1 जून को एनडीए और भाजपा प्रत्याशी को अपना वोट देकर देश का पीएम चुनने में सहयोग दें।

पीएम मोदी ने कहा कि एक जून को मतदान से पहले ही पूर्वांचल अपना मन बना चुका है कि भाजपा को ही जिताना है, गरीब बेटे को ताकत देनी है। जो आपकी सेवा में दिन-रात एक कर लगा हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार पक्का घर बनाने के साथ पक्की गली बना रही है। लोगों का आशीर्वाद अब मोदी के साथ है। पीएम मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन और सपा के लोग पूर्वांचल को पिछड़ा बनाए रखने की साजिश रच रहे हैं। सपा की सरकार में जमीन पर कब्जा किया गया, दंगाइयों को ताकत दी गई। वही लोग अब माफिया की मौत पर आंसू बहा रहे हैं। ऐसे गठबंधन से लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। यह लोग सभी जातियों को आपस में लड़ा रहे हैं और मुद्दों से भटकने का प्रयास कर रहे हैं। इंडी गठबंधन संविधान बदलने की फिराक में लगा है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के लोग भारत में धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कोशिश में लगे हुए हैं। यह सभी लोग एससी-एसटी और ओबीसी के आरक्षण को समाप्त करना चाहते हैं। पूरा आरक्षण धर्म के आधार पर मुसलमान को देने की कोशिश हो रहे हैं। बहुसंख्यक समाज को दोयम दर्जे का नागरिक बनाने का षड्यंत्र रचा जा रहा है।पीएम ने कहा कि 2012 में सपा ने अपने घोषणा पत्र में बाबा साहब के संविधान को बदलने का भी जिक्र किया था। स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय को अल्पसंख्यक संस्थान बनाने की कांग्रेस साजिश रच रही है। कोलकाता हाईकोर्ट में 77 ओबीसी जातियों का आरक्षण अभी खारिज किया है। भाजपा धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देगी। बाबा साहब की सोच को लेकर भाजपा और एनडीए संकल्पित होकर काम कर रहा है। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि आज पूरी दुनिया से लोग अयोध्या प्रभु राम के दर्शन के लिए आ रहे हैं। लेकिन प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण मिलने के बाद भी सपा और कांग्रेस के लोग अभी तक राम मंदिर नहीं गए हैं। 500 साल बाद सभ्यता आस्था का एक नया पल आया है, लेकिन मंदिर निर्माण के बाद भी ऐसे लोग गाली दे रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि एक साजिश रची जा रही है कि शाहबानो केस की तरह सर्वोच्च अदालत का फैसला पलटा जाएगा, लेकिन मोदी इनकी पोल खोल रहा है और वह लोग मोदी की कब्र खोदने में लगे हुए हैं। पीएम मोदी ने मंच से कहा कि वोट जिहाद का फतवा जारी हो रहा है, लेकिन देश की माताओं-बहनों, नौजवानों, बुजुर्ग सभी का आशीर्वाद उनके साथ है और कोई मोदी का कुछ नहीं कर सकता।

पीएम ने कहा कि यह वही पावन भूमि है, जहां से उज्ज्वला योजना का शुभारंभ हुआ था। कोई भूखा न रहे इसलिए इस योजना की शुरुआत की गई। पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है। शौचालय, बिजली, गैस, नल मिला है। मोदी हर परिवार का अब बिजली बिल शून्य करने में लगा हुआ है। हर घर में बिजली बनेगी और हर परिवार उससे कमाई भी करेगा। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना चालू है। हर घर पर सोलर पैनल लगेगा। 75 हजार की मदद सरकार करेगी। पीएम मोदी ने कहा कि 4 जून को बड़ा मंगल है, यह विकसित भारत का मंगल होगा। एनडीए को जिताना है। अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से दोनों हाथ उठाकर संकल्प दिलाया कि गांव में जो भी देवस्थान या तीर्थ स्थल क्षेत्र होगा, मोदी की तरफ से सभी लोग वहां जाकर माथा टेकेंगे और परमात्मा से आशीर्वाद लेंगे कि विकसित भारत के संकल्प को लेकर यह सरकार काम कर रही है, उसमें सभी का आशीर्वाद मिले।

पहले जनता कांपती...

अब बताइए जब प्रधानमंत्री अपनी कुर्सी बचाने में लगा रहेगा तो देश का विकास क्या करेगा? पीएम ने कहा, समाजवादी पार्टी को वोट देकर कोई अपना वोट बर्बाद मत करना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यूपी के लोग राजनीति समझने में बड़े माहिर हैं। जो डूब रहे हैं उन्हें कोई वोट देगा क्या? सामान्य नागरिक वोट उसी को डालेगा जिसकी सरकार बननी तय है। इंडी गठबंधन वालों को देश अच्छी तरह जान गया है कि ये लोग घोर सांप्रदायिक, घोर जातिवादी, घोर परिवारवादी हैं। देश ने बम धमाके झेले हैं। आतंकवाद में सैकड़ों जीवन खत्म हुए हैं। मिर्जापुर को इन लोगों ने बदनाम करके रखा है। यूपी को माफियाओं का ठिकाना बना कर रखा था। योगी सरकार स्वच्छता अभियान बड़ी सफाई से चला रही है। भाजपा सरकार में माफिया थर थर कांप रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, इंडी गठबंधन वाले कोई भी हद पार कर सकते हैं। अब देश का संविधान भी इनके निशाने पर है। दलित आदिवासियों का हक लूटना चाहते हैं। 2012 में यूपी विधानसभा चुनाव के समय जनवरी माह में अपने घोषणा पत्र में कहा था, जैसे दलितों आदिवासियों को आरक्षण मिला है उसी तरीके से मुसलमानों को आरक्षण देंगे। 2014 के लोकसभा चुनाव में सपा ने अपना घोषणा पत्र जारी किया। सपा ने मुसलमानों को आरक्षण देने का वादा किया। पुलिस पीएससी में 15 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया। पिछड़ों ने कैसी जिंदगी जी है, वह हमें मालूम है। इंडी वाले पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों का हक पिछले दरवाजे से मुसलमानों को आरक्षण देने का काम करते रहे हैं।

वोट बैंक के लिए ...

वो मैदान से बाहर जाकर गिरता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वो दिन दूर नहीं जब यूपी में भी ब्रह्मोस मिसाइल बना करेगी और ब्रह्मोस मिसाइल ऐसी है, जिसका खौफ दूर-दूर तक है। दुनिया के कई देशों में ब्रह्मोस मिसाइल की मांग रही है, लेकिन कांग्रेस ने उनके सामने भी रोड़े अटकाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ ताकतें ऐसी भी हैं जिन्हें भारत की प्रगति से पेट में दर्द होने लगता है। इंडी गठबंधन के लोग 4 जून को लेकर अलग ही सपने देख रहे हैं। सपा-कांग्रेस वाले वोट जेहाद की अपील कर रहे हैं। इनका मुद्दा देश का विकास नहीं है। ये तो भारत को कई दशक पीछे लेकर जाने चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि समाजवादी पार्टी का वो जंगलराज जिसमें बहन-बेटियों का घर से निकलना मुश्किल था। सरकार की जमीन पर भी माफियाओं ने महल बना ली थीं। लेकिन जब से योगी आदित्यनाथ आए हैं, माहौल ही बदल गया, मौसम भी बदल गया। हमारे योगी जी तो अच्छे-अच्छों की गर्मी उतारने में एक्सपर्ट हैं।

पांच साल के...

कि एक धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म के आधार पर कानून नहीं होने चाहिए। समान नागरिक संहिता होनी चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, भाजपा ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करके एक प्रयोग किया है, क्योंकि यह राज्यों और केंद्र दोनों का विषय है। समान नागरिक संहिता हमारे एजेंडे में साल 1950 से ही है और हाल ही में भाजपा शासित राज्य उत्तराखंड में इसे लागू भी कर दिया गया है। अमित शाह ने कहा, मुझे लगता है कि समान नागरिक संहिता एक बड़ा सामाजिक, कानूनी और धार्मिक सुधार होगा। उत्तराखंड सरकार द्वारा बनाए कानून की भी सामाजिक और कानूनी जांच भी होनी चाहिए और धार्मिक नेताओं से भी सलाह ली जानी चाहिए।

अमित शाह ने कहा, मेरा मतलब है कि इस मुद्दे पर व्यापक बहस होनी चाहिए और अगर कुछ भी बदलाव की जरूरत महसूस होती है तो उत्तराखंड सरकार को वह बदलाव करना चाहिए। यह मामला कोर्ट में भी जरूर जाएगा और न्यायपालिका भी इस पर अपना विचार देगी। इसके बाद राज्य विधानसभाओं और संसद को भी इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और कानून को लागू करना चाहिए। यही वजह है कि हमने अपने संकल्प पत्र में भी लिखा है कि भाजपा पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू करेगी। क्या देश में अगले पांच वर्षों में समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी? इसके जवाब में अमित शाह ने कहा, यह अगले कार्यकाल में हो सकता है। पांच साल इसके लिए पर्याप्त समय है।

एक देश एक चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर अमित शाह ने कहा, पीएम मोदी ने रामनाथ कोविंद समिति का गठन किया था। मैं भी उसका सदस्य था। यह रिपोर्ट जमा कर दी गई है और अब समय भी आ गया है, जब देश में चुनाव एक साथ कराए जाएं। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में ही इसे लागू करने की कोशिश की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा एक साथ चुनाव कराने से चुनाव की लागत भी कम होगी। इन आम चुनाव में मतदाता भीषण गर्मी से परेशान हैं और इसका असर मतदान प्रतिशत पर भी पड़ा है। ऐसे में क्या चुनाव गर्मी के बजाय सर्दियों के मौसम में कराए जा सकते हैं? इसके जवाब में शाह ने कहा कि हम इस पर विचार कर सकते हैं। ऐसा हो सकता है। अभी स्कूली छात्रों की छुट्टियां चल रही हैं, जिसके चलते काफी परेशानी होती है। समय के साथ चुनाव होते होते गर्मियों के मौसम में होने लगे हैं।

मैतई-कुकी में ...

हिंसा दो समुदायों के बीच विचार-विमर्श और विश्वास की कमी के कारण हुई है। शाह ने कहा कि हमें दोनों समुदायों के बीच भरोसे को बहाल करना है। इसमें समय लगता है। हम इस पर तेजी से काम कर रहे थे लेकिन तभी चुनाव आ गया। इसके कारण देरी हुई है। दोनों समुदायों के नेता अपने-अपने समुदाय के हितों या अपने स्वयं के राजनीतिक मुद्दों के बारे में बात करते हैं। लेकिन मतगणना के बाद सरकार इस पर बहुत प्राथमिकता के साथ काम करेगी। मुझे विश्वास है कि भविष्य में कोई हिंसा नहीं होगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य में मैतेई समुदाय के लोगों की संख्या करीब 60 प्रतिशत है। ये समुदाय इंफाल घाटी और उसके आसपास के इलाकों में बसा हुआ है। समुदाय का कहना रहा है कि राज्य में म्यांमार और बांग्लादेश के अवैध घुसपैठियों की वजह से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, मौजूदा कानून के तहत उन्हें राज्य के पहाड़ी इलाकों में बसने की इजाजत नहीं है। यही वजह है कि मैतेई समुदाय ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर उन्हें जनजातीय वर्ग में शामिल करने की गुहार लगाई थी। अदालत में याचिकाकर्ता ने कहा कि 1949 में मणिपुर की रियासत के भारत संघ में विलय से पहले मैतेई समुदाय को एक जनजाति के रूप में मान्यता थी। इसी याचिका पर बीती 19 अप्रैल को हाईकोर्ट ने अपना फैसले सुनाया। इसमें कहा गया कि सरकार को मैतेई समुदाय को जनजातीय वर्ग में शामिल करने पर विचार करना चाहिए। साथ ही हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को इसके लिए चार हफ्ते का समय दिया। अब इसी फैसले के विरोध में मणिपुर में हिंसा हो रही है।

घोटाले की...

अब तक छह चरणों के चुनाव हो चुके हैं। इसी बीच बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव तेलंगाना में धान की बिक्री और बढ़िया चावल की खरीद से संबंधित कांग्रेस सरकार से जुड़े 1,100 करोड़ रुपए से अधिक के घोटाले की जांच की मांग की।

रविवार को नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केटीआर ने कहा कि पहला घोटाला 35 लाख टन धान की बिक्री के लिए निविदाओं से जुड़ा था, वहीं दूसरा घोटाला आवासीय कल्याण छात्रावासों के लिए 2.2 लाख टन बढ़िया चावल की खरीद में हुआ है। उन्होंने बताया कि 25 जनवरी के एक ही दिन समिति गठित हुई, इसी दिन दिशा-निर्देश जारी हुए, इसी दिन निविदाएं आमंत्रित हुईं और एक ही दिन में खरीद-बिक्री भी हो गई। यह स्पष्ट रूप से भीषण भ्रष्टाचार है।

केटीआर ने यह भी बताया कि स्थानीय चावल मिल मालिकों ने 2,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदने का विकल्प दिया था। लेकिन पात्रता नियमों में बदलाव किया गया और वैश्विक निविदाओं के नाम पर केंद्रीय भंडार एलजी इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान कंपनी और नकाफ जैसी कंपनियों ने 1885 रुपए से 2005 रुपए प्रति क्विंटल के बीच की कीमत पर ये निविदाएं हासिल कर लीं। केटीआर ने विभिन्न कल्याण छात्रावासों में पढ़ने वाले गरीब छात्रों के लिए 2.2 लाख टन बढ़िया चावल की खरीद में 300 करोड़ रुपए के घोटाले पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संदेह है कि इतना बड़ा घोटाला केंद्र सरकार के साथ-साथ भारतीय खाद्य निगम और केंद्रीय जांच एजेंसी के नजर से कैसे बच गया। उन्होंने मांग उठाई कि अगर रेवंत रेड्डी ईमानदार हैं तो वे इन संदेहास्पद निविदाओं की एक मौजूदा न्यायाधीश द्वारा जांच करवाएं। केटीआर ने यह भी कहा कि अगर केंद्र सरकार, एफसीआई और राज्य सरकार जवाब नहीं देगी तो वे अपनी तरफ से अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। बीआरएस नेता ने इस बात पर भी आश्चर्य जाहिर किया कि 15 दिन पहले घोटाले का पर्दाफाश करने के बावजूद न तो मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कुछ कहा और न ही नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने इस पर कोई प्रतिक्रिया दी।

केटीआर ने राज्य सरकार से मांग की है कि सरकार तुरंत टेंडर रद्द करे। साथ ही इसमें शामिल कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करे। इसके साथ ही उन्होंने घोटाले की प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय जांच ब्यूरो और सतर्कता विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों से जांच कराने की मांग की।

केरल को ...

हाल ही में केरल के वित्त मंत्री केएन बालागोपाल ने इस बात पर चिंता जताई थी कि केंद्र सरकार दक्षिणी राज्यों के फंड में कटौती कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा इकट्ठा किए जाने वाले फंड में 11 गुना की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन इस दौरान केरल को मिलने वाला टैक्स सिर्फ 8.8 गुना ही है, जिसका मतलब ये है कि इसमें भारी कटौती हुई है। यही वजह है कि केरल, पंजाब, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल इस मुद्दे को उठा रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा फंड की कमी की वजह से ही सामाजिक योजनाओं के लिए खर्च करने में दिक्कत हो रही है। केंद्र सरकार की तरफ से फंड जारी करने में देरी हो रही है।

वामपंथी सरकार ...

पिछले वित्तीय वर्ष में तय सीमा से अधिक कर्ज लेने के बाद भी केरल सरकार केंद्र से और अधिक कर्ज मांग रही थी। नए वित्तीय वर्ष में भी ऐसा ही हाल है।

नए वित्तीय वर्ष शुरू हुए अभी दो माह ही बीते हैं कि केंद्र सरकार से कर्ज नहीं मिलने पर वामपंथी सरकार बिलबिला उठी है। केरल कौमुदी की रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक केरल सरकार ने दो-दो बार कर्ज के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिख दिया है। बताया जाता है कि अगर केंद्र सरकार से समय पर केरल को कर्ज नहीं मिला तो जून माह का वेतन और पेंशन देने के लिए उसके पास पैसे नहीं हैं।

पता चला है कि प्रदेश के वित्त सचिव रवीन्द्र कुमार अग्रवाल कर्ज के लिए केंद्र सरकार को मनाने के लिए इस वक्त दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। केरल में 16000 से अधिक कर्मचारी इस माह रिटायर होने जा रहे हैं। ऐसे में उन्हें उनका लाभ दिया जाना है। दावा यह किया जा रहा है कि आम तौर पर केंद्र सरकार अप्रैल में कर्ज की उपलब्धता को लेकर राज्य को सूचित कर देता था। लेकिन इस बार अभी तक ऐसा नहीं हो सका है। केंद्र सरकार ने अस्थायी अनुमति देने पर भी अभी तक विचार नहीं किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, केरल को अपने कर्मचारियों को वेतन, पेंशन और रोजमर्रा के खर्च के लिए इस माह कम से कम 5000 करोड़ रुपए कर्ज की आवश्यकता है।

जल्दी ही...

जैसे सारी गलती स्वाति मालीवाल की है। यह सब उन्होंने राजनीतिक षड्यंत्र के तहत किया और कहा कि इसमें भाजपा का हाथ है। वैसे भी आपा नेताओं की आदत रही है, चाहे पार्टी में असंतोष के उठने वाले स्वर हों, प्रशासनिक विफलता, अपराध और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर घिरने पर भाजपा को ही कोसते रहे हैं। स्वाति के विरुद्ध विभव कुमार ने जो प्राथमिकी दर्ज कराई है, उसके अनुसार वह बिना पूर्व सूचना के मुख्यमंत्री आवास आई, जब सुरक्षाकर्मियों ने रोका तो स्वाति ने धमकाते हुए कहा कि मेरा अपॉइंटमेंट है।

स्वाति मालीवाल प्रकरण ने आपा का महिला विरोधी ही नहीं, बल्कि संवेदनहीन, निष्ठुर और विकृत चरित्र को भी उजागर किया है। साथ ही, कांग्रेस नेतृत्व वाला इंडी गठबंधन, जिसमें आपा सहयोगी है, की चुप्पी भी बहुत कुछ कहती है। लड़की हूं, लड़ सकती हूं, का नारा देने वाली प्रियंका वाड्रा का सिर्फ बयान देकर स्वाति मालीवाल का समर्थन करना औपचारिकता से अधिक कुछ नहीं है। मणिपुर, प्रज्वल रेवन्ना प्रकरण आपा और इंडी गठबंधन के नेताओं को शर्मसार करता है, लेकिन अपनी ही पार्टी की नेता के साथ मुख्यमंत्री आवास पर जो हुआ, वह उन्हें षड्यंत्र लगता है। इसी तरह, पश्चिम बंगाल में संदेशखाली पर भी इनकी चुप्पी हैरान करती है। आपा और इंडी गठबंधन के लिए महिला या पुरुष की गरिमा भी उनकी अपनी राजनीति के हिसाब से तय होती है।

भाजपा ने जब इस मामले को उठाया तो, उन्हें आपत्ति है। आपत्ति क्यों? क्या भाजपा को भी अन्य दलों की तरह चुप्पी साध लेनी चाहिए थी? क्या ऐसी घटनाओं पर राजनीतिक दल को अपना रुख स्पष्ट नहीं करना चाहिए? ऐसी ही घटना भाजपा के किसी नेता या मंत्री के घर होती तो आपा और इंडी गठबंधन में शामिल दलों का क्या रवैया होता? खान मार्केट गिरोह के एजेंडाधारी पत्रकार और एक्टिविस्ट क्या चुप रहते? दरअसल, आपा नेताओं के व्यवहार से यह स्पष्ट हो चुका है कि उनके लिए मानवीय मूल्यों, गरिमा, नैतिकता, आदर्श आचरण और कथनी-करनी में अंतर है। वे अपनी सहूलियत से इन सब विषयों की परिभाषा गढ़ते हैं तथा सही-गलत का भेद भी अपनी सुविधानुसार ही तय करते हैं। अभी तक किसी नेता ने महिला सम्मान पर कुछ नहीं कहा है। आपा की आंतरिक संस्कृति और नारी विरोधी रचना का इससे बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है? महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा देकर केजरीवाल अगर यह सोचते हैं कि महिलाएं हर जगह उनके साथ खड़ी होंगी, तो स्वाति मालीवाल की घटना के साथ इसके अंत का आधार बन सकता है।

इस पूरे प्रकरण का एक बड़ा पहलू भी है। जिस पार्टी की नींव भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन पर पड़ी, केजरीवाल और उनके साथी राजनीतिक शुचिता, महिला सुरक्षा पर बोलते नहीं थकते थे, आज महिला सम्मान और उसकी सुरक्षा को लेकर कठघरे में हैं, भ्रष्टाचार के कीचड़ में धंसे दिखते हैं। उनके दोहरे चरित्र उजागर हो चुके हैं। शराब घोटाले में केवल स्वाति मालीवाल नहीं, पार्टी के कई नेताओं ने वैसी आक्रामकता नहीं दिखाई, जिसकी उनसे अपेक्षा थी। पार्टी को उम्मीद थी कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद वह बड़ा आंदोलन खड़ा कर सकेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि शराब घोटाले में एक-एक कर जो तथ्य सामने आए, उससे पार्टी में नीचे से ऊपर तक यह धारणा बनी है कि भ्रष्टाचार तो हुआ ही है। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी के. कविता की गिरफ्तारी से यह धारणा और पुष्ट हुई कि आपा नेताओं की गिरफ्तारी निराधार नहीं हो सकता। इसलिए पार्टी नेताओं और विधायकों को लगने लगा कि भ्रष्टाचार हुआ है, इसलिए उनके सामने विरोध का कोई नैतिक आधार नहीं है। इसलिए पार्टी में पहले जैसी आक्रामकता नहीं दिखती।

यह पहला अवसर नहीं है, जब आपा का महिला विरोधी चेहरा सामने आया है। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण कहती हैं कि आपा के इकलौते नेता अरविंद केजरीवाल महिलाओं के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में एक भी महिला को टिकट नहीं दिया है। आपा की एक पूर्व महिला नेता के बयान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि महिला हो या पुरुष कार्यकर्ता, सभी को बाउंसर या पीए से पिटवाकर, जलील कर निकाला जाता है। यही आपा का चरित्र है। आपा विधायक शरद चौहान पार्टी की महिला कार्यकर्ता सोनी मिश्रा की संदेहास्पद आत्महत्या के मामले में आरोपी हैं। उन पर 2016 में सोनी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। जिस सोमनाथ भारती पर गर्भवती पत्नी के पेट पर मारने और उसे कुत्ते से कटवाने का आरोप लगा, उसे आपा ने लोकसभा का टिकट दिया है। सोमनाथ के लिए गांधी-नेहरू परिवार भी वोट मांग रहा है। 2016 में ओखला के विधायक अमानतुल्लाह खां पर यौन उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज हुआ था।

2016 में आपा की एक पूर्व संयोजक और फिरोजपुर की महिला नेता ने पार्टी नेताओं पर पंजाब की 52 महिला कार्यकर्ताओं से यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इसकी शिकायत हाईकमान से की तो नेतृत्व मामले को दबाने में जुट गया। महिला की फोटो भी सोशल मीडिया पर लीक करा दी। दिल्ली के तत्कालीन विधायक कर्नल देविंदर सहरावत ने संजय सिंह पर पंजाब विधानसभा चुनाव में टिकट का वादा कर महिलाओं का शोषण करने का आरोप लगाया था। उन्होंने केजरीवाल को चिट्ठी भी लिखी थी। तब संजय सिंह ने सहरावत पर मानहानि का मुकदमा दर्ज करने की धमकी दी थी। 2021 में पार्टी कार्यकर्ता हरदीप कौर ने मटियाला वार्ड के पार्षद रमेश मटियाला पर बदसलूकी और मारपीट के आरोप लगाए थे। जब वह दिल्ली के मटियाला में कोविड-19 परीक्षण शिविर लगा रही थी, तब रमेश ने दो महिला कार्यकर्ताओं से उसे पिटवाया। हरदीप ने द्वारका के बिंदापुर थाने में शिकायत भी दर्ज कराई थी।

सेक्स सीडी कांड में आपा के तत्कालीन विधायक और दिल्ली सरकार में मंत्री रहे संदीप कुमार को दिल्ली पुलिस ने बलात्कार, भ्रष्टाचार निरोधक कानून और आईटी एक्ट की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया था। आपा के सुनाम और बरनाला विधानसभा क्षेत्र के पर्यवेक्षक विजय चौहान पर उनके घर और कार्यालय में काम काम करने वाली महिला ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। संगरूर के लेहरागागा में पार्टी संयोजक हरदीप सिंह पर एक नाबालिग लड़की से बलात्कार की कोशिश मामला दर्ज हो चुका है। पीड़िता छोटी बहन के साथ फोटो खिंचवाने हरदीप के स्टूडियो में गई थी।

दूसरे, पार्टी नेताओं को लगने लगा है कि यदि केजरीवाल को सजा हो गई तो, पार्टी वैसे ही खत्म हो जाएगी। इसलिए वे अपना राजनीतिक भविष्य कहीं और तलाश रहे हैं। इसके अलावा, नेतृत्व के दागदार दामन और उनके व्यवहार से उन लोगों में भी आक्रोश है, जो आंदोलन के समय से साथ थे। कुल मिलाकर पार्टी कार्यकर्ताओं से लेकर नेताओं तक में भीतर-भीतर असंतोष पनप रहा है।

स्वाति मालीवाल ने अभी तक यह नहीं बताया है कि आखिर क्यों मुख्यमंत्री आवास पर उनके साथ मारपीट हुई? अलबत्ता मीडिया खबरों में केजरीवाल और वरिष्ठ कांग्रेस नेता व अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी के बीच हुए एक सौदे की चर्चा है। इसके मुताबिक, सिंघवी यदि केजरीवाल को भ्रष्टाचार मामले में बेदाग छुड़ा लेंगे तो आपा उन्हें राज्यसभा में पहुंचा देगी। इसीलिए पार्टी स्वाति पर राज्यसभा से त्यागपत्र देने का दबाव बना रही थी, जिसके लिए वह तैयार नहीं थी। यदि यह कारण है तो एकमात्र महिला सांसद पर ही यह दबाव क्यों बनाया गया? इससे भी महिलाओं के प्रति पार्टी नेतृत्व के दोहरे रवैये का प्रमाण मिलता है। हो सकता है स्वाति ने पार्टी के अंदर भ्रष्टाचार और अन्य मुद्दे उठाए हों, जो केजरीवाल व उनके साथियों को नागवार गुजरा हो। लेकिन ऐसा करने वाली अकेली स्वाति मालीवाल नहीं हो सकतीं।

बहरहाल, धीरे-धीरे पार्टी में विद्रोह और टूट की संभावनाएं साफ दिखने लगी हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को बताया है कि आपा ने चंदे के रूप में विदेश से 7 करोड़ रुपए से अधिक जुटाए हैं। इसमें विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता का उल्लंघन हुआ है। इसलिए ईडी ने सीबीआई से इसकी जांच कराने की सिफारिश की है। याद कीजिए, जब आपा बनी थी, तब भी उसके खाते में विदेशों से मोटी राशि आने की बात सामने आई थी, लेकिन दान किसने दिया, इसका पता नहीं चला था।

उदाहरण के लिए, जिसने पार्टी को 50 लाख रुपए का चंदा दिया, पत्रकार उसके दिए पते पर ढूंढ़ने गए तो वहां उस नाम का कोई व्यक्ति मिला ही नहीं। पूछने पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम कैसे पता करें कि हमें कौन पैसे दे रहा है। इसी तरह, आंदोलन के दौर को देखें तो भव्य मंच, म्यूजिक सिस्टम से लेकर भाड़े के हॉल में बार-बार प्रेस कॉन्फ्रेंस बिना भारी-भरकम राशि के संभव ही नहीं था। वैसे भी, आपा ने अपने पहले चुनाव में ही यह जता दिया था कि उसके पास पैसे की कमी नहीं है। उसका चुनाव प्रचार किसी भी बड़ी पार्टी से कमतर नहीं है। निश्चय ही इसके लिए धन के अलग-अलग स्रोत होंगे और उन्हीं में से एक स्रोत दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़ता दिखाई पड़ता है।भले ही स्वाति मालीवाल अभी पार्टी में कमजोर दिख रही हों, लेकिन आने वाले दिनों में पार्टी में असंतोष बढ़ना तय है। स्वाति के साथ जो हुआ, उसे पार्टी के अंदर या बाहर सक्रिय संवेदनशील महिलाएं सहन नहीं करेंगी।

शायद लोकसभा चुनाव के बाद या 2 जून को अरविंद केजरीवाल के फिर से जेल जाने के बाद विरोध और विद्रोह की कुछ और आवाज सुनाई दे। पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं के मन में यह प्रश्न उठ रहा है कि कल यदि किसी दूसरी पार्टी में या दूसरी सरकार में महिला के साथ कुछ हुआ तो वे किस मुंह से विरोध करेंगे? यदि विरोध किया तो स्वाति से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे तो क्या उत्तर देंगे? जब पार्टी में ऐसे प्रश्न पैदा होने लगें तो मान लीजिए कि नेतृत्व के प्रति असंतोष और विद्रोह बढ़ रहा है। तो क्या पार्टी के नेताओं के भ्रष्ट आचरण व व्यक्तिगत व्यवहार से पार्टी में असंतोष व विद्रोह की स्थिति बन गई है?

सिमरन ने जीता स्वर्ण, भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, कुल 17 पदक जीते

कोबे, 26 मई (एजेंसियां)।

दिल्ली की सिमरन शर्मा ने महिलाओं की 200 मीटर टी12 स्पर्धा में 24.95 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर भारत को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अंतिम दिन छठा स्वर्ण पदक दिलाया जिससे देश ने 17 पदक से तालिका में छठा स्थान हासिल किया। सिमरन का इससे पहले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 25.16 सेकंड था। डोमिनिका की डारलेनिस डि ला सेवेरिनो को रजत और लोरेन गोम्स डि एगुइयार को कांस्य पदक मिला। टी12 वर्ग में दृष्टिबाधित खिलाड़ी भाग लेते हैं। भारत के छह स्वर्ण, पांच रजत और छह कांस्य समेत 17 पदक रहे। यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले पेरिस में 2023 में भारत ने तीन स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य से 10 पदक जीते थे। चीन 87 पदक (33 स्वर्ण, 30 रजत, 24 कांस्य) से तालिका में शीर्ष पर रहा। ब्राजील (19 स्वर्ण, 12 रजत, 11 कांस्य) के साथ दूसरे, उज्बेकिस्तान (सात स्वर्ण, चार रजत, दो कांस्य) के साथ तीसरे, ब्रिटेन (सात स्वर्ण, दो रजत, तीन कांस्य) के साथ चौथे और अमेरिका (छह स्वर्ण, 13 रजत, पांच कांस्य) के साथ पांचवें स्थान पर रहा। भारत के लिए दीप्ति जीवानजी (महिला 400 टी20), सचिन खिलाड़ी (पुरुष शॉट पुट एफ46), सुमित अंतिल (पुरुष भाला फेंक एफ64), थांगवेलु मरियप्पन (पुरुष ऊंची कूद टी63) और एकता भयन (महिला क्लब थ्रो एफ51) स्वर्ण पदक जीतने वाले पांच स्वर्ण पदक विजेता रहे। दो भारतीयों ने कांस्य पदक जीते। प्रीति पाल ने महिला 100 मीटर टी35 वर्ग (समन्वय संबंधित विकृति) में कांस्य पदक जीता जो उनका चैम्पियनशिप में दूसरा पदक है। उन्होंने 19 मई को इसी स्पर्धा के 200 मीटर में कांस्य पदक जीता था। नवदीप सिंह ने पुरुष भाला फेंक एफ41 वर्ग (छोटे कद) में सत्र के सर्वश्रेष्ठ 42.82 मीटर के प्रयास से भारत को एक और कांस्य पदक दिलाया। इससे पहले भारत को पुरूषों की एफ46 भालाफेंक स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहे श्रीलंका के दिनेश प्रियंथा हेराथ के खिलाफ शिकायत सही साबित होने पर रजत और कांस्य पदक दिया गया है। पुरुषों के एफ46 भालाफेंक में भारत के रिंकू हुड्डा और अजीत सिंह तीसरे और चौथे स्थान पर रहे थे लेकिन भारत ने विरोध दर्ज किया था कि हेराथ इस वर्ग में भागीदारी के योग्य नहीं हैं। पैरा खेलों में समान शारीरिक अक्षमता वाले खिलाड़ियों को एक समूह में रखा जाता है ताकि प्रतिस्पर्धा बराबरी की हो। एफ46 वर्ग भुजा में कमी , कमजोर मांसपेशियों वाले या बाहों में गति की निष्क्रिय सीमा वाले एथलीटों के लिए है, जिसमें एथलीट खड़े होकर प्रतिस्पर्धा करते हैं। भारतीय पैरालम्पिक समिति के एक अधिकारी ने कहा– हेराथ एफ46 श्रेणी का था ही नहीं।

न्यूज ब्रीफ

भारत ने पहली बार 2007 में जीता था टी20 वर्ल्ड कप, प्रशंसकों को रोहित ब्रिगेड से है इतिहास दोहराने की उम्मीद

नई दिल्ली । भारत ने पहली और आखिरी बार 2007 में टी20 वर्ल्ड कप जीता था। इसके बाद से 7 टी20 वर्ल्ड कप खेले गए, लेकिन खिताब भारत से दूर ही रहा। भारतीय टीम जब रोहित शर्मा की अगुआई में आगामी टी20 विश्व कप के लिए अमेरिका और वेस्टइंडीज जाएगी तो उसकी नजरें दूसरे खिताब के लंबे इंतजार को खत्म करने पर टिकी होंगी। टी20 वर्ल्ड कप पहली बार 2007 में खेला गया, जब भारत एमएस धोनी की कप्तानी में चैंपियन बना। भारत इसके बाद सिर्फ एक बार 2014 में टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच पाया। तब उसे श्रीलंका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। खिताब का यह सूखा अन्य फॉर्मेट में भी दिखता है। भारत ने आखिरी बार आईसीसी ट्रॉफी 2013 में जीती थी। तब उसने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। भारत ने वनडे वर्ल्ड कप में पिछला खिताब 2011 में जीता था। भारतीय टीम इसके बाद एक बार वनडे वर्ल्ड कप और दो बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी हार चुकी है। एक अरब 40 करोड़ की जनसंख्या वाले क्रिकेट के दीवाने देश के क्रिकेट फैंस के लिए वर्ल्ड कप 2023 की हार पचा पाना आसान नहीं था क्योंकि टीम इंडिया अपने सभी 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंची थी। भारतीय टीम अब 5 जून से रोहित शर्मा की अगुवाई में टी20 वर्ल्ड कप में अपने अभियान का आगाज करेगी। यह रोहित और विराट कोहली का आखिरी टी20 वर्ल्ड कप भी हो सकता है। रोहित अब तक सभी टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं जबकि 2012 में इस टूर्नामेंट में पदार्पण करने वाले कोहली छठी बार इसमें शिरकत करेंगे। विराट कोहली ने टूर्नामेंट में 27 मैच में 131.30 के स्ट्राइक रेट और 81.50 के औसत से 1141 रन बनाए हैं।

टी20 विश्व कप : रोहित के नेतृत्व में टीम इंडिया का पहला दस्ता अमेरिका रवाना

मुंबई । रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम का पहला दस्ता आईसीसी टी20 विश्व कप शुरू के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका रवाना हो गया है। इस दल में रोहित के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी शामिल हैं। इसे अलावा इस दल में कप्तान में मुख्य कोच राहुल द्रविड़, बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़, बल्लेबाज शुभमन गिल, ऑलराउंडर रवींद्र जड़ेजा और शिवम दुबे व तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, स्पिनर कुलदीप यादव और अक्षर पटेल भी शामिल थे। इन सभी खिलाड़ियों ने मुंबई एयरपोर्ट पर फोटो सेशन भी कराया। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने सोशल मीडिया पर फोटो सेशन की एक तस्वीर भी साझा की है। इस पहले जत्थे में अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली, यशस्वी जयसवाल, संजू सैमसन, युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ी शामिल नहीं थे।

मलेशिया मास्टर्स 2024: महिला एकल फाइनल मैच के दूसरे गेम में पीवी सिंधु को लगा झटका, चीनी खिलाड़ी ने हराया

नई दिल्ली । डबल ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु मलेशिया मास्टर्स 2024 महिला एकल फाइनल में चीन की वांग झीयी से हार गईं। भारतीय शटलर ने फाइनल की शुरुआत पहले गेम में 21-16 से जीत के साथ की। चीनी शटलर ने दूसरे में वापसी की और 21-5 से जीत हासिल की। आखिरी गेम में सिंधु ने दबदबा दिखाया और 11-3 की बढ़त ले ली। हालांकि, वांग ने शानदार वापसी की और गेम 16-21 से जीत लिया। कुआलालंपुर में मलयेशिया मास्टर्स 2024 महिला एकल फाइनल में चीन की वांग झीयी ने भारत की पीवी सिंधु को 16-21, 21-5, 21-16 से हराया। चीनी शटलर ने पहला गेम हारने के बाद शानदार प्रदर्शन किया। तीसरे गेम में सिंधु आधे चरण तक 11-3 से आगे थीं, लेकिन वांग ने धैर्य बनाए रखा और स्टाइल में वापसी की और खिताब जीता। 2022 के बाद से अपने पहले बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब का सिंधु लक्ष्य बना रही थीं। अब उन्हें थोड़ा और इंतजार करना होगा।

दस साल बाद फिर से कोलकाता नाइट राइडर्स ने जीता आईपीएल का खिताब

चेन्नई, 26 मई (एजेंसियां)।

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद वेंकटेश अय्यर नाबाद (52) और रहमानउल्लाह गुरबाज (39) रनों की तूफानी पारियों के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने रविवार को एकतरफा अंदाज में सनराइजर्स हैदराबाद को आठ विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 का खिताब अपने नाम कर लिया। केकेआर ने 10 साल इंतजार के बाद एक बार फिर से आईपीएल की ट्रॉफी पर कब्जा किया। आईपीएल में कोलकाता चार बार फाइनल में पहुंची है और तीन बार उन्हें जीत हासिल हुई है।

114 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दूसरे ही ओवर में सुनील नारायण (6) रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उसके बाद रहमानउल्लाह गुरबाज और वेंकटेश अय्यर ने पारी को संभाला। वेंकटेश ने 28 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए नाबाद (52) रनों की पारी खेली। जीत के करीब नौवें ओवर में रहमानउल्लाह गुरबाज 32 गेंदों में 39 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान श्रेयस अय्यर छह रन बनाकर नाबाद रहे। कोलकाता ने 10.3 ओवर में दो विकेट पर 114 रन बनाकर खिताबी मुकाबला जीत लिया। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से पैट कमिंस और शाहबाज अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में अभिषेक शर्मा (2) का विकेट गवां दिया। अभिषेक को मिचेल स्टार्क ने बोल्ड आउट किया। अगले ही ओवर में वैभव आरोड़ा ने ट्रैविस हेड (शून्य) को भी पवेलियन भेज दिया। पांचवें ओवर में राहुल त्रिपाठी (9) भी मिचेल का शिकार बन गए। एडन मारक्रम और नितीश कुमार रेड्डी ने पारी को संभालने का प्रयास किया। कोलकाता के गेंदबाजों के आगे हैदराबाद का कोई भी बल्लेबाज नहीं टिक सका और एक के बाद एक खिलाड़ी आउट होते गए। सातवें ओवर में हर्षित राणा ने नितीश कुमार रेड्डी (13) को आउट कर दिया। उसके बाद 11वें ओवर में हर्षित ने एडन मारक्रम (16) को बोल्ड आउट किया। शाहबाज़ अहमद (8), अब्दुल समद (4), जयदेव उनादकट (4) रन बनाकर आउट हुए। कप्तान पैट कमिंस 18 गेंदों में सर्वाधिक 24 रनों की पारी खेली। हैदराबाद की टीम 18.3 ओवर में 113 रन पर सिमट गई। कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से आंद्र रसल को तीन विकेट मिले। मिचेल स्टार्क और हर्षित राणा ने दो-दो विकेट लिये। वैभव अरोड़ा, सुनील नारायण और वरूण चक्रवर्ती ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

मुस्ताफिजुर रहमान के छक्के की मदद से बांग्लादेश ने बचाई अपनी लाज, आखिरी मैच में अमेरिका को दिए बुरे जख्म

नई दिल्ली, 26 मई ।

मुस्ताफिजुर रहमान (6 विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश ने तीसरे व अंतिम टी20 इंटरनेशनल मैच में अमेरिका को 10 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ बांग्लादेश ने अपनी लाज बचाई और खुद का क्लीन स्वीप होने से रोका। अमेरिका ने तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम की। ह्यूस्टन में खेले गए मुकाबले में अमेरिका ने पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 104 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश ने 11.4 ओवर में बिना विकेट गंवाएं लक्ष्य हासिल किया। बांग्लादेश और अमेरिका दोनों ही टीमें अब टी20 वर्ल्ड कप 2024 में हिस्सा लेंगी। हसन ने जड़ा अर्धशतक 105 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश को तानजिद हसन और सौम्य सरकार ने कोई नुकसान नहीं होने दिया। दोनों ने 108 रन की अविजित साझेदारी की। टी20 वर्ल्ड कप से पहले बांग्लादेश के लिए इस तरह का प्रदर्शन मनोबल बढ़ाने वाला रहा। तानजिद हसन ने 42 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से नाबाद 58 रन बनाए। इसके अलावा सौम्य सरकार ने 28 गेंदों में चार चौके और दो छक्के की मदद से नाबाद 43 रन बनाए। रहमान का कहर इससे पहले बांग्लादेश द्वारा बल्लेबाजी का न्योता स्वीकारने वाली अमेरिका की पारी शानदार शुरुआत के बाद लड़खड़ा गई। शायन जहांगीर (18) और एंड्रीस गौस (27) ने पहले विकेट के लिए 46 रन की साझेदारी की। शाकिब अल हसन ने गौस को सौम्य सरकार के हाथों कैच आउट कराकर अमेरिका को पहला झटका दिया।

टी20 विश्व कप की स्पेशल टीम में शामिल हुए कार्तिक बोले-उत्साहित हूं कॉमेंटेटर्स की सूची जारी, स्टीव स्मिथ, एरोन फिंच को भी मिला मौका

नई दिल्ली, 26 मई । (एजेंसियां)।

आईसीसी टी20 वर्ल्डकप 2024 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। टी20 वर्ल्डकप का शुभारंभ अमेरिका और कनाडा के मैच से होगा। भारतीय टीम अपना पहला मैच 5 जून को आयरलैंड के साथ खेलेगी। इस विश्व कप से पहले आईसीसी ने टी20 विश्व कप के लिए कॉमेंटेटर्स की लिस्ट जारी कर दी है। आईसीसी ने इस लिस्ट में दिनेश कार्तिक, स्टीव स्मिथ, एरोन फिंच जैसे प्लेयर्स को मौका दिया है।

सूची जारी होने के बाद दिनेश कार्तिक ने कहा कि यह टूर्नामेंट कई मामलों में अलग है। यह सभी को उत्साहित करता है। 20 टीमें 55 मैच और नई जगह। सच में यह कमाल का होने वाला है। दिनेश ने कहा कि वह इसमें शामिल होने के लिए उत्साहित हैं। एरोन फिंच ने इसपर कहा कि यह एक स्पेशल इवेंट है। 20 टीमों के बीच यह कमाल का होने वाला है। कई शानदान मैच देखने को मिलेंगे। मैं आज भी गर्व महसूस करता हूं जब मैंने 2021 में टीम को चैंपियन बनाया था।

वहीं डेल स्टेन ने कहा कि टी20 विश्व कप, अपने नए प्रारूप और टीमों की प्रतिस्पर्धा के साथ, खेल को फैलाने का एक शानदार मौका है। उन्हें यकीन है कि पुराने और नए दोनों क्रिकेट फैंस इसकी शुरुआत के लिए उत्साहित होंगे। मैं हर टीम पर करीब से नजर रखूंगा और इसमें आने वाली अलग-अलग रणनीति को देखना दिलचस्प होगा।

विश्व कप के लिए कॉमेंटेटर्स की सूची में रवि शास्त्री, नासिर हुसैन, इयान स्मिथ, मेल जोन्स, हर्षा भोगले और इयान बिशप, डेल स्टेन, वसीम अकरम, ग्रीम स्मिथ, माइकल एथरटन, वकार यूनिस, साइमन डोल, शॉन पोलक, रिकी पोंटिंग, सुनील गावस्कर, मैथ्यू हेडन, रमिज़ राजा, इयोन मोर्गन, टॉम मूडी, स्टीव स्मिथ, डेल स्टेन, एरोन फिंच और दिनेश कार्तिक शामिल हैं।

भारतीय महिला कंपाउंड टीम की स्वर्णिम हैट्रिक सुरेखा-परनीत-अदिति ने रचा इतिहास

येचीयोन, 26 मई (एजेंसियां)।

तीरंदाजी के महिला कंपाउंड वर्ग में ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और विश्व चैंपियन अदिति स्वामी ने विश्वकप स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई। उन्होंने पिछले महीने शंघाई में विश्वकप के पहले चरण में इटली को हराकर स्वर्ण जीता था। वहीं पिछले साल पेरिस में चौथे चरण में भी स्वर्ण हासिल किया था।

दुनिया की नंबर एक भारतीय महिला तिकड़ी ने तुर्किये की हेजल बुरून, एइसे बेरा सुजेर और बेजम की टीम को 232-226 से हराकर एक भी सेट गंवाए बिना पहला स्थान हासिल किया। दूसरी वरीय भारतीय टीम ने तीन एक्स (केंद्र बिंदु के समीप) के साथ शुरुआत की। अगले तीन तीरों में एक-एक अंक गंवाया।

पहले दौर में भारतीय टीम पांचवीं वरीयता की अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम से एक अंक से आगे थी। छह तीरों के अगले दौर में भारतीय तिकड़ी ने पूरा दबदबा बनाते पांच परफेक्ट-10 किए और दूसरे दौर की समाप्ति पर बढ़त चार अंकों की कर ली। अंतिम से पहले दौर में हालांकि तुर्किये ने चार परफेक्ट-10 लगाकर चुनौती देने का प्रयास किया लेकिन अंतिम दौर में भारतीय टीम ने 58 स्कोर अर्जित कर जीत तय कर ली।

मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत की चांदी एशियाई खेलों की चैंपियन ज्योति हालांकि दूसरा स्वर्ण नहीं जीत सकी और उन्हें मिश्रित टीम स्पर्धा में प्रियांश के साथ रजत पदक मिला। ज्योति-प्रियांश की कंपाउंड मिश्रित टीम फाइनल में अमेरिका की ओलिविया डीन और सायेर सुलिवान की जोड़ी से 155-153 से हार गई। यह मुकाबला दो श्रेष्ठ रैंकिंग की टीमों के बीच था। पहले दौर में भारतीय टीम 40 में से 39 अंक लेकर आगे थी लेकिन अगले दौर में ओलिविया और सुलिवान ने स्कोर 76-76 कर दिया।

दूसरी वरीयता की अमेरिकी टीम ने फिर तीसरे दौर में 40 का परफेक्ट स्कोर किया जबकि भारतीय टीम 39 ही हासिल कर सकी। शूट ऑफ के लिए भारतीय टीम को अब 40 के स्कोर की जरूरत थी लेकिन टीम 38 ही कर पाई। अमेरिका ने 39 के स्कोर के साथ स्वर्ण जीत लिया। कंपाउंड में तीसरे पदक रह गया जब प्रथमेश फुगे नीदरलैंड के माइक स्केलोसर से कांस्य पदक के शूट ऑफ में हार गए। इससे पहले फुगे को सेमीफाइनल में अमेरिका के जेम्स से हार मिली थी।

मुक्केबाज अभिमन्यु लौरा ने क्रिस्टियन निकोलोव को हराया, अगले दौर में बनाई जगह

नई दिल्ली । भारतीय मुक्केबाजों का विश्व ओलंपिक क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन जारी रहा और राष्ट्रीय चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अभिमन्यु लौरा ने शानदार जज्बा दिखाते हुए पेरिस ओलंपिक के लिए मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर के 80 किग्रा वर्ग के पहले दौर में बुल्गारिया के क्रिस्टियन निकोलोव पर जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश कर लिया। वापसी करने में सफल रहे अभिमन्यु अभिमन्यु ने धीमी शुरुआत की जिससे बुल्गारिया के 10 बार के राष्ट्रीय चैंपियन निकोलोव ने पहले राउंड में दबदबा बना लिया। हालांकि 21 साल के भारतीय मुक्केबाज ने तेजी से रणनीति बदली और दूसरे राउंड में आक्रामक हो गए जिससे पांच में से चार जजों ने उनके हक में अंक दिए। इस भारतीय ने तीसरे और अंतिम राउंड में तेजी से मुक्के जड़ना जारी रखते हुए 3-0 से मुकाबला जीत लिया। इससे थाईलैंड की राजधानी में भारतीय दल के दो मुकाबलों में यह दूसरी जीत रही। सचिन सिवाच ने 57 किग्रा वर्ग में न्यूजीलैंड के एलेक्स मुकाका को हराकर जीत से खाता खोला था। सात पुरुष और तीन महिला मुक्केबाज पेश कर रहे हैं चुनौती भारत ने दूसरे विश्व क्वालीफायर में सात पुरुष और तीन महिला मुक्केबाज उतारे हैं। अभिनाश जामवाल (63.5 किग्रा) और निशांत देव (71 किग्रा) अपने-अपने वर्गों में चुनौती पेश करेंगे। जामवाल का सामना लिथुआनिया के आंद्रिजुस लावरेनोवास से होगा, जबकि निशांत शुरुआती बाउट में आमंडो बिगाफा के खिलाफ चुनौती पेश करेंगे।

चीन की आखिरी इस्लामी पहचान भी ढहा दी गई

शादियान मस्जिद का कर दिया गया चीनीकरण

मुस्लिम देशों के साथ-साथ प्रगतिशील गिरोह चुप

युन्नान (चीन), 26 मई (एजेंसियां)।

चीन में मुस्लिमों का सीनीसाइजेशन यानि उनका चीनीकरण तेजी से किया जा रहा है। उइगर मुस्लिमों पर अत्याचार से लेकर इस्लाम की हर निशानी को चीन बड़ी ही क्रूरता के साथ कुचल रहा है। इसी क्रम में चीन में अरबी शैली में बनी ऐतिहासिक शादियान मस्जिद का भी चीनीकरण कर दिया गया है। उसके गुंबदों को तोड़ दिया गया है, मीनारों को चीनी स्टाइल में ढाल दिया गया है।चीन इस्लाम के प्रसार को रोकने के लिए हर वह कदम उठा रहा है, जो आवश्यक है। दक्षिण-पश्चिमी यून्नान प्रांत में स्थित यह मस्जिद चीन की सबसे बड़ी और भव्य मस्जिदों में से एक मानी जाती थी। गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले वर्ष तक 21,000 वर्ग मीटर में इस मस्जिद का विस्तार था। हरे रंग की टाइल्स से इसका गुंबद बना हुआ था और उस पर अर्धचन्द्र बना हुआ था। मुख्य मस्जिद के चारों तरफ ऊंची-ऊंची मीनारें बना हुई थीं। लेकिन हाल ही में आई सेटेलाइट इमेज ने सभी को चौंका दिया है।चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने चीन में इस्लाम की आखिरी निशानी का भी सीनीसाइजेशन कर दिया है। सैटेलाइट इमेज के विवरण से पता चलता है कि गुंबद को हटा दिया गया है और उसकी जगह हान चीनी शैली के पगोडा छत को लगा दिया गया है। मीनारों को छोटा कर दिया गया है और पगोडा टावरों में बदल दिया गया है। अर्धचंद्र और तारा टाइलों का केवल एक हल्का निशान जो कभी मस्जिद की सामने की छत को चिह्नित करता था, दिखाई देता है।चीन में गैर चीनियों के चीनीकरण की रफ्तार को इस तरह से समझा जा सकता है कि युन्नान प्रांत में ही स्थित नाजियायिंग मस्जिद की भी इस्लामिक विशेषताओं को नष्ट कर दिया गया है।

इन सभी को चीनी स्टाइल में ढाल दिया गया है। खास बात यह है कि भारत में आए दिन इस्लाम के नाम पर नौटंकी करने वाले कथित मुस्लिम रहनुमा और खान मार्केट गिरोह चीन में इस्लाम के दमन पर एकदम चुप्पी साधे हुए है। गाजा में जब इजरायल ने हमला किया तो इस्लाम के नाम पर भारत में खूब हुड़दंग मचाया गया। लेकिन चीन में उइगर मुस्लिमों के दमन पर यहां के या किसी और देश के मुस्लिम रहनुमाओं की आवाज तक नहीं निकल रही है।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका की राजनीति में फिर वापसी की तैयारी में राजपक्षे, पूर्व मंत्री का बड़ा बयान

कोलंबो । काफी समय तक श्रीलंका पर राजपक्षे परिवार का राज था। हर कहीं राजपक्षे परिवार का ही प्रभाव नजर आता था। लेकिन साल 2022 में यह तस्वीर उस वक्त बदल गई थी, जब देश भीषण आर्थिक संकट का सामना कर रहा था। बिगड़ते हालातों से जनता इस परिवार से खासी नाराज थी। गोटाबाया राजपक्षे ने दबाव में आकर राष्ट्रपति पद से इस्तीफा भी दे दिया था। अब श्रीलंका के आर्थिक हालात धीरे-धीरे पटरी पर आ रहे हैं। हालांकि, इन सबके बीच राजपक्षे पार्टी अपनी कमबैक की प्लानिंग कर चुकी है। पार्टी आगामी चुनावों के जरिए राजनीति में वापस आने की कोशिश करेगी। इन मंत्रियों को सत्ता से किया था बेदखल गौरतलब है, पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे, पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और पूर्व वित्त मंत्री बेसिल राजपक्षे को 2022 में वित्तीय और राजनीतिक संकट के बाद सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। क्या है एसएलपीपी की योजना पूर्व मंत्री एसएम चंद्रसेना ने पत्रकारों को बताया कि राजपक्षे की श्रीलंका पोदुजना पेरामुना (एसएलपीपी या पीपल्स फ्रंट) पार्टी उत्तर मध्य ग्रामीण शहर थलावा में एक सार्वजनिक रैली आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि महिंदा राजपक्षे रेली का उद्घाटन करेंगे।इसका उद्देश्य पार्टी को राष्टपति या संसदीय चुनावों के लिए जमीनी स्तर पर तैयार करना है। उन्होंने आगे कहा, जो भी चुनाव पहले आएगा, हम उसके लिए पार्टी को तैयार करने के लिए अपना अभियान शुरू करेंगे। संसदीय चुनाव और राष्ट्रपति चुनाव को लेकर बहस बता दें, चुनाव अधिनियम के अनुसार राष्ट्रपति चुनाव संसदीय चुनावों से पहले होना चाहिए। अगला संसदीय चुनाव अगस्त 2025 से पहले नहीं होना है। राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे संसदीय चुनाव से पहले राष्ट्रपति चुनाव कराना चाहते हैं। इस बात का संकेत उन्होंने दिया था। हालांकि, एसएलपीपी चाहती है कि संसदीय चुनाव 2025 की निर्धारित तारीख से पहले हो जाएं। इस महीने की शुरुआत में चुनाव आयोग ने बताया था कि राष्ट्रपति चुनाव 17 सितंबर से 16 अक्तूबर के बीच होगा। एसएलपीपी ने अभी अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है जबकि दो प्रमुख विपक्षी खेमे राष्ट्रपति पद के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुके हैं। कभी सिंहल बौद्ध राजाओं से होती थी महिंदा की तुलना महिंदा राजपक्षे को देश की बहुसंख्यक सिंहली आबादी का नेता माना जाता है। श्रीलंका में लगभग तीन दशकों के गृहयुद्ध को समाप्त करने के लिए उन्हें वॉर हीरो के तौर पर देखा जाता है। उन्होंने ही 2009 में राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान तमिल टाइगर विद्रोहियों को कुचल दिया था। हालांकि, उनके ऊपर नरसंहार करने का आरोप भी लगा, लेकिन सत्ता पर काबिज महिंदा ने इसे नकार कर उत्तरी श्रीलंका में सैन्य अभियान को जारी रखा। इस जीत के तुरंत बाद विक्टरी परेड और सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनकी तुलना सिंहल बौद्ध राजाओं से की गई थी।

चीन-नेपाल ने फिर खोले पारंपरिक सीमा व्यापार बिंदु, उप-प्रधानमंत्री श्रेष्ठ के आग्रह के बाद फैसला

बीजिंग (चीन) । चीन और नेपाल ने अपने 14 पारंपरिक सीमा व्यापार बिंदुओं को फिर से खोल दिया। नेपाल के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मामलों के मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ ने चीन से इन बिंदुओं को फिर से खोलने का आग्रह किया था। इसमें द्विपक्षीय व्यापार के साथ ही लोगों की आवाजाही के लिए तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र को खोलना भी शामिल था। श्रेष्ठ के आग्रह के दो महीने बाद चीन सरकार ने इन व्यापार बिंदुओं को खोलने का फैसला लिया। सरकारी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन-नेपाल सीमा पर झेंकांग शहर में फिर से उद्घाटन समारोह हुआ। दक्षिण पश्चिम चीन का जिजांग स्वायत्त क्षेत्र जो भारत, नेपाल और भूटान की सीमा से सटे दक्षिण एशिया के लिए एक महत्वपूर्ण शहर है। पांच व्यापारिक भूमि बंदरगाहों की मेजबानी कर रहा है। पारंपरिक सीमा व्यापार ने सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास में निभाई भूमिका नगरपालिका वाणिज्य ब्यूरो के निदेशक फेंग जुएचेंग ने कहा कि पारंपरिक सीमा व्यापार ने लंबे समय से सीमावर्ती निवासियों की आजीविका का समर्थन किया है। सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कहा, हम सीमा व्यापार बुनियादी ढांचे में लगातार सुधार करने और चीन और नेपाल के बीच आर्थिक और व्यापार आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की योजना बना रहे हैं।

हमास का दावा- गाजा में पकड़े गए इजराइली सैनिक आईडीएफ ने किया इनकार, कहा- ऐसी कोई घटना नहीं घटी

यरूशलम, 26 मई (एजेंसियां) ।

हमास के सशस्त्र विंग के प्रवक्ता ने दावा किया कि उनके लड़ाकों ने उत्तरी गाजा के जबालिया में लड़ाई के दौरान इजराइली सैनिकों को पकड़ लिया था। हालांकि, इजराइल ने इन दावों को खारिज कर दिया। हमास के सशस्त्र विंग के प्रवक्ता ने यह नहीं बताया कि उन्होंने कितने इजराइली सैनिकों को पकड़ा। इसके साथ ही उन्होंने अपने दावे का कोई सबूत भी नहीं दिया।

अल कसम ब्रिगेड्स के प्रवक्ता अबु उबैदा ने कहा, हमारे लड़ाकों ने इजराइली सेना को लालच देकर एक सुरंग के अंदर हमला करवाया। बल के सभी सदस्य को मारने, घायल करने और बंधक बनाने के बाद लड़ाके चले गए। इजराइली सेना ने हमास सशस्त्र विंग के इन दावों को खारिज कर दिया। सेना ने एक बयान में कहा, इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने यह स्पष्ट किया है कि ऐसी कोई भी घटना नहीं घटी, जिसमें सैनिकों को बंधक बनाया गया हो।

हमास ने वीडियो जारी कर दिया सबूत - हमास ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें खून से लथपथ एक व्यक्ति को सुरंग में घसीटते हुए दिखाया गया। हालांकि, यह वीडियो कब की है इसकी पुष्टि नहीं की गई है। अबु उबैदा की यह टिप्पणी गाजा में युद्धविराम वार्ता फिर से शुरू होने की संभावना बढ़ने के कुछ घंटों के बाद आई। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के प्रमुख की सीआईए प्रमुख और कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद अगले हफ्ते बातचीत फिर से शुरू करने का फैसला लिया गया है।

हमास ने युद्धविराम वार्ता को लेकर इजराइली रिपोर्टों को किया खारिज - नाम न बताने की शर्त पर एक सूत्र ने बताया कि आने वाले सप्ताह में मध्यस्थों मिस्र, कतर और अमेरिका के नेतृत्व में नए प्रस्तावों पर बातचीत फिर से शुरू होगी। हमास के अधिकारी ने इजराइली मीडिया रिपोर्टों को खारिज कर दिया, जिसमें बताया गया कि काहिरा में बातचीत फिर से शुरू की जाएगी। उन्होंने (हमास अधिकारी) कहा कि फिलहाल इसे लेकर किसी भी तारीख की घोषणा नहीं की गई है।

इजराइल-हमास के बीच जारी संघर्ष को सात महीने हो चुके हैं, लेकिन मधयस्थ अभी तक युद्धविराम को लेकर कोई स्थाई उपाय नहीं निकाल पाए। इजराइल हमास द्वारा बंधक बनाए गए बंधकों की रिहाई की मांग कर रहा, तो वहीं हमास युद्धविराम के साथ इजराइली जेलों में बंद फलस्तीनियों की रिहाई की मांग पर अड़ा है।

यूक्रेन के खारकीव शहर में सुपरमार्केट पर रूसी सेना का हवाई हमला, दो की मौत-33 अन्य घायल

कीव । यूक्रेन के पूर्वी खारकीव शहर में एक हार्डवेयर सुपरमार्केट पर रूस के हवाई हमले में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि 33 अन्य घायल हो गए। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने नागरिकों को निशाना बनाते हुए दोपहर के उजाले में हमले की निंदा की है। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा, सुपरमार्केट के अंदर 200 से ज्याद लोग हो सकते हैं। रूस ने 30 हजार सैनिकों के साथ 10 मई को खारकीव पर जमीनी हमले शुरू किए थे। उसके बाद से यह ताजा हमला है। खारकीव के क्षेत्रीय गवर्नरओ ओलेग सिनेगुबोव ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि रूस ने दो बमों ने एक सुपरमार्केट को निशाना बनाया और इससे 1500 वर्ग मीटर के क्षेत्र में आग लगी। जिसमें दो की मौत हो गई और 33 अन्य लोग घायल हो गए। खारकीव के अभियोजक कार्यालय ने टेलीग्राम पर बाद में एक अपेडट में कहा, दोनों मृतक सुपरमार्केट में काम करते थे। दस अन्य श्रमिक गायब हैं। जेलेंस्की ने हमले की निंदा करते हुए कहा, यूक्रेन में एक सुपरमार्केट पर क्रूर हमला किया गया। वहीं देश के आंतरिक मामलों के मंत्री इहोर क्लिमेंको ने कहा, रूस ने जानबूझकर सप्ताह के मध्य में एक नागरिक सुविधा को निशाना बनाया है। जेलेंस्की ने कहा, सभी आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर मदद प्रदान कर रही हैं और आग बुझाकर लोगों को बचा रही हैं।

मनवाधिकार अयोग ने ईसाई परिवार पर हमले की निंदा की, कहा- ईशनिंदा से जुड़े नियमों में बदलाव जरूरी

इस्लामाबाद, 26 मई (एजेंसियां) ।

झूठे ईशनिंदा के आरोपों के बाद सरगोधा में एक ईसाई परिवार पर हिंसक भीड़ के हमले की मानवाधिकार फोकस पाकिस्तान (एचआरएफपी) ने कड़ी निंदा की। एक छोटी जूता फैक्ट्री के मालिक और उनके बेटे पर कुरान के पन्नों का अपमान करने का आरोप लगाया गया था, जिस के बाद भीड़ ने उन पर हमला किया था। मामले की निंदा कर एचआरएफपी ने कहा कि इन नियमों में बदलाव होना चाहिए। यूं तो पाकिस्तान से अक्सर ही अल्पसंख्यकों के साथ हिंसा की घटनाएं होती रहती हैं। मामला है। मजाहिद कॉलोनी में एक छोटी जूता फैक्ट्री के मालिक नजीर मसीह और उनके बेटे सुल्तान मसीह पर कुरान के पन्नों का अपमान करने साथ ही कुरान के पन्नों को अपने कारखाने के सामने फेंकने का आरोप लगाया गया। इन आरोपों से कई व्यक्तियों, मौलवियों और इस्लामी छात्रों को उकसाने का काम किया। गुस्साए लोगों ने मसीह परिवार पर हमला बोल दिया। उनके व्यवसाय और घर में तोड़फोड़ कर दी। पीड़ितों के अनुसार, कुरान के पन्ने जानबूझकर उनके कारखाने के सामने बिखेरे गए थे। आरोप लगाने वालों ने हमला करने के लिए तेजी से भीड़ जुटाई। भीड़ के हमले से नज़ीर मसीह, सुल्तान मसीह और उनके परिवार गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें एम्बुलेंस द्वारा अस्पताल ले जाया जा रहा था लेकिन वहां पर भी भीड़ ने वाहन पर हमला कर दिया। यही नहीं उनका आरोप है कि उन्हें मारने का प्रयास किया गया। हालांकि एंबुलेंस वहां से बचकर निकल गई। वहीं एचआरएफपी ने कहा, एचआरएफपी की तथ्यान्वेषी टीम आपातकालीन रिपोर्टिंग और सहायता प्रदान करने के लिए तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने बताया कि ईसाइयों के खिलाफ झूठे ईशनिंदा के आरोप लगाने की ऐसी ही घटनाएं सरगोधा में बार-बार होती हैं। एचआरएफपी ने यह भी कहा कि हम मसीह परिवार के लिए सुरक्षा और न्याय की मांग करते है। आरएफपी की टीम ने घटना के बारे में घटनास्थल से जानकारी ली, सबूत इकट्ठा किए हैं, पुलिस स्टेशन का दौरा किया है। साथ ही अस्पताल और चल रही सहायता में शामिल व्यक्तियों से बातचीत की। एचआरएफपी के अध्यक्ष नवीद वाल्टर ने ईशनिंदा के आरोपों के बाद तत्काल भीड़ की हिंसा के पैटर्न की आलोचना की।

ताइवान के आसपास सैन्य अभ्यास पर अमेरिका ने जताई चिंता, कहा- संयम से काम ले चीन

वॉशिंगटन, 26 मई (एजेंसियां) ।

ताइवान के आसपास चीन के सैन्य अभ्यासों पर अमेरिका ने गहरी चिंता जताई है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने चीन से संयम से काम लेने का आग्रह किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी विदेश का यह बयान तब सामने आया है जब चीन ने दो दिवसीय सैन्य अभ्यास किया। इस सैन्य अभ्यास में जमीन, समुद्र, वायु और रॉकेट बल शामिल थे।

20 मई को लाई चिंग-ते ने ताइवान के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। जिसके कुछ दिनों के बाद चीन ने ताइवान और ताइवान जलडमरूमध्य के आसपास सैन्य अभ्यास किया।

मिलर ने एक बयान में कहा, अमेरिका ताइवान जलडमरूमध्य और ताइवान के आसपास पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के संयुक्त सैन्य अभ्यास पर गहराई से चिंतित है। हम चीन की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और हमारी साझा चिंताओं के बारे में सहयोगियों और भागीदारों के साथ समन्वय कर रहे हैं।

यूएस के नए संगठन क्वाड की चीन को घेरने की कवायद विशेषज्ञ बोले-भारत के कारण क्वाड अधिक अहम

सिडनी, 26 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका, चीन को घेरने की रणनीति बना रहा है। इसी के तहत अमेरिका ने अप्रैल में जापान और फिलीपींस के साथ मिलकर एक त्रि-पक्षीय सम्मेलन का आयोजन किया था। इस सम्मेलन से अब एक नया संगठन बना है, जिसे नाम दिया गया है क्वाड । इस संगठन में अमेरिका, जापान, फिलीपींस के साथ ही ऑस्ट्रेलिया भी शामिल है। फिलीपींस का दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ विवाद चल रहा है।

क्वाड की अहमियत अभी भी ज्यादा

वहीं विदेश मामलों के विशेषज्ञ मानते हैं कि भले ही अमेरिका ने फिलीपींस, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर नया संगठन बना लिया है, लेकिन अभी भी भारत की सदस्यता वाले क्वाड संगठन की अहमियत ज्यादा है। लॉवी इंस्टीट्यूट ने इस पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने भले ही चीन को घेरने के लिए नया संगठन बना लिया है, लेकिन भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिकी की सदस्यता वाले संगठन क्वाड की अहमियत अभी भी ज्यादा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बीते दिनों नई दिल्ली में होने वाला क्वाड सम्मेलन टल गया था। साथ ही रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस का समर्थन, इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव से भारत का अनुपस्थित रहना, रूस के साथ एस-400 की डील और ईरान के चाबहार बंदरगाह की डील ऐसी चीजें रहीं, जिनकी वजह से अमेरिका भारत से नाराज रहा और माना जा रहा है कि इसी वजह से क्वाड कमजोर हुआ।

फिलीपींस की तुलना में भारत बड़ी ताकत

जेएनयू के विदेश मामलों के जानकार प्रोफेसर मिश्रा ने बताया कि स्कवाड संगठन भले ही अभी प्रभावी दिख रहा है, लेकिन इसका प्रभाव क्षेत्र विशेष तक सीमित है। वहीं भारत की सदस्यता वाले क्वाड संगठन का असर पूरे हिंद प्रशांत महासागर पर दिख सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, यहां दुनिया की सबसे बड़ी आबादी है और सैन्य तौर पर भारत के एक बड़ी ताकत है। लद्दाख में भारत ने जिस तरह से चीन को सीमा विवाद में मुंहतोड़ जवाब दिया है, उससे भी साफ है कि चीन को घेरने में जो भूमिका भारत निभा सकता है।

बिजली कटौती से परेशान लोगों ने ग्रिड स्टेशन में बोला धावा, खुद बहाल की बिजली, पुलिस बनी रही मूकदर्शक

इस्लामाबाद, 26 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। यहां के सिंध प्रांत के मोहनजोदड़ो और दादू में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। वहीं, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत समेत कई अन्य जगहों का तापमान 46 डिग्री से अधिक रहा। चिलचिलाती गर्मी और ऊपर से बार-बार बिजली का जाना यहां के लोगों के लिए आफत बन गया है। बिजली की कटौती से लोगों का गुस्सा भड़क गया और एक ग्रिड स्टेशन पर धावा बोल दिया।

लंबे समय तक बिजली नदारद रही - एक रिपोर्ट के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा के निवासियों का गुस्सा तब भड़क गया, जब बहुत लंबे समय तक बिजली नहीं आई। बिजली नहीं आने का कारण लोडशेडिंग बताया गया। जब लोगों से गर्मी सहन नहीं हुई तो सभी हजारा खावग्रिड

स्टेशन पहुंच गए और बिजली बहाल करने के लिए अपने हाथों में कमान ली।

ग्रिड स्टेशन में घुसे लोग - मौके पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बावजूद लोग ग्रिड स्टेशन में घुस गए। बता दें, पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) के सांसद फजल इलाही के नेतृत्व में विरोध-प्रदर्शन किया गया। इलाही ने कहा कि अगर हमारे क्षेत्र में बिजली कटौती की जाएगी, तो सभी की बिजली काट दी जाएगी।

इन जगहों की भी बिजली चालू की - वहीं पेशावर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी (पेस्को) के अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने याका टुट, हजार खवानी, अखुनाबाद और न्यूचमकानी सहित नौ हाई-लॉस फीडरों को जबरन चालू कर दिया, जहां बिजली चोरी और बकाया राशि का भुगतान न करने के कारण नुकसान 80 प्रतिशत से अधिक है।

यह है लोडशेडिंग का कारण - इसके अलावा लोडशेडिंग के कारण लाहौर निवासी भी बिजली कटौती से जूझ रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में दिन के दौरान हर घंटे एक घंटे के लिए लगातार बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। लाहौर में बिजली की मांग 4200 मेगावाट है, जबकि कोटा 4000 मेगावाट है। दरअसल, सब्जाजर ग्रिड स्टेशन पर आग लगने से स्थिति और खराब हो गई है, जिससे अन्य प्रणालियों पर दबाव बढ़ रहा है। 15 मई को भी किया था लोगों ने विरोध इससे पहले 15 मई को डेरा इस्माइल खान के स्वाबी में छोटा लाहौर तहसील की महिलाओं और निवासियों ने दिन में 20 घंटे से अधिक समय तक बिजली कटौती के विरोध में सड़कों को अवरुद्ध कर दिया था।

उत्तर कोरिया का अमेरिका-द.कोरिया पर निगरानी गतिविधियों को बढ़ाने का आरोप, पलटवार की दी चेतावनी

सोल । उत्तरी कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर अंतर कोरियाई सीमा पर निगरानी गतिविधियों को बढ़ाने का आरोप लगाया है। इसी के साथ उत्तर कोरिया ने चेतावनी भी दी कि देश की संप्रभुता और सुरक्षा का उल्लंघन होने पर वह इसके खिलाफ जवाबी कार्रवाई जरूर करेगा। उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्री किम गैंग द्धद्य ने कहा कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया की कठपुतली वायुसेना पूरे दिन बहुत ही कम समय के अंतराल पर हवाई जासूसी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। किम ने आगे कहा, जब देश की संप्रभुता और सुरक्षा को खतरा होगा, तो हम तुरंत कार्रवाई करेंगे। उन्होंने दक्षिण कोरिया की नौसेना और तट रक्षक पर समुद्री सीमा का उल्लंघन करने और सैन्य तनाव बढ़ाने का भी आरोप लगाया है। किम ने दावा किया कि 13 से 24 मई के बीच अमेरिका ने कोरियाई प्रायद्वीप के ऊपर 16 आरसी-135 और यू-2एस जासूसी विमान और आरक्यू-4बी ड्रोन उड़ाया। इसी के साथ उन्होंने दक्षिण कोरिया से गुब्बारों में भेजे गए पर्चों की भी आलोचना करते हुए इसे खतरनाक भड़काऊ हरकत बताया है।

जून महीने में इस दिन करें श्री सत्यनारायण पूजा, पूरी होगी हर मनोकामना

सनातन धर्म में गुरुवार के दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही गुरुवार का व्रत रखा जाता है। इस दिन श्री सत्यनारायण पूजा भी की जाती है। सनातन शास्त्रों में श्री सत्यनारायण पूजा की महिमा का वर्णन है। इस पूजा के लिए तिथि और मुहूर्त का विचार नहीं किया जाता है। साधक अपनी सुविधा के अनुसार किसी दिन श्री सत्यनारायण पूजा कर सकते हैं। हालांकि, पूर्णिमा तिथि पर श्री सत्यनारायण पूजा करने से व्रती को विशेष पुण्य फल प्राप्त होता है। धार्मिक मत है कि श्री सत्यनारायण पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली आती है। साथ ही व्रती को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। अगर आप भी जून महीने में श्री सत्यनारायण पूजा करने की सोच रहे हैं, तो तिथि और शुभ मुहूर्त अवश्य नोट कर लें। आइए जानते हैं-

सनातन धर्म में गुरुवार के दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही गुरुवार का व्रत रखा जाता है। इस दिन श्री सत्यनारायण पूजा भी की जाती है। सनातन शास्त्रों में श्री सत्यनारायण पूजा की महिमा का वर्णन है। इस पूजा के लिए तिथि और मुहूर्त का विचार नहीं किया जाता है। साधक अपनी सुविधा के अनुसार किसी दिन श्री सत्यनारायण पूजा कर सकते हैं। हालांकि, पूर्णिमा तिथि पर श्री सत्यनारायण पूजा करने से व्रती को विशेष पुण्य फल प्राप्त होता है। धार्मिक मत है कि श्री सत्यनारायण पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली आती है। साथ ही व्रती को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। अगर आप भी जून महीने में श्री सत्यनारायण पूजा करने की सोच रहे हैं, तो तिथि और शुभ मुहूर्त अवश्य नोट कर लें। आइए जानते हैं-

ज्योतिष पूर्णिमा तिथि पर श्री सत्यनारायण पूजा करने की सलाह देते हैं। जून महीने में ज्येष्ठ पूर्णिमा 22 जून है। पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ पूर्णिमा 21 जून को सुबह 07 बजकर 31 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 22 जून को सुबह 06 बजकर 37 मिनट पर समाप्त होगी। ज्येष्ठ पूर्णिमा व्रत 21 जून को रखा जाएगा। वहीं, ज्येष्ठ पूर्णिमा 22 जून को मनाई जाएगी। अतः जून महीने में श्री सत्यनारायण पूजा हेतु 22 जून का दिन बेहद उत्तम है। इस दिन स्नान-ध्यान, पूजा, जप-तप और दान-पुण्य भी किया जाता है।

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04 बजकर 04 मिनट से 04 बजकर 44 मिनट तक

विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 43 मिनट से 03 बजकर 39 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 07 बजकर 21 मिनट से 07 बजकर 41 मिनट तक

निशिता मुहूर्त – रात्रि 12 बजकर 03 मिनट से 12 बजकर 43 मिनट तक

बड़ा ही चमत्कारी है 500 साल पुराना यह पेड़

यहां पूजा-अर्चना करने से होती है संतान की प्राप्ति!

धर्म नगरी चित्रकूट में आज हम आप को एक ऐसे वृक्ष के बारे ने बताने जा रहे हैं। मान्यता है कि इस वृक्ष की पूजा करने से सूनी गोद में किलकारियां गुजने लगती हैं। यहां संतान की चाह रखने वाले जोड़ों का हर अमावस्या और दीपावली के पर्व के समय मेला लगता है। मान्यता है कि जो भी इस वृक्ष की पूजा करता है, उसको संतान की प्राप्ति हो जाती है।

500 साल पुराना है यह कल्प वृक्ष

आपको बता दें कि धर्म नगरी चित्रकूट के कांच के मंदिर के समीप एक 500 वर्ष पुराना पुत्र दायनी वृक्ष है। यहां दूर-दूर से संतान न होने से निराश लोग आते हैं और यहां आकर इस वृक्ष की पूजा अर्चना करते हैं। उसके बाद पुजारी उन्हें इस वृक्ष की पत्तियां देते हैं। मान्यता है कि वृक्ष की पूजा अर्चना करने के बाद संतान की प्राप्ति होती है।

रीवा के राजा की नहीं हो रही थी संतान

यह वृक्ष वैष्णो संप्रदाय का है। जिसको लक्ष्मी नारायण मंदिर प्रमोद वन पुत्र जीवन कल्प वृक्ष बोला जाता है। रीवा के राजा विश्वनाथ प्रताप की कोई संतान नहीं हो रही थी, तभी रीवा के राजा इसको बद्री नारायण से सोने की पालकी में अखंड कीर्तन कर पैदल नंगे पैर लेकर आए और मंदाकिनी नदी के किनारे इसकी स्थापना की। स्थापना के बाद उनका पुत्र रघुराज नारायण पैदा हुआ।जब उनको संतान की प्राप्ति हुई, तब उन्होंने संतान प्राप्ति के उपलक्ष्य में 507 कोठरी बनवाई थी।

एक से डेढ़ साल में हो जाती है मन्नत पूरी

जिसके बाल बच्चे नहीं होत हैं। उन सभी महिलाओं के द्वारा यहां पूजा अर्चना करने के बाद एक से डेढ़ वर्ष के अंदर उनकी मान्यता पूरी हो जाती है।

संतान प्राप्ति के बाद भक्त यहां भंडारा भी करते हैं। यह वृक्ष 500 साल पुराना है और यह हमेशा हरा भरा रहता है।

शनि जयंती पर करें राशि अनुसार इन चीजों का दान

बन जाएंगे सारे बिगड़े काम

ज्योतिषीय गणना के अनुसार 06 जून को ज्येष्ठ अमावस्या है। यह पर्व हर वर्ष ज्येष्ठ अमावस्या तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन न्याय के देवता शनिदेव की पूजा-उपासना की जाती है। साथ ही जीवन में व्याप्त दुखों से निजात पाने हेतु व्रत-उपवास रखा जाता है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि ज्येष्ठ अमावस्या तिथि पर शनिदेव का अवतरण हुआ है। शनिदेव के पिता सूर्य देव एवं माता छाया हैं। धार्मिक मत है कि शनिदेव की पूजा करने से साधक को शनि दोष से मुक्ति मिलती है। साथ ही आय और सौभाग्य में भी वृद्धि होती है। अगर आप भी कुंडली में व्याप्त अशुभ ग्रहों को समाप्त करना चाहते हैं, तो शनि जयंती पर विधि-विधान से न्याय के देवता की पूजा करें। साथ ही पूजा के बाद राशि अनुसार दान करें।

राशि अनुसार दान

-मेष राशि के जातक शनि जयंती पर लाल रंग के मौसमी फल और वस्त्र का दान करें।

-वृषभ राशि के जातक शनिदेव की कृपा पाने के लिए चावल, चीनी और दूध का दान करें।

-मिथुन राशि के जातक मोक्ष प्रदाता को प्रसन्न करने हेतु शनि जयंती पर नीले रंग के वस्त्र का दान करें।

-कर्क राशि के जातक शनि जयंती पर चावल और सफेद रंग के वस्त्र का दान करें।

-सिंह राशि के जातक शनि जयंती पर आर्थिक स्थिति के अनुसार लाल रंग के वस्त्र का दान करें।

-कन्या राशि के जातक शनि जयंती पर गौशाला में चारा हेतु अर्थ का दान करें।

-तुला राशि के जातक शनिदेव की कृपा पाने के लिए राहगीरों के मध्य लस्सी वितरित करें।

-वृश्चिक राशि के जातक पूजा-पाठ के बाद शनि जयंती पर राहगीरों को गन्ने का रस पिलायें।

-धनु राशि के जातक शनि देव को प्रसन्न करने हेतु लोगों के मध्य मोर पंख का दान करें।

-मकर राशि के जातक शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए शिव मंदिर में डमरू का दान करें

-कुंभ राशि के जातक शनिदेव की कृपा पाने के लिए चमड़े के चप्पल,उड़द की दाल और छाते का दान करें।

-मीन राशि के जातक शनिदेव की कृपा पाने हेतु पके केले, बेसन के लड्डू, बेसन आदि चीजों का दान करें।

घर में इस तरह से रख रहे हैं गंगाजल, तो टूट सकता है परेशानियों का पहाड़ !

जान लें खास नियम

हिंदू धर्म में पवित्र नदियों में से एक गंगा को काफी शुभ माना गया है। सभी धार्मिक कार्यक्रमों, पूजा या फिर किसी भी शुभ कार्य में गंगाजल का प्रयोग अवश्य ही किया जाता है। गंगाजल के प्रयोग से सारा वातावरण शुद्ध तो होता ही है साथ ही इसकी पवित्रता से शुभ फल की भी प्राप्ति होती है। यदि घर में गंगाजल नहीं है और लाने की सोच रहे हैं तो इससे पहले कुछ खास नियमों को जान लेना जरूरी है। दरअसल इन नियमों की अनदेखी करने से सुख और समृद्धि में भी बाधा आ सकती है। आइए विस्तार में गंगाजल रखने के खास पांच नियमों को जान लें।

हिंदू धर्म में पवित्र नदियों में से एक गंगा को काफी शुभ माना गया है। सभी धार्मिक कार्यक्रमों, पूजा या फिर किसी भी शुभ कार्य में गंगाजल का प्रयोग अवश्य ही किया जाता है। गंगाजल के प्रयोग से सारा वातावरण शुद्ध तो होता ही है साथ ही इसकी पवित्रता से शुभ फल की भी प्राप्ति होती है। यदि घर में गंगाजल नहीं है और लाने की सोच रहे हैं तो इससे पहले कुछ खास नियमों को जान लेना जरूरी है। दरअसल इन नियमों की अनदेखी करने से सुख और समृद्धि में भी बाधा आ सकती है। आइए विस्तार में गंगाजल रखने के खास पांच नियमों को जान लें।

गंगाजल को रखने के लिए न करें प्लास्टिक का इस्तेमाल

गंगा को पवित्र नदियों में से एक माना गया है। इसकी पवित्रता को बनाए रखना आवश्यक है। वरना इसके प्रयोग के बाद भी शुभ फल की प्राप्ति नहीं होगी। प्लास्टिक में रखने से गंगाजल में विषाक्तता घुल जाते हैं, यही कारण है कि यह पवित्र पानी शुद्ध नहीं रह जाता। बता दें कि गंगाजल को रखने के लिए हमेशा तांबे के बर्तन का ही प्रयोग करें। यह सबसे शुद्ध माना गया है।

गंगाजल रखने की सही जगह

गंगाजल को कभी भी वहां ना रखें जहां आप भोजन करते हों। दरअसल जहां भोजन किया जाता है वहां गंगाजल को रखना अपवित्र माना गया है।

ऐसा करने से धन हानि के साथ कुछ ना कुछ अनिष्ट होता है। इसलिए गंगाजल रखने की सबसे सही जगह घर का मंदिर है, जहां पवित्रता हमेशा बनी रहती है।

ऐसे में न करें गंगाजल का प्रयोग

गंगाजल को सबसे पवित्र और शुद्ध माना गया है। ठीक वैसे ही जैसे मंदिर में प्रवेश करने से पहले जूते चप्पल उतार देते हैं वैसे ही गंगाजल को छूने से पहले इन्हें धारण नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से गंगा नदी का अनादर होता है। साथ ही यह दुर्भाग्य को बुलावा देने के समान माना गया है।

पवित्रता का हमेशा रखें ध्यान

गंगाजल को हमेशा से ही पवित्र माना गया है। इसलिए कभी भी गंदे हाथों से जल को नहीं छूना चाहिए। यदि इन्हें छूना भी है तो सबसे पहले अपने हाथों को अवश्य धोलें। ऐसा ना करने से सौभाग्य और समृद्धि में बाधा आती है।

ऐसे हालात में तुरंत बदल दें गंगाजल का पानी

बता दें कि जिस कमरे में गंगाजल रखा हुआ है और वहां पर किसी की मृत्यु हो जाए या फिर वहां किसी बच्चे का जन्म हुआ हो तो तुरंत ही गंगाजल के पानी को बदल दें। दरअसल ऐसी स्थिति में गंगाजल अपवित्र हो जाता है।

पायल कपाड़िया ने कान्स फिल्म महोत्सव में ग्रैंड प्रिक्स पुरस्कार जीतकर रचा इतिहास

फिल्मकार पायल कपाड़िया ने अपनी फिल्म 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' के लिए प्रतिष्ठित कान फिल्म महोत्सव में 'ग्रैंड प्रिक्स' पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म निर्माता बनकर इतिहास रच दिया है। यह 'पाम डी'ओर' के बाद महोत्सव का दूसरा सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है।शनिवार रात को खत्म हुए फिल्म महोत्सव का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार अमेरिकी निर्देशक सीन बेकर की फिल्म 'अनोरा' को मिला।

कपाड़िया की फिल्म बृहस्पतिवार रात को प्रदर्शित हुई। यह 30 वर्ष में मुख्य प्रतियोगिता में प्रदर्शित होने वाली किसी भारतीय महिला निर्देशक की पहली भारतीय फिल्म है। मुख्य प्रतियोगिता के लिए चयनित की गयी आखिरी भारतीय फिल्म शाजी एन करण की 1994 में आयी ''स्वाहम'' थी। कपाड़िया को अमेरिकी अभिनेता वियोला डेविस ने 'ग्रैंड प्रिक्स' पुरस्कार प्रदान किया। पुरस्कार लेते हुए उन्होंने फिल्म में मुख्य किरदार निभाने वाली तीन अभिनेत्रियों – कानी कुश्रुति, दिव्या प्रभा और छाया कदम का आभार जताया और कहा कि उनके बिना यह फिल्म नहीं बन पाती।

कपाड़िया ने कहा, ''मैं बहुत घबरायी हुई हूं इसलिए मैंने कुछ लिखा है। हमारी फिल्म यहां दिखाने के लिए कान फिल्म महोत्सव का शुक्रिया। कृपया किसी और भारतीय फिल्म के लिए 30 साल तक इंतजार मत करना।'' उन्होंने कहा, ''यह फिल्म मित्रता के बारे में, तीन बहुत ही अलग-अलग मिजाज की महिलाओं के बारे में है। कई बार महिलाएं एक-दूसरे के खिलाफ खड़ी हो जाती हैं। हमारा समाज इसी तरीके से बनाया गया है और यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन मेरे लिए दोस्ती बहुत महत्वपूर्ण रिश्ता है क्योंकि इससे अधिक एकजुटता, समावेशिता और सहानुभूति पैदा होती है।''

मलयालम-हिंदी फीचर फिल्म 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' एक नर्स प्रभा के बारे में है जिसे लंबे समय से अलग रह रहे अपने पति से एक अप्रत्याशित उपहार मिलता है जिससे उसका जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। इस फिल्म को कान महोत्सव में दिखाने के बाद आठ मिनट तक खड़े होकर दर्शकों ने तालियां बजायी थीं और अंतरराष्ट्रीय फिल्म आलोचकों ने इसकी शानदार समीक्षा की थी जिसके बाद यह इस पुरस्कार को पाने की दौड़ में सबसे आगे थी।

इससे पहले शुक्रवार को बुल्गारिया के निर्देशक कॉन्स्टेंटिन बोजानोव की हिंदी भाषी फिल्म 'द शेमलेस' के प्रमुख कलाकारों में से एक अनसुया सेनगुप्ता ने 2024 के कान फिल्म महोत्सव में 'अन सर्टेन रिगार्ड' श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतकर इतिहास रच दिया था।

फिल्म को कान्स की सबसे प्रतिष्ठित कैटेगरी 'पाम डी'ओर' के अंतर्गत 23 मई को प्रीमियर किया गया था। इस कैटेगरी में यह 30 साल बाद सिलेक्ट होने वाली भारतीय फिल्म थी। इससे पहले 1994 में फिल्म 'स्वाहम' को इस कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया था। भारत को कुल 4 अवॉर्ड मिले।

प्रोडक्शन में उतरने की जल्दबाजी नहीं : सोनाक्षी सिन्हा

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का कहना है कि फिल्म प्रोडक्शन में उतरने की उन्हें जल्दबाजी में नहीं हैं। आलिया भट्ट, कृति सैनन, हुमा कुरैशी, और तापसी पन्नू समेत ऐसी कई अभिनेत्रियां हैं, जो अभिनय के साथ-साथ फिल्म निर्माण में भी सक्रिय हैं। हालांकि, उन्हीं के समकालीन अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा फिलहाल फिल्म प्रोडक्शन में उतरने की जल्दबाजी में नहीं हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, फिलहाल मेरे पास जिस तरह के प्रस्ताव आ रहे हैं, तो मैं एक्टिंग और अपनी नेल्स (नाखून) कंपनी चलाने में व्यस्त हूं। मेरी सारी ऊर्जा इन्हीं दोनों में जा रही है।फिलहाल मुझे जिस तरह के काम के प्रस्ताव मिल रहे हैं, मैं उससे बहुत खुश हूं। मैं अच्छे काम चुनना और करना चाहती हूं। मेरे पास फिल्में प्रोड्यूस करने के लिए टीम के साथ बैठने और स्क्रिप्ट पर काम करने का समय नहीं है। यदि मैं कुछ करती हूं, तो उसमें अपनी क्षमता का शत प्रतिशत देती हूं। मैं आधे दिल से कोई काम नहीं कर सकती हूं।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में सिनेमैटोग्राफी के लिये पुरस्कार पाने वाले पहले एशियाई बनें संतोष सिवन

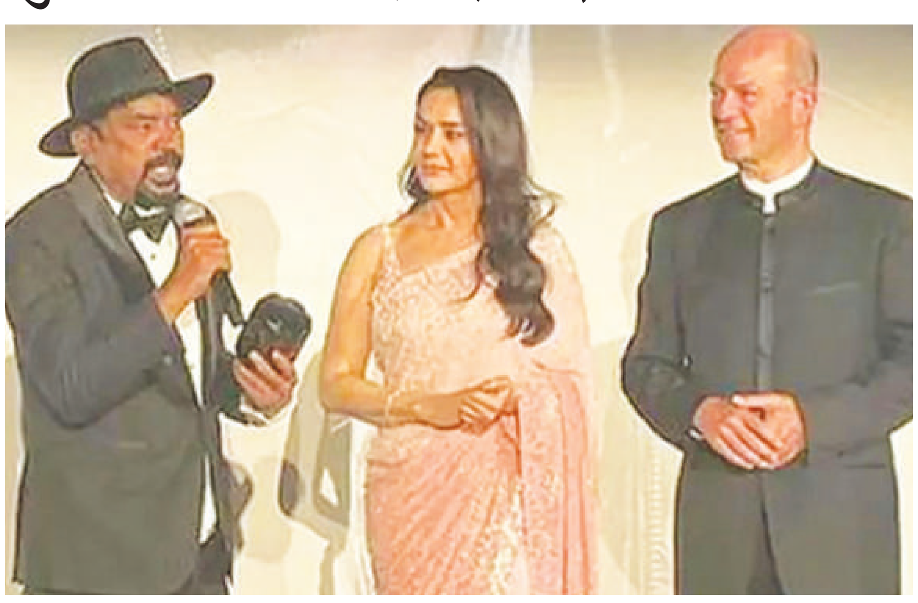

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्म सिनेमैटोग्राफर और निर्देशक कान्स फिल्म फेस्टिवल में सिनेमैटोग्राफी के लिये पुरस्कार पाने वाले पहले एशियाई बन गये हैं।

संतोष सिवन को 77वें कान फिल्म फेस्टिवल 2024 में 'सिनेमैटोग्राफी' में प्रतिष्ठित पियरे एंजनीक्स एक्सेलेंस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।प्रीति जिंटा ने संतोष सिवन को 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में सिनेमैटोग्राफी में प्रतिष्ठित पियरे एंजनीक्स एक्सेलेंस पुरस्कार से सम्मानित किया। इस दौरान भारत के राजदूत जावेद अशरफ भी मौजूद रहे। संतोष सिवन ने ही प्रीति जिंटा की पहली फिल्म 'दिल से' शूट की थी।

पुरस्कार प्राप्त करने पर संतोष सिवन ने कहा, यह मेरी जिंदगी का सबसे खूबसूरत दिन है। इस पुरस्कार को पाने के लिए कान फिल्म फेस्टिवल से अच्छी कोई और जगह नहीं हो सकती।उन्होंने कहा कि मैं केरल से हूं और यहां की संस्कृति को मैंने बारीकी से जाना है।

मलयालम इंडस्ट्री से मैंने कुछ बातें सीखी, जिनके बिना सिनेमैटोग्राफी नहीं होती। वहां से मैं तमिल सिनेमा और हिंदी से हॉलीवुड में शिफ्ट हो गया। इस प्रोफेशन की सबसे अच्छी बात यह है कि इसकी कोई सीमा नहीं है।

बॉडीकॉन आउटफिट पहनकर मालविका मोहनन ने दिखाया ऐसा कर्वी फिगर

पोज पर अटकर गई फैंस की नजर!

साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरत हसीना मालविका मोहनन हमेशा अपनी खूबसूरती के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाओं का विषय बनी रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने वेस्टर्न लुक से इंटरनेट पर कहर बवाल मचा दिया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर लोग दीवाने हो गए हैं।एक्ट्रेस मालविका मोहनन साउथ इंडस्ट्री की हसीन अदाकाराओं में से एक हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही वायरल होने लगता है।हाल ही में एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका बेहद सेक्सी अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।इन तस-

वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने येलो कलर की बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।

ओपन हेयर और सटल बेस मेकअप कर के एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनकी ये कातिल अदाएं फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस मालविका मोहनन अक्सर अपने लुक्स से फैंस के बीच बवाल मचाती रहती हैं। उनका हर एक अंदाज फैंस को काफी पसंद आता है।मालविका मोहनन जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन तस्वीरों पर भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। मालविका मोहनन को इंस्टाग्राम पर लाखों यूजर्स फॉलो करते हैं।

मिस्टर इंडिया का सीक्वल बनाने के लिये बेताब हैं बोनी कपूर

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार बोनी कपूर अपनी सुपरहिट फिल्म मिस्टर इंडिया का सीक्वल बनाने के लिये बेताब हैं।

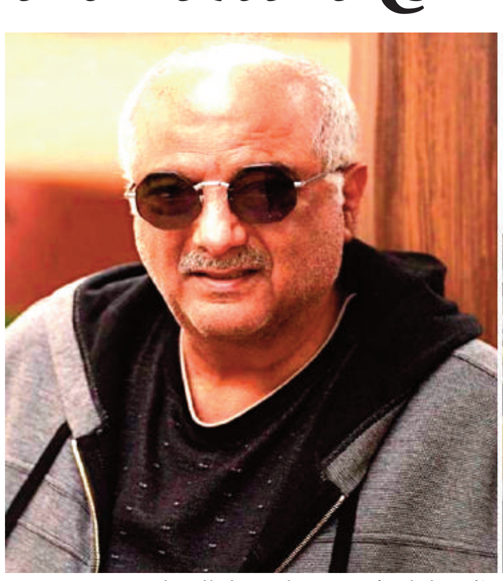

बोनी कपूर ने वर्ष 1987 में अनिल कपूर, श्रीदेवी और अमरीशपुरी को लेकर सुपरहिट फिल्म मिस्टर इंडिया बनायी थी। शेखर कपूर के निर्देशन में बनी फिल्म मिस्टर इंडिया , 25 मई 1987 को प्रदर्शित हुयी थी।मिस्टर इंडिया के सीक्वल पर बोनी कपूर ने एक अपडेट दिया है। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी शेयर किया है।

बोनी कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें मिस्टर इंडिया के सेट से पर्दे के पीछे की कई फोटोज हैं। इस वीडियो के साथ बोनी कपूर ने कैप्शन में लिखा, दिखाई नहीं देने वाली घड़ी अभी भी ऑर्बिट में है। इसने 37 साल पूरे कर लिए हैं। इस जादू को फिर से चलाने के लिए रिचार्ज हो रहा हूं।

कल्कि 2898 एडी की हाईटेक कार 'बुज्जी' की सवारी कर हुए रोमांचित

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने एक्टर नागा चैतन्य आने वाली फिल्म कल्कि 2898 एडी की हाईटेक कार 'बुज्जी' की सवारी कर रोमांचित हो गए। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी फिल्म'कल्कि 2898 एडी'में प्रभास, दीपिका पादुकोण,अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पटानी की अहम भूमिका है। हाल ही में फिल्म में अहम भूमिका निभा रही 'बुज्जी' की पहली झलक सामने आई।'कल्कि 2898 एडी' में प्रभास यानी भैरव की कूल फ्रेंड बनी 'बुज्जी' एक रोबोटिक कार है।

वैजयंती मूवीज ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें नागा चैतन्य बुज्जी में बैठकर राइड कर रहे हैं। क्लिप में चैतन्य अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए नजर आए। उन्होंने कहा कि वह शॉक में हैं। उन्होंने वीडियो में कहा, मैं अभी भी शॉक में हूं। आपने इंजीनियरिंग के सारे रूल्स तोड़ दिए हैं। वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, देखिए कौन बुज्जी से मिला नागा चैतन्य। उम्मीद करता हूं कि आपकी राइड मजेदार रही होगी। चैतन्य ने इसे रीशेयर किया है और इसे शानदार बताया है।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैंने कभी भी ऐसा कुछ इमेजिन नहीं किया था। इस विजन को रियलिटी में बदलने के लिए पूरी टीम को सलाम करता हूं। यह वाकई किसी चमत्कार से कम नहीं है। बुज्जी के साथ चिल करके मजा आया। नागअश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित'कल्कि 2898 एडी'हिंदी के साथ-साथ तमिल, तेलुगु, मलयाली, कन्नड़ और अंग्रेजी भाषा में 27 जून को रिलीज होगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलाएगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जो लोग दुग्ध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए।
अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। जीवनसाथी यह जता सकता है कि आपके साथ रहने का क्या-क्या ख़ामियाज़ा उसे भुगतना पड़ रहा है।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ड़,छ,के,को,ह

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। हालात को क़ाबू में रखने के लिए अपने भाई की मदद लें। विवाद को ज़्यादा तूल देने की बजाय उसे दोस्ताना तरीक़े से हल करने की कोशिश करें। अपनी पेशेवर क्षमताओं को बढ़ाकर आप करिअर में नए दरवाज़े खोल सकते हैं। अपने क्षेत्र में आपको अपार सफलता मिलने की संभावना भी है। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। पढ़ाई-लिखाई में कम रुचि के चलते बच्चे आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। खाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है, जो फिर वाद-विवाद का रूप भी ले सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

जिन लोगों ने किसी से उधार लिया है उन्हें आज किसी भी हालत में उधार चुकाना पड़ सकता है जिससे आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो जाएगी। लोग आपको आशाएँ और सपने देंगे, लेकिन असल में सारा दारोमदार आपके प्रयासों पर रहेगा। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके सामने नई चुनौतियाँ आएंगी- ख़ास तौर पर अगर आप कूटनीतिक तरीक़े से चीज़ों को नहीं इस्तेमाल करेंगे तो। एकांत में वक्त बिताना अच्छा है लेकिन आपके दिमाग में कुछ चल रहा है तो लोगों से दूर रहकर आप और ज्यादा परेशान हो सकते हैं। इसलिए आपको हमारी सलाह है कि लोगों से दूर रहने से बेहतर होगा किसी अनुभवी शख्स से अपनी परेशानी के बारे में बात करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ है आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शान्त और तनाव-रहित रहें। यह बात भली भांति समझ लें कि दुख की घड़ी में आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

लोगों से साथ बात करने और समारोहों में शिरकत करने का डर आपके घबराहट की वजह बन सकता है। इस परेशानी से बचने के लिए अपने आत्मविश्वास में इज़ाफ़ा करें। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। वक्त पर चलने के साथ-साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दूसरों की आलोचना में समय ख़राब न करें, क्योंकि इसका बुरा असर आपके स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में लक्ष्य हासिल करने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा को इसी ओर लगाएँ। हवन-पूजा-पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। यह दिन आपके और आपके जीवनसाथी के लिए ही बना है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। बैंक से जुड़े लेन-देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। वो आपसे रुठें इससे ही पहले ही अपनी गलती का अहसास कर लें और उन्हें मना लें। अगर आज आपका रुख़ विनम्र और सहयोगी है, तो आपको अपने साझीदारों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। ख़ाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा- क्योंकि आपका प्रिय आपने लिए बहुत सारी ख़ुशी की वजह साबित होगा। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 27 मई 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी सायं 04:56 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा प्रातः 10:14 तक
योग : शुभ प्रातः 06:35 तक
करण : बल प्रातः 05:34 तक
चन्द्रराशि : धनु सायं 04:05 तक
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:35 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– ज्येष्ठ मासे हनुमत पूजनम्

❋ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❋

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भाजपा खुद को मान रही सुरक्षित, गांवों में अधिक मतदान से कांग्रेस को संजीवनी की आस

चंडीगढ़, 26 मई (एजेंसियां)। हरियाणा लोकसभा की दसों सीटों पर हुए मतदान के बाद राजनीतिक दल अपने-अपने समीकरण बनाने में जुट गए हैं। हालांकि, प्रदेश की अलग-अलग लोकसभा क्षेत्र और अलग-अलग बेल्ट में हुए अलग-अलग मतदान ने दलों को उलझाकर रख दिया है। पिछले लोकसभा चुनावों के मुकाबले इस बार कुल मतदान कम होने को जहां भाजपा इसे अपने हक में मान रही है। भाजपा का मानना है कि इसका मतलब साफ है कि एंटी इंकमबेंसी जैसी कोई लहर नहीं थी।

दूसरी तरफ कांग्रेस को ग्रामीण क्षेत्रों में हुए अधिक मतदान से संजीवनी की उम्मीद है। खास बात ये रही कि किसान आंदोलन से प्रभावित इलाकों में मतदान अधिक हुआ है। अंबाला व सिरसा लोकसभा क्षेत्र इसके उदाहरण हैं। इन दोनों लोकसभा क्षेत्रों में प्रदेश में सबसे अधिक मतदान हुआ है और दोनों ही सीटें आरक्षित हैं। इनके अलावा, कुरुक्षेत्र और करनाल में भी इसका असर दिखा है।चुनाव आयोग के 8 बजे के बुलेटिन के अनुसार, सिरसा में सबसे अधिक 69.01 फीसदी मतदान हुआ है। यहां भाजपा के अशोक तंवर और कांग्रेस की कुमारी सैलजा प्रत्याशी हैं। इसी प्रकार, आरक्षित अंबाला सीट पर कांग्रेस के वरुण मुलाना और भाजपा की बंतो कटारिया में कड़ा मुकाबला दिख रहा है। यहां 67.0 फीसदी मतदान रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दोनों क्षेत्रों में अधिक मतदान भाजपा प्रत्याशियों के लिए परेशानी बढ़ाने वाला है। दोनों ही क्षेत्र जाट, सिख, मुस्लिम और अनुसूचित जाति प्रभावित इलाके हैं।

इसके बाद, कुरुक्षेत्र 66.03 और करनाल में 63.02 प्रतिशत मतदान रहा है। इन दोनों ही लोकसभा क्षेत्रों में भी किसान आंदोलन का पूरा प्रभाव रहा था, क्योंकि दोनों ही जिलों में भारतीय किसान यूनियन मजबूत हैं। कुरुक्षेत्र में तो भाकियू प्रदेशाध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने खुले तौर पर भाजपा का विरोध कर इनेलो के प्रत्याशी अभय चौटाला को समर्थन किया था।

वहीं, करनाल में टिकैत गुट की भाकियू के राज्य प्रधान रतन मान का प्रभाव है और उन्होंने सत्ताधारी दलों के विरोध के अलावा समर्थन का जिम्मा खुद कार्यकर्ताओं पर छोड़ दिया था। खासकर गांवों में अधिक मतदान भाजपा प्रत्याशियों के लिए चिंता बढ़ा रहा है। इसके अलावा, किसान आंदोलन का असर भिवानी-महेंद्रगढ़ 65.3 प्रतिशत और हिसार में 64.07 प्रतिशत मतदान को भी किसान आंदोलन का असर माना जा रहा है। यहां पर शहरों में मतदान कम हुआ है और गांवों में अधिक लोगों ने मत का प्रयोग किया है। वहीं, रोहतक में 64.6 और सोनीपत में 62.3 प्रतिशत तक ही पहुंच पाया, जबकि यहां अधिक मतदान की संभावनाएं थी। गौरतलब है कि यूं तो किसान आंदोलन के दौरान पूरा प्रदेश प्रभावित रहा था। पंजाब के साथ लगते जिलों के साथ-साथ दिल्ली बॉर्डर के साथ लगते इलाके भी इससे खासे प्रभावित रहे थे। लोकसभा चुनावों से पहले खुफिया विभाग ने भी रिपोर्ट दी थी कि प्रदेश की सात लोकसभा सीटों पर किसान आंदोलन का असर दिखेगा। मतदान प्रतिशत भी कुछ इसी तरह का संकेत दे रहा है।

जीटी बेल्ट, बागड़ और बांगर के इलाकों में अधिक मतदान हुआ है। यह वही बेल्ट हैं, जहां पर सबसे अधिक किसान आंदोलन का असर रहा था, क्योंकि अंबाला से ही आंदोलन शुरू हुआ था और यह जीटी रोड से होते हुए कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत और सोनीपत के दिल्ली के साथ लगते बार्डर तक किसान पहुंचे थे। इसके बाद, पंजाब के साथ-साथ लगते बागड़ी क्षेत्र सिरसा और हिसार प्रभावित रहे थे। इनके साथ ही बांगर के क्षेत्र, जींद, कैथल के किसानों ने बढ़-ढ़कर किसान आंदोलन में हिस्सा लिया था। अहीरवाल और खासकर दक्षिण हरियाणा की गुरुग्राम, फरीदाबाद में मतदान 60 फीसदी से कम रहा, ये भाजपा के लिए राहत की बात है। इसी प्रकार, जाट लैंट और अहीरवाल दोनों को मिलाकर बनी भिवानी महेंद्रगढ़ सीट में भी मतदान खासा रहा है और यहां पर 65 फीसदी तक मतदान हुआ है। अधिक मतदान को कांग्रेस अपने हक में मान रही है, क्योंकि अहीरवाल में भाजपा पिछले दस साल से मजबूत स्थिति में है और तीन सांसदों के साथ साथ कई विधायक भाजपा के हैं।

69.94 प्रतिशत मतदान के साथ सिरसा हरियाणा में रहा अव्वल

सिरसा, 26 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा के जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त आर.के सिंह ने बताया कि जिला में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण सम्पन्न हुई। प्रदेश में सिरसा का मतदान प्रतिशत सबसे अधिक रहा, इसके लिए जिलावासी बधाई के पात्र हैं। इसके साथ ही स्वीप एक्टिविटी में लगे अधिकारी व कर्मचारियों के अथक प्रयासो का भी इसमें सहयोग रहा, जिससे लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ी।

श्री सिंह ने कहा कि सिरसा के मतदाताओं ने एक बार फिर अपनी जागरूकता का परिचय दिया है। तीसरी बार प्रदेश में सिरसा मतदान में अव्वल रहा है। जिला में मतदान प्रतिशत 69.94 रहा। उन्होंने कहा कि सफलतापूर्वक मतदान प्रक्रिया के समापन के लिए चुनाव से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी तथा जिला पुलिस व सुरक्षा बल के जवान भी बधाई के पात्र हैं।

श्री सिंह ने बताया विधानसभा डबवाली में 71.02 प्रतिशत, ऐलनाबाद में 74.82 प्रतिशत, फतेहाबाद में 69.09 प्रतिशत, कालांवाली में 71.31 प्रतिशत, नरवाना में 65.58 प्रतिशत, रानियां में 72.30 प्रतिशत, रतिया में 70.73 प्रतिशत, सिरसा में 62.51 प्रतिशत व टोहाना में 72.10 प्रतिशत मतदान रहा।जिला निर्वाचन अधिकारी आर.के सिंह ने बताया कि जिला में शांतिपूर्ण मतदान के बाद शाम 7 बजे से पोलिंग पार्टियां मतदान केंद्रों पर ईवीएम लेकर पहुंचनी शुरु हो गई थी। देर रात तक सभी पोलिंग पार्टियां अपने-अपने मतगणना केंद्रों पर पहुंची। इसके बाद सभी पांचों विधानसभा के ईवीएम स्ट्राँग रुम को चुनाव पर्यवेक्षक देव कृष्णा तिवारी की उपस्थिति में वीडियोग्राफी के साथ सील किया गया। इस दौरान राजनीतिक दलों प्रत्याशी एवं उनके प्रतिनिधि भी उपस्थिति थे।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का मिला शव परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

हांसी, 26 मई (एजेंसियां)। शहर के त्रिमूर्ति चौक के पास गली में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान 20 वर्षीय गांव प्रेम नगर निवासी शक्ति के रूप में हुई। मृतक के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। इससे परिजनों ने हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीन ऑफ क्राइम टीम को बुलाया है और साक्ष्य जुटाए जा रहे है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मृतक के भाई सोनू का कहना है कि उनका भाई शनिवार सुबह 8 बजे शादी में ढोल बजाने के लिए गया था। सोनू ने बताया कि रात को उसका भाई घर पर नहीं पहुंचा। उन्होंने बताया कि आस पास उन्होंने अपने भाई की तलाश की मगर उसका कोई पता नही चला। सोनू ने बताया कि रविवार को उनके भाई का शव मिलने की सूचना पुलिस ने उन्हें दी। मृतक के भाई सोनू ने बताया कि जब घटना स्थल पर जाकर हमने देखा तो उनके भाई के सिर में ईंट से वार किया गया था।उन्होंने बताया की सीसीटीवी फुटेज में दो लड़के दिखाई दे रहे हैं, जिसमें एक लड़का अपने हाथों में ईंट लिए हुए हैं। उन्होंने बताया कि उनके भाई का फोन व पैसे भी छीने गए हैं। मृतक के भाई सोनू ने बताया कि उसके शरीर पर काफी गंभीर चोटों के निशान मिले हैं। इससे यह पता लगता है कि उनकी हत्या की गई है। यह कोई दुर्घटना नहीं है।

कार व बाइक रेहड़ी में भिड़ंत मासूम सहित सात घायल

अंबाला, 26 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला-दिल्ली हाईवे पर शास्त्री कॉलोनी के निकट रविवार सुबह तेज रफ्तार कार ने बाइक रेहड़ी को टक्कर मार दी। हादसे में रेहड़ी पलट गई और उसमें सवार प्रवासी मजदूर के चार बच्चों सहित सात लोग घायल हो गए। हादसे के समय रेहड़ी में 3 माह का बच्चा रोहन, 5 वर्षीय संजू, 6 वर्षीय शरवन, 7 वर्षीय की लक्ष्मी, 25 वर्षीय सागरवती, 25 वर्षीय सरोज व उसका पति जय प्रकाश, 26 वर्षीय जतिंद्र, 24 वर्षीय निरंजन व उसकी पत्नी सरोज सहित कुल 10 सवार थे। बच्चों को मामूली चोटें आई है जबकि सात को चेहरे व बाजू में चोटें आने पर छावनी नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया है।

पड़ाव थाना पुलिस ने कार व जुगाड़ की बाइक रेहड़ी को थाने में ले जाकर मामले की जांच शुरू कर दी। इस हादसे में सरोज की टांग में फ्रेक्चर आया है। घायल चालक निरंजन ने बताया कि वह मजदूरी करता है। रविवार को अंबाला कैंट के सेक्टर-34 आशियाना से अपनी पत्नी सरोज व 3 माह के बच्चे सहित व अन्य के साथ लेकर अंबाला कैंट सुभाष पार्क के निकट जा रहे थे। जहां पर निर्माणाधीन मकान में वह मजदूरी कर रहे हैं।जैसे ही वह हाईवे पर सर्विस लेन से होते हुए अंडरपास की तरफ मुडने लगे तो अचानक एक तेज रफ्तार कार आई और देखते ही देखते सीधी टक्कर मार दी। हादसे के बाद बाइक रेहड़ी पलट गई और पूरा परिवार सड़क पर ही गिर गया। इस हादसे में पत्नी की गोद में से 3 माह का बच्चा भी छूटकर सड़क पर गिर गया था। गनीमत यह रही कि वह किसी पत्थर या बड़ी चीज से नहीं टकराया, वरना हादसा जानलेवा हो सकता था।

आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक राजस्थान में रिकॉर्ड जब्ती

जयपुर, 26 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अलग-अलग एजेंसियों ने मार्च से अब तक 1205 करोड़ रुपए की कीमत से अधिक की नशीली दवाएं, शराब, कीमती धातुएं, मुफ्त बांटी जाने वाली वस्तुएं और अवैध नकद राशि जब्त की है।मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने रविवार को बताया कि राज्य में चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से संदिग्ध वस्तुओं और धन के अवैध उपयोग पर अलग-अलग एजेंसियां कड़ी निगरानी कर रही हैं। इसी क्रम में एक मार्च से अब तक 1205 करोड़ रुपए से अधिक की जब्ती की गयी है।उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद निर्वाचन विभाग के निर्देश पर 16 मार्च से अब तक एजेंसियों द्वारा पकड़ी गई वस्तुओं की कीमत 1100 करोड़ रुपये से ज्यादा है। एक मार्च से अब तक राजस्थान में 12 जिलों में 40-40 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संदिग्ध वस्तुएं और नकदी आदि जब्त की गई है। उन्होंने बताया कि सिरोही में 70 करोड़ 80 लाख, जयपुर में 68 करोड़ 59 लाख, झुंझुनूं में 58 करोड़ 37 लाख, भीलवाड़ा में 56 करोड़ 81 लाख, गंगानगर में 54 करोड़ 79 लाख जोधपुर में 54 करोड़ 67 लाख, चूरू में 53 करोड़ 79 लाख और बाड़मेर में 44 करोड़ 47 लाख रुपये की सामग्री जब्त की गयी हैं।श्री गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष एक मार्च से अब तक करीब 43 करोड़ रुपये नकद, 257 करोड़ 35 लाख रुपये मूल्य की ड्रग्स, 49 करोड़ 36 लाख रुपये से अधिक कीमत की शराब और करीब 75 करोड़ 70 लाख रुपये मूल्य की सोना-चांदी जैसी कीमती धातुओं की जब्ती की गई है।

दस हजार फर्जी सिम आपूर्ति करने की आरोपी महिला गिरफ्तार

भरतपुर, 26 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में भरतपुर एवं डीग जिलों में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए मेवात क्षेत्र में शुरू किए गए ऑपरेशन एंटीवायरस अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता उस समय हाथ लगी जब उसने साइबर ठगों को करीब 10 हजार फर्जी मोबाइल सिम सप्लाई करने की आरोपी महिला को धर दबोचा।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि लंबे समय से पुलिस को चकमा देकर घरों की छत पर चढ़कर फरार हो जाने बाली मेवात में सिम सरगना के नाम से मशहूर मीना मेव पर दो दिन पहले ही डीग पुलिस ने 10 हजार का इनाम घोषित किया था।

दो चिकित्साधिकारी व दलाल 25 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

अलवर, 26 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर जिले के प्रतापगढ़ मे भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने रविवार को दो चिकित्साधिकारी एवं उनके दलाल को 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।ब्यूरो की भिवाड़ी इकाई में पुलिस उपाधीक्षक परमेश्वर लाल ने बताया कि एसीबी की अलवर-द्वितीय हाल भिवाडी इकाई को परिवादी ने शिकायत की कि उनके परिवार पर हमले के मामले में प्रतापगढ थाने में दर्ज मारपीट के मुकदमें में गंभीर चोटों की एमएलसी रिपोर्ट पक्ष में बनाने की एवज में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्रतापगढ में पदस्थ डॉ. समर्थ लाल मीणा, डॉ. योगेश शर्मा (दोनों चिकित्साधिकारी) एक लाख रूपये की रिश्वत मांग रहे हैं।उन्होंने बताया कि शिकायत का सत्यापन करवाने के बाद ब्यूरो के दल ने जाल बिछाकर डॉ. समर्थ लाल मीणा, डॉ. योगेश शर्मा एवं उनके दलाल सुनील गोयल मेडिकल स्टोर संचालक, प्रतापगढ़ को परिवादी से 25 हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। श्री लाल ने बताया कि आरोपी डॉ. योगेश शर्मा ने शिकायत के सत्यापन के दौरान भी परिवादी से 15 हजार रुपये रिश्वत के वसूल कर लिये थे। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

बुजुर्गों, दिव्यांगों व विधवाओं की पेंशन न आना दुर्भाग्यपूर्ण : गहलोत

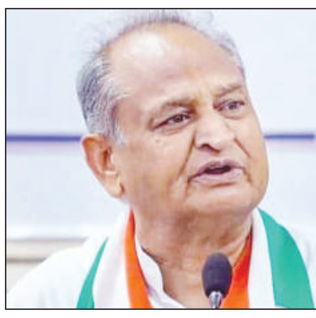

जयपुर, 26 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि 87 लाख बुजुर्गों, दिव्यांगों एवं विधवाओं की पेंशन न आना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। श्री गहलोत ने रविवार को जारी बयान में कहा कि पेंशन न सिर्फ इनके जीवनयापन में मदद करती है बल्कि इन्हें आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का मौका देती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान की जनता को गारंटी दी थी कि पिछली सरकार की किसी योजना को बंद या कमजोर नहीं किया जाएगा, लेकिन रोज अखबारों में छप रहीं खबरें इस गारंटी की पोल खोल रही हैं। श्री गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से आग्रह करते हुए कहा कि सामाजिक सुरक्षा की इन योजनाओं को मजबूत करें जिससे राजस्थान के आमजन का सम्मान बढ़े।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को श्री क्षेत्र धर्मस्थल में जाकर श्री मंजूनाथ स्वामी के दर्शन कर विशेष पूजा अर्चना की। प्रदेश में इस साल अच्छी बारिश, विकास कार्य बढ़ने और राज्य की जनता की खुशहाली की कामना की। सीएम ने कहा मैंने प्रार्थना की कि सुख, शांति और समृद्धि लोगों के सभी कष्ट और नुकसान दूर हो।*

छठे चरण में भी कम रहा मतदान प्रतिशत पश्चिम चंपारण में सबसे ज्यादा वोटिंग

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में छठे चरण की आठ सीटों पर मतदान का समापन हो गया। पांचवे चरण की तुलना में इस बार मतदान का प्रतिशत कम रहा। इतना ही 2019 में हुए इन आठों सीटों पर हुए मतदान से तुलना करें तो इस बार करीब 3.02 प्रतिशत कम मतदान हुआ। पिछली बार 58.47 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार 54.45 प्रतिशत हुआ। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एचआर श्रीनिवास के अनुसार, अब तक सबसे अधिक पश्चिमी चंपारण में 59.75 प्रतिशत मतदान हुआ। कुछ बूथों पर वोट बहिष्कार के कारण गोपालगंज में 50.70 प्रतिशत मैदान हुआ। वहीं वैशाली में 58.50 प्रतिशत, शिवहर में 56.30 प्रतिशत, पूर्वी चंपारण में 57.30 प्रतिशत, वाल्मीकिनगर 58.25 प्रतिशत, और महाराजगंज में 51.27 प्रतिशत मतदान हुआ है। आठों सीटों पर कुल 55.45 प्रतिशत मतदान हुआ है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, छठे चरण के निर्वाचन में रिजर्व सहित कुल 17,911 कंट्रोल यूनिट, 17,940 बैलेट यूनिट तथा 19,458 वीवीपैट का उपयोग हुआ है, जिसमें 46 कंट्रोल यूनिट, 50 बैलेट यूनिट तथा 135 वीवीपैट मॉक पोल के दौरान बदले गये हैं।

तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी को लेकर जताई चिंता, खुला पत्र लिखकर दी यह पांच चुनौतियां

पटना (एजेंसियां)।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पीएम नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे पर चिंता जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर खुला पत्र लिखकर पीएम नरेंद्र मोदी को पांच चुनौतियां दी। इनमें देश में जातीय गणना, आरक्षण का दायरा 75 प्रतिशत, प्राइवेट सेक्टर में आरक्षण, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और मुस्लिम समुदाय की जातियों को आरक्षण देने जैसे मुद्दे शामिल हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनावी मौसम में ही आप बिहार आते है कल आप फिर बिहार आए और एक बार फिर आपने सभी लोगों को भ्रमित करने की असफल कोशिश की।

तेजस्वी यादव ने लिखा कि मैं आपके समक्ष कुछ बातें रखना चाहता हूं। प्रधानमंत्री जी! आपको याद होगा कि बिहार से हम सब अगस्त 2021 में आपके पास जातिगत जनगणना की मांग को लेकर आए थे और आदरणीय नीतीश जी की जदयू समेत और भी दल मेरी इस मांग के पक्ष में थे। जातिगत जनगणना का प्रस्ताव मेरी ही पहल पर सर्वसम्मति से बिहार विधानसभा में पास कराया गया। हम सभी ने मिलकर आपसे जातिगत जनगणना की मांग की थी लेकिन आपने एकदम हमारी यह मांग ठुकरा दी थी। हम सबको पीड़ा हुई आपकी संवेदनशून्यता से लेकिन क्या ही कहें।

तेजस्वी यादव ने आगे लिखा कि जब हम बिहार में सरकार में आए तो हमने सरकार में आते ही राज्य के खर्चे पर जातिगत सर्वेक्षण कराया। उसकी हकीकत से आपको भी अवगत कराया गया। प्रधानमंत्री जी, हमने उस सर्वेक्षण के आलोक में आरक्षण का दायरा 75 प्रतिशत तक बढ़ाया और आपसे बार-बार गुजारिश करते रहे और हाथ जोड़कर मांग करते रहे कि इसको संविधान की नौवीं अनुसूची में डालिये। लेकिन, प्रधानमंत्री जी, मूलतः आप पिछड़ा और दलित विरोधी मानसिकता के हैं। आपने हमारी इस महत्वपूर्ण आग्रह जिसके पक्ष में बहुजन स्वर था पर आपने कोई विचार नहीं किया। 10 दिसंबर 2023 को पटना में आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री से भी इसकी मांग की गयी थी।आप उनसे पूछ सकते हैं।

तेजस्वी ने पीएम मोदी के बिहार दौरे पर हमला बोलते हुए कहा कि आज आप बिहार आये और यहां आ कर के आप जितनी कुछ आधारहीन, तथ्यहीन और झूठी बातें कर सकते थे, आपने की। अब आपसे अपेक्षा नहीं है कि आप अपने पद की गरिमा का ख़्याल रख विमर्श को ऊंचा रखेंगे। लेकिन आज आप भैंस, मंगलसूत्र के रास्ते होते हुए 'मुजरा' तक की शब्दावली पर आ गए। सच कहूं तो हमें आपकी चिंता होती है। क्या इस विशाल हृदय वाले देश के प्रधानमंत्री जी कि भाषा ऐसी होनी चाहिए? आप सोचिए और निर्णय कीजिए मुझे और कुछ नहीं कहना है।

आरक्षण पर सवाल उठाते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि पीएम मोदी ने बाबा साहेब का आरक्षण खत्म करने का एक नायाब तरीका ढूंढा है। क्योंकि संविधान की धारा 15 और धारा 16 के तहत आरक्षण सरकारी नौकरियों में मिलता है। आपने रेलवे, सेना और अन्य विभागों से सरकारी नौकरियां ही खत्म कर दीं, तो फिर आरक्षण की अवधारणा कहा जाएगी लेकिन ये गंभीर चिंता आपकी प्राथमिकताओं में है ही नहीं। हम तो आप से कई बार आग्रह कर चुके हैं कि संसद में, सड़क पर, सदन में, कि आप प्राइवेट सेक्टर में आरक्षण की व्यवस्था करिए ताकि एक व्यापक बहुजन आबादी दलित समुदाय और अन्य वंचित समूहों को उनको उनका वाजिब संवैधानिक हक़ मिले। प्रधानमंत्री जी! पांच किलो राशन को भी आप 'मुफ़्त' कहते रहते हैं। यह तो हमारे देश के नागरिकों का संविधान प्रदत्त न्यूनतम अधिकार है। आपकी भाषा और भाव मूलतः गरीब विरोधी है। मैं आपसे लगातार नौकरी, आर्थिक-सामाजिक न्याय और मंहगाई और बिहार को विशेष राज्य पर सवाल करता रहा हूं लेकिन आपकी रहस्यमयी चुप्पी समस्त बिहारवासियों को हताश कर रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने लिखा कि आपसे कितनी बातें कहूं ? बस इतना कह सकता हूं कि बस अब चुनाव का एक ही चरण बचा है। हमारी जो भी मांग है आरक्षण को लेकर , संविधान को लेकर और आर्थिक सामाजिक न्याय के संदर्भ में उन सब पर ग़ौर फरमाइए। सीधे तौर पर आकर कहिए कि आप अपने प्रेरणा स्रोत गुरुजी गोल-वलकर की बंच ऑफ़ थॉटस किताब से सहमत नहीं है। क्या आप कह पायेंगे? यह भी कह दीजिये की आप पिछड़े, अत्यंत पिछड़े, दलित, तमाम वर्गों को उनका समुचित आरक्षण प्राइवेट सेक्टर में भी देने की मांग से सहमत हैं। अगर आपसे यह सब नहीं कहते बन रहा है, तो जनता समझ लेगी कि आपकी चुनावी भाषणों का गिरता पैमाना ही आपकी राजनैतिक सोच का सही प्रतिबिम्ब है। कौन भूल सकता है कि 1990 में जब मंडल कमीशन लागू हुआ था तब मंडल कमीशन के विरोध में आप आडवाणी जी के साथ आरक्षण विरोधी रथ के सारथी थे। बहुजन दलित समुदाय कैसे भूल जाएं? समस्त दलित/पिछड़ा-अतिपिछड़ा और आदिवासी जानते है कि भाजपा और आप बाबा साहेब, बिरसा मुंडा, मान्यवर कांशीराम लोहिया जी और मंडल कमीशन के कट्टर वैचारिक दुश्मन है। तेजस्वी ने कहा किइस पत्र के साथ मैं गुजरात में ओबीसी कैटगरी के अंतर्गत मुस्लिम जातियों की सूची भी संलग्न कर रहा हूं ख शायद आपको ज्ञान और ध्यान भी ना रहा हो कि गुजरात में मुस्लिम समुदाय की जातियों को भी आरक्षण मिलता है। आप 13 बरस से ज्यादा अरसे तक इस राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैंख अतः भ्रम फ़ैलाने और नफरत परोसने की राजनीति से परहेज करिए।

छपरा गोलीकांड के बाद अब एसपी गौरव मंगला का तबादला

पटना (एजेंसियां)।

सारण में लोकसभा चुनाव के बाद हुए गोलीकांड की गाज अब एक वर्दीधारी पर गिर गई है। पहले नगर थानेदार को निलंबित किया गया। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के दो सुर-क्षाकर्मियों को निलंबित किया गया। अब सारण के एसपी गौरव मंगला पर कार्रवाई की गई है। उन्हें पुलिस मुख्यालय भेज दिया गया है। उनकी जगह अब मुजफ्फरपुर के रेल एसपी डॉ. कुमार आशीष को अब सारण का नया एसपी बनाया गया है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्णय के आलोक में मुजफ्फरपुर रेल विभाग में पुलिस अधीक्षक के पद पर पदस्थापित कुमार आशीष को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक सारण के पुलिस अधीक्षक के पद पर बिहार सरकार के गृह विभाग द्वारा तबादला किया गया है। गृह विभाग ने इसकी अधिसूचना भी जा कर दी है।

बता दें कि विगत 20 मई को सारण संसदीय चुनाव के लिए मतदान हो रहा था। लेकिन, मतदान के दौरान नगर थाना क्षेत्र के भिखारी चौक स्थित बड़ा तेलपा के मतदान केंद्र पर राजद प्रत्याशी रोहिणी आचार्य के पहुंचने के बाद राजद और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प हो गई थी। इसके अगले ही दिन यानी 21 मई की सुबह दोनों पार्टियों के समर्थकों के बीच तनाब बढ़ गया। देखते ही देखते मामला खूनी खेल में बदल गया। भिखारी ठाकुर चौक पर गोलीबारी हुई। इसमें राजद के तीन कार्यकर्ताओं को गोली लग गई। इनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो अन्य गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। जिसका इलाज पटना के पीएमसीएच में चल रहा है।

गोलीकांड के बाद सारण में तनाव काफी बढ़ गया। रोहिणी आचार्य ने तो यहां तक कह दिया कि भाजपा के गुंडे मेरी हत्या की साजिश रच रहे थे। वहीं राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि राजद कार्यकर्ता बूथ लूटना चाहते थे। 90 के दशक की याद दिया दी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने तो राजद प्रत्याशी रोहिणी आचार्य पर केस तक करवा दिया। इतना ही नहीं भाजपा के वरीय नेताओं ने रोहिणी आचार्य पर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सुरक्षा गार्ड को अपने साथ लेकर चलने का आरोप लगाया। पटना पुलिस की टीम जांच करने राबड़ी आवास पहुंची। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के दो अंगरक्षकों को निलंबित कर दिया गया। राजद का कहना है कि भाजपा लोकतंत्र की हत्या की कोशिश कर रही है। वहीं भाजपा का कहना है कि राजद वाले जंगलराज की याद दिला रहे।

गिरिराज बोले- ओवैसी में जिन्ना का जिन्न

फिसली जुबान, कहा- 2047 में ले जाना चाहते हैं

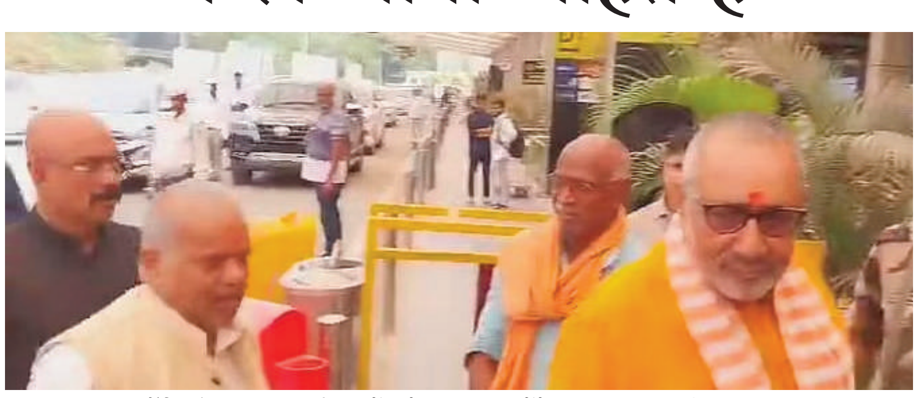

पटना (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह पटना में असद्दुदीन ओवैसी के आगमन को लेकर भड़क गये। गिरिराज सिंह ने कहा कि ओवैसी नहीं आया है कि लगता है जिन्ना का जिन्न आ गया है।

गिरिराज सिंह ने कहा कि ओवैसी देश के वह नेता हैं जो भारत को 2047 (वह 1947 कहना चाहते थे) की स्थिति में लाना चाहते हैं। असद्दुदीन ओवैसी के अंदर जिन्ना का जिन्न है। गिरिराज सिंह ने कहा कि ओवैसी इसके सिवा जो राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान में उपस्थित नहीं हो और जिसका भाई यह कहे कि 15 मिनट में हम भारत के हिन्दुओं को साफ कर देंगे, उस ओवैसी का बिहार में विरोध होना चाहिए।

दरअसल असद्दुदीन ओवैसी आज शनिवार को बिहार के काराकाट लोकसभा सीट पर एआईएमआईएम की प्रत्याशी प्रियंका चौधरी के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे। पटना एयरपोर्ट पर पहुंचते ही वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर बरस पड़े। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबंध में उन्होंने कहा कि देश की जनता तय करेगी लेकिन हम तो उम्मीद कर रहे हैं कि तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ना बनें। फिर अमित शाह के उस बयान पर, जिसमें यह कहा गया था कि 400 पार सीट दीजिये, हम मुस्लिम आरक्षण खत्म कर देंगे, इस पर असद्दुदीनओवैसी ने कहा कि वह पक्का आरक्षण को खत्म कर देंगे, संविधान को खत्म कर देंगे, उनके इरादे भी यही हैं।

दरअसल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को भोजपुर में चुनावी सभा को संबोधित करने के क्रम में कहा था कि भाजपा कर्नाटक और आंध्र में मुस्लिम आरक्षण खत्म करेगी। उन्होंने कहा था कि आप भारतीय जनता पार्टी को 400 पार करा दो तो यह मुस्लिम आरक्षण रद्द करके हम पिछड़ा और अति पिछड़ा को दे देंगे। पहले असद्दुदीन ओवैसी और फिर केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह का बयान चर्चे में हैं।

सड़क हादसे में दो दिन पहले घायल हुए मां-बेटे की मौत

मधेपुरा (एजेंसियां)।

बिहार के मधेपुरा में शुक्रवार को कॉमर्स कॉलेज से आगे धर्मकांटा के पास एनएच-107 पर ट्रक और बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई थी। उस हादसे में मां-बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए थे, उनमें से युवक की पहले ही मौत हो गई थी। वहीं, जिंदगी मौत से जूझ रही महिला की भी इलाज के दौरान शनिवार को मौत हो गई। दरअसल, गंभीर रूप से घायल महिला का इलाज पटना के पीएमसीएच में चल रहा था। शनिवार की रात महिला का शव गांव लाया गया। मृतक महिला की पहचान टेकठी वार्ड एक निवासी सुकुमार मंडल की पत्नी कौशल्या देवी (55) के तौर पर हुई है।

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को सुबह लगभग 11 टेकठी निवासी रंजन मंडल अपनी मां कौशल्या देवी के साथ अपनी एक वर्षीय बेटी संध्या कुमारी का इलाज कराने मधेपुरा जा रहे थे। रास्ते में कॉमर्स कॉलेज से करीब 100 मीटर पश्चिम धर्मकांटा के पास विपरीत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दिया। इस हादसे में बाइक सवार तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि बाइक चालक रंजन मंडल (28) की इलाज के दौरान मधेपुरा सदर अस्ताल में मौत हो गई थी।

हज यात्रियों ने गया एयरपोर्ट से भरी पहली उड़ान, 320 श्रद्धालु रवाना

गया (एजेंसियां)।

बिहार के गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से रविवार को हज यात्रा 2024 की शुरुआत हो चुकी है। पहले दिन दो अलग-अलग फ्लाइट से 320 हज यात्रियों का जत्था रवाना हुआ। पहली फ्लाइट में 74 पुरुष, 85 महिला और दूसरे फ्लाइट में 92 पुरुष और 69 महिला सहित कुल 320 हज यात्रियों को मदीना भेजा गया है। हज यात्रा एक जून तक संचालित है, जिसमें गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से गया जिले के करीब 1,083 आजमीने हज के लिए रवाना होंगे।

जिला प्रशासन ने हज यात्रियों की ठहरने की सुविधा के लिए हवाई अड्डे के बाहरी परिसर में वॉटरप्रूफ जर्मन हैंगर पंडाल का निर्माण किया गया है। साथ ही महिलाओं तथा पुरुषों के लिए अलग-अलग नमाजगाह की भी व्यवस्था की गई है। एयरपोर्ट परिसर में वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था है। इसके साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था को नियंत्रण रखने के लिए ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की भी प्रतिनियुक्ति की गई है।

हज के लिए रवाना हो रहे हज यात्री मो. खुर्शीद आलम ने कहा कि हिंदू-मुस्लिम में आपसी भाईचारा और एकता बनी रहे। इसके लिए यह दुआ मांगेंगे, क्योंकि चार जून को लोकसभा सीटों पर हुए चुनाव की मतगणना है। यह दुआ करते हैं जो अच्छा काम करेगा, उसकी सरकार बने। देश में शांति, अमन और चैन के लिए दुआ करेंगे। ऐसी सरकार बने जो बिना किसी भेदभाव के सबके लिए विकास का काम करे। जो सभी धर्मों के लिए बेहतर हो।

वहीं, दरभंगा से आए हज यात्री ने बताया कि आपस में मोहब्बत और भाईचारा बना रहे, ऐसी सरकार चाहते हैं। ताकि देश को फायदा हो, शिक्षा और स्वास्थ्य समेत सभी क्षेत्रों में बेहतर काम करे। गया के चाकंद निवासी हज यात्री चांद आलम ने कहा कि महंगाई कम हो, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सबके लिए काम करें, ऐसी सरकार चार जून को आए। इसके लिए हम दुआ करेंगे।

चुनाव कराने आए एक होमगार्ड के जवान की सड़क हादसे में मौत

सीवान (एजेंसियां)।

बिहार के सीवान में चुनाव कराने आए होम गार्ड जवान की रविवार की सुबह सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। यह हादसा गोपालगंज मुख्य मार्ग पर एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से हुआ है। यह घटना सीवान-गोपालगंज मुख्य मार्ग के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के अमलोरी सरसर स्थित बीएड कॉलेज के पास घटी।

जानकारी के मुताबिक, कटिहार जिले के अवादापुर निवासी मोहम्मद हाबी चुनाव कराने के लिए सीवान आए थे। कल यानी 25 मई को चुनाव संपन्न होने के बाद वह अमलोरी स्थित कैंप में चले गए। रात भर उसी कैंप में रहे। लेकिन कैंप में शौच जाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी। वह रविवार की सुबह शौच के लिए जा रहे थे। तभी अज्ञात वाहन उन्हें रौंदते हुए फरार हो गया। उसके बाद आसपास के लोगों की मदद से होमगार्ड जवान को सीवान के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इस हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने वाहन पकड़ने की मांग की है। वहीं, इस घटना के बाद पुलिस महकमे में शोक की लहर है। पुलिस के अनुसार मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया है। इधर, मुफ्फसिल थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस वाहन को पकड़ने में जुटी हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com